रांची
www.vananchaleye@gmail.com
हिन्दी दैनिक
वनांचल आई
हर खबर पर पहली नजर
₹5
PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:60 मंगलवार,04 नवम्बर

ब्रीफ न्यूज

पीएम मोदी बोले- भारत तकनीक से बदलाव लाने का लीडर

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के बने भारत मंडपम में इमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव (ईएसटीआईसी) 2025 में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान देश में रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएण्डडी) इकोसिस्टम को बढ़ाने के लिए एक लाख करोड़ रुपए की रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन स्कीम फंड लॉन्च किया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अब केवल टेक्नोलॉजी का कन्ज्यूमर नहीं रह गया है। वह टेक्नोलॉजी के जरिए ट्रांसफॉर्मेशन का पायोनियर बन गया है। दुनिया का सफल डिजिटल पबिलक इन्फ्रास्ट्रक्चर भारत के पास है ईएसटीआईसी 2025 कॉन्?लेव 5 नवंबर तक चलेगा। इसमें एजुकेशन, रिसर्च, उद्योग से जुड़े 3,000 से ज्यादा प्रतिभागी, नोबेल पुरस्कार विजेता, प्रख्यात वैज्ञानिक, इनोवेटर्स और पॉलिसी मेकर्स शामिल हो रहे हैं। जब विज्ञान का पैमाना मिलता है, जब नवाचार समावेशी हो जाता है, जब प्रौद्योगिकी परिवर्तन को प्रेरित करती है, तब बड़ी उपलब्धियोंकी नींव रखी जाती है।

स्पेनिश महिला से गैंगरेप मामले पर पीआईएल बंद

संवाददाता

दुमकाःदुमका में स्पेन की महिला टूरिस्ट के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले में कोर्ट के स्वतः संज्ञान की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार के जवाब को देखते हुए इस जनहित याचिका को बंद कर दिया। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता शाहबाज अख्तर नेकोर्ट को बताया गया था कि मामले में आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दिया गया है। 32 गवाहों में से 16 लोगों की गवाही हो चुकी है। आज भी इस मामले में गवाही होनी है। सरकार का पक्ष जानने के बाद कोर्ट ने कहा कि मामले में सरकार की ओर से आवश्यक कदम उठाए गए हैं, इसलिए इस मामले में अब और मॉनिटरिंग की आवश्यकता नहीं है। दरअसल, दुमका के हंसडीहा थाना क्षेत्र में स्पेनिश बोलने वाली (ब्राजील निवासी) महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजामदिया गया था। वहीं

नवंबर के पहले सप्ताह से झारखंड में ठंड धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में अब हिमालय की ठंडी हवाओं ने दस्तक दे दी है। सुबह और शाम की ठंड में इजाफा हो रहा है, जिससे लोगों ने हल्की सर्दी का एहसास करना शुरू कर दिया है। राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।

हैदराबाद-बीजापुर हाईवे पर गलत दिशा से आ रहे डंपर ने बस को सामने से मारी टक्कर

तेलंगाना में बस और डंपर की टक्कर, 19 लोगों की गई जान

मृतकों में एक 10 महीने का बच्चा व 13 महिलाएं शामिल

एजेंसी

हैदराबादःसोमवार की सुबह तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में हैदराबाद-बीजापुर हाईवे पर भीषण हादसा हो गया। गिट्टी से लदे डंपर ने तेलंगाना रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (टीएसआरटीसी) की बस को टक्कर मार दी। हादसे में 19 लोगों की जान चली गई। मृतकों में एक 10 महीने का बच्चा, 13 महिलाएं और दोनों वाहनों के ड्राइवर शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि 22 लोग घायल हैं। सभी का अलग- अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। यह हादसा हैदराबाद से लगभग 60 किलोमीटर दूर चेवेल्ला पुलिस स्टेशन क्षेत्र में खानपुर गेट के पास हुआ। यह बस विकाराबाद जिले के तंदूर से हैदराबाद जा रही थी। गलत दिशा से आ रहे डंपर ने बस को सामने से टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस बुरी तरह डैमेज हो गई औरडंपर पर लदी गिट्टी बस के अंदर यात्रियों परजा गिरी। इससे कई यात्री दब गए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस-डंपर दुर्घटना पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशिदेने की घोषणा की गई है।

गिट्टी के नीचे दब गए कई यात्री

घटना के दिल दहला देने वाले वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें गिट्टी में दबे यात्री मदद के लिए पुकारते दिखे। पुलिस और बचावकर्मी लोगों को बाहर निकालने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहे थे। बचाव दल को शवों को निकालने के लिए बस को काटना पड़ा। ड्राइवर और उसकी सीट के पीछे का हिस्सा टक्कर में सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यहां बैठे अधिकतर यात्रियोंकी मौके पर ही मौत हो गई।

पीएम ने मृतकों को 2-2 लाख रुपये मुआवजे का किया एलान

'रहेगा सबसे ऊपर हमारा तिरंगा, हम हैं टीम इंडिया...

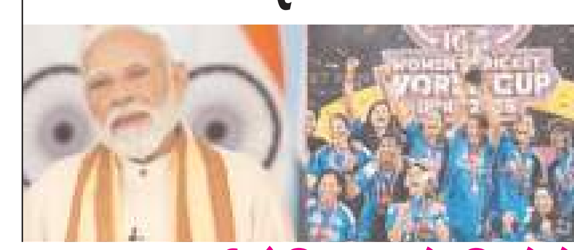

आज वर्ल्ड चैंपियंस से मिलेंगे पीएम नरेंद्र मोदी

एजेंसी

मुम्बई (एजेंसी)। विश्व कप जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में माहौल जश्न में डूबा हुआ रहा। जीत की खुशी, आंखों में चमक और हाथों में तिरंगा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ये तस्वीरें हर भारतीय के दिल को गर्व से भर देने वाली हैं। खिलाडि ?ों ने 'रहेगा सबसे ऊपर हमारा तिरंगा, हम हैं टीम इंडियाइ गाना गाते हुए मैदान से लेकर लॉकर रूम तक जीत का जश्न मनाया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल जीतकर इतिहास रच दिया है। भारत की बेटियों ने 47 साल के इंतजार को खत्म करते हुए देश का सपना पूरा किया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में गर्व और खुशी का माहौल है, देशभर में देर रात मने जश्न-ए-आतिशबाजी के रूप में देखा गया। बेटियों के पराक्रम से देशवासी गौरवान्वित हुए हैं।भारतीय महिला क्रिकेट टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए नई दिल्ली आएगी। यह टीम फिलहाल मुंबई में है और बुधवार (04 नवंबर) को प्रधानमंत्री से मुलाकात करेगी।

अनिल अंबानी की 3000 करोड़ की 40 प्रॉपर्टीज जब्त

पाली हिल वाला घर भी शामिल, इसमें हेलीपैड से लेकर जिम और लाउंज

एजेंसी

मुम्बई मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़ी 40 से ज्यादा प्रॉपर्टीज को अटैच कर दिया है। प्रॉपर्टीज में अनिल अंबानी का पाली हिल वाला घर भी है। अटैच की गई प्रॉपर्टीज की कुल वैल्यू 3,084 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ये ए?शन मनी लॉन्ड्रिंग केस में लिया गया है, जिसमें यस बैंक से लिए लोन का फंड

डायवर्जन का मामला शामिल है। ईडी का कहना है कि ये प?लिक मनी रिकवर करने के लिए जरूरी हैं। प्रॉपर्टी अटैच करने का ये आदेश 31 अक्टूबर 2025 को पीएमएलए की धारा5(1) के तहत जारी किए गए।

झारखंड कैबिनेट की हुई मीटिंग, 13 प्रस्तावों को दी गई स्वीकृति

मांडर-चान्हो में भूमिगत पाइपलाइनसे होगी सिंचाई, ₹236 करोड़ मंजर

संवादाता

रांची : सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट भवन में झारखंड कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें 13 अहम प्रस्तावों को हरी झंडी गई। इन प्रस्तावों में किसानों के लिए सिंचाई परियोजना, गरीबों के लिए आवास, खिलाड़ियों के हित में फैसले, सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार समेत कई फैसले शामिल हैं। कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि जल संसाधन विभाग के तहत रांची जिला के मांडर और चान्हो प्रखंड में दक्षिण कोयल नदी से भूमिगत पाइपलाइन बिछाकर जल आपूर्ति की

योजना को मंजूरी दी गई। इस योजना के तहत 4055 हेक्टेयर भूमि को सिंचित किया जाएगा। इसके लिए 236.20 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। यह योजना कैम्बो मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के रूप में चलाई जाएगी। घाटशिला (अनुसूचितजनजाति) विधानसभा उपचुनाव के संचालन के लिए झारखंड आकस्मिकता निधि से 7.84 करोड़ रुपये अग्रिम प्राप्त करने और निकासी की मंजूरी दी गई।

हेलीकॉप्टर उड़ान सेवा को 6 माह का विस्तार

राज्य के वीआईपी और वीवीआईपी सरकारी दौरे के लिए 2+5 सीटर ट्विन इंजन बेल-429 हेलिकॉप्टर की सेवा को अगले छह महीनों के लिए समान दर और शर्तों पर बढ़ाने की स्वीकृति दी गई। झारखंड हेल्थ केयर एलाइड एंड पैरामेडिकल रूल्स-2025 को गठन की मंजूरी दी गई। इसके साथ ही मल्टीपर्पज स्टाफ सेवा नियमावली, 2025 को भी स्वीकृति मिली। इन नियमावलियों के तहत स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने का उद्देश्य है। दुमका जिले में बरमसिया से शहरघाटी मार्ग के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के लिए 44.93 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

बिहार में जंगलराज वालों को सजा दें, बनाएं राजग की सरकार : पीएम मोदी

एजेंसी

सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार विधानसभा सहरसा और कटिहार में चुनावी सभा को संबोधित किया। दोनों जगह उन्होंने कांग्रेस और राजद पर जमकर हमला बोला। सहरसा में प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार को एक बार फिर जंगलराज में धकेलने की कोशिश की जा रही है। राजद और कांग्रेस ने बदले की राजनीति में बिहार का विकास रोक दिया था। बिहार का फैसला अब सिर्फ बिहार का नहीं, बल्कि भारत के भविष्य का फैसला होगा। उन्होंने कहा कि जंगलराज की राजनीति को जनता ने एक बार हराया था और अब 2025 में उसे इतिहास से मिटा देने का समय आ गया है। बिहार को बचाने के लिए जंगलराज वालों को जनता सबक दे और बिहार को विकसित करने के लिए आगे आए। भारी बहुमत से राजग की सरकार बनवाइए।

चुनावी सभा में प्रियंका गांधी बोलीं- नेहरू-इंदिरा को कोसने के लिए'अपमान मंत्रालय बनाएं मोदी

एजेंसी

पटनाः सरकारपटना (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोमवार को जिले के सोनबरसा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि बिहार में मतदाता सूची से 65 लाख लोगों का नाम काट दिया गया है, जो न केवल उनके मताधिकार का हनन है, बल्कि सीधे तौर पर उनकी नागरिकता छीनने जैसा गंभीर कदम है। निर्धारित समय से करीब डेढ़ घंटे की देरी से सभास्थल पहुंची प्रियंका गांधी

ने अपने 25 मिनट के भाषण के दौरान राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव या तेजस्वी यादव का नाम नहीं लिया, बल्कि सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्रीअमित शाह को निशाने पर रखा।

घाटशिला

मुसाबनी में झामुमो की चुनावी सभा को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

एक ओर व्यापारी, दूसरी ओर गरीब : हेमंत सोरेन

संवादाता

मातदान 11 नवंबर को होना है। इसे लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी कड़ी में सोमवार को झामुमो के उम्मीदवार सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक ओर व्यापारियों की जमात है, तो दूसरी ओर गरीबों, मजदूरों, आदिवासियों और मूलवासियों की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा है। उन्होंने कहा कि व्यापारी लोग जनता से सिर्फ लेते हैं, कभी देते नहीं हैं। अगर उन्हें जरूरत पड़ी, तो वह आपका पैर पकड़ लेंगे औरकाम निकल गया तो गर्दन पकड़ लेंगे।हेमंत ने कहा कि जनता को तय करना है कि व्यापारी वर्ग के साथ जाना है या झामुमो के साथ। यह लड़ाई सिर्फ झारखंड की नहीं, बल्कि पूरे देश में आदिवासियों और मूलवासियों के अस्तित्व की लड़ाई है। हेमंत सोरेन दोपहर करीब 2.20 बजे

यह चुनाव पूरे देश में आदिवासियों-मूलवासियों के अस्तित्व की है लड़ाई

कभी कुछ देते नहीं, जनता से सिर्फ लेते हैं व्यापारी लोग मंच पर सीएम ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन व पूर्व मंत्री रामदास सोरेन को दी श्रद्धांजलिं

हेलीकॉप्टर से मुसाबनी स्थित कुईलीसुता मार्शल मैदान पहुंचे थे सीएम

हेलीकॉप्टर से मुसाबनी स्थित कुईलीसुता मार्शल मैदान पहुंचे थे। वहां पहले से ही हजारों की भीड़ मौजूद थी। मंच पर पहुंचते ही मुख्यमंत्री ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन और पूर्व मंत्रीरामदास सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

दिए गए इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा

रूस, पाकिस्तान और चीन भी कर रहे परमाणु परीक्षण : ट्रंप

एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान परमाणु परीक्षण कर रहा है। उन्होंने यह बयान मीडिया को दिए गए एक इंटरव्यू में दिया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका के पास इतने परमाणु हथियार हैं कि दुनिया को 150 बार नष्ट किया जा सकता है, लेकिन रूस और चीन की गतिविधियों के चलते टेस्ट करना जरूरी है। जब ट्रंप से पूछा गया कि नॉर्थ कोरिया के अलावा कोई भी परमाणु टेस्ट नहीं कर रहा तो आप क्यों कर रहे हैं? इस पर ट्रंप ने कहा कि रूस, पाकिस्तान और चीन भी गुप्त परीक्षण कर रहे हैं, बस दुनिया को पता नहीं चलता। ट्रंप पहले

हीपेंटागन को परमाणु हथियारों की तुरंत टेस्टिंग शुरू करने का आदेश दे चुके हैं।उन्होंने दावा किया कि अमेरिका के पास इतने परमाणु हथियार हैं कि दुनिया को 150 बार नष्ट किया जा सकता है, लेकिन रूस और चीन की गतिविधियों के चलते टेस्ट करना जरूरी है। जब ट्रंप से पूछा गया कि नॉर्थ कोरिया के अलावा कोई भी परमाणु टेस्ट नहीं कर रहा तो आप क्यों कर रहे हैं? इस पर ट्रंप ने कहा कि रूस, पाकिस्तान और चीन भी गुप्त परीक्षण कर रहे हैं, बस दुनिया को पता नहीं चलता।

जेएसएलपीएस और ग्रांट थॉर्नटन भारत के सहयोग से राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका के नए आयाम स्थापित करना : अनन्य मित्तल

सखी मंडल से जुड़ आजीविका शुरू कर आत्मनिर्भर बनी महिलाओं ने साझा किये अनुभव

रांची, संवाददाता।

झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रोमोशन सोसाइटी, ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार द्वारा आयोजित कार्यशाला में सीईओ-जेएसएलपीएस श्री अनन्य मित्तल ने कहा कि वर्तमान में सरकार की विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं का लाभ 33 लाख से अधिक सखी मंडल की महिलाओं तक पहुँचाया जा रहा है। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका के नए आयाम स्थापित करना है। आवश्यकता है कि हम सभी जिलों में उपलब्ध परिसंपत्तियों का पुनः उपयोग सुनिश्चित करें ताकि समुदाय को अधिकतम लाभ मिल सके। इस दिशा में DDCs और DPMs की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। यह पहल न केवल महिला सशक्तिकरण बल्कि ग्रामीण आर्थिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह कार्यशाला जेएसएलपीएस एवं Grant Thornton Bharat LLP के संयुक्त प्रयास से "Building Synergy: Orientation of DDCs & Asset Repurposing for Community Growth" विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का सफल आयोजन रांची में किया गया। ग्रांट थॉरंटोंन भारत एलएलपी के पार्टनर श्री चिराग जैन ने बताया कि एसेट रिपर्पोज़िंग के माध्यम से खाली पड़ी सरकारी इमारतों का उपयोग महिला नेतृत्व वाले व्यवसायों के लिए किया जा रहा है, जिससे स्थानीय समुदायों को आजीविका के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मॉडल झारखंड जैसे राज्यों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला साबित होगा। कार्यशाला के दौरान दीनदयाल अन्त्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा जेएसएलपीएस के विभिन्न प्रभागों - एसआईएमबी , सामाजिक विकास, वित्तीय समावेशन, कृषि एवं गैर-कृषि आजीविका, लखपति दीदी पहल, दीन दयाल उपाध्याय- ग्रामीण कौशल्य योजना, पीवीटिजी एवं अल्ट्रा पुअर- पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसके अतिरिक्त कृषि अवसंरचना कोष, पीएमएफएमई और रेसिंग एंड एक्सलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस(रैम्प) जैसी योजनाओं के अंतर्गत महिला उद्यमों को सशक्त बनाने के सफल उदाहरण भी साझा किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित उप विकास आयुक्तों के साथ इस दिशा में आवश्यक सहयोग और समन्वय पर भी चर्चा की गई। सखी मंडल से जुड़ आजीविका शुरू कर आत्मनिर्भर बनी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि खाली पड़ी सरकारी परिसंपत्तियाँ मिलने के बाद उन्हें अपने व्यवसायों का विस्तार करने और रोजगार सृजन में सहायता मिली है। इस कार्यशाला में सभी जिलों के उप विकास आयुक्त, जिला कार्यक्रम प्रबंधक तथा सखी मंडल की महिलाओं ने भाग लिया।

एक्शन में झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, कई अफसरों और कर्मचारियों को शोकॉज का निर्देश

रांची, संवाददाता।

रांची-झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने आज सोमवार को रांची जिले के चान्हो प्रखंड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया. औचक निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर में इऊ्ढ और उड से लेकर ज्यादातर कर्मचारी अनुपस्थित मिले. मंत्री ने कार्यालय परिसर के एक-एक कमरा का निरीक्षण किया. इस क्रम में मंत्री ने गांव से अपने काम को लेकर पहुंचे ग्रामीणों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली. ग्रामीणों ने अधिकारियों की अनुपस्थित की शिकायत भी की.

लगातार मिल रही थी अनुपस्थिति की शिकायत

चान्हो प्रखंड सह अंचल कार्यालय में फैले सन्नाटा और बंद कमरों को देखने के बाद मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रांची उ्ऊ को इसकी सूचना देते हुए शोकॉज करने का निर्देश दिया. बायोमैट्रिक उपस्थिति के आधार पर शोकॉज किया जाएगा. सीओ और बीडीओ को भी कार्यालय से अनुपस्थित होने का कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा गया है. चान्हो से लगातार प्रखंड कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों के समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने और कार्यालय से नदारद रहने की शिकायत मिल रही थी. इसी को ध्यान में रखते हुए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की औचक निरीक्षण करने पहुंची थीं.

मांडर में लापरवाह अधिकारी की जरूरत नहीं-मंत्री

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि प्रखंड सह अंचल कार्यालय में एक सरकारी व्यवस्था के तहत काम का निबटारा होता है. जब वो कार्यालय पहुंचीं तो अधिकारी और पदाधिकारी से लेकर कर्मचारी तक अनुपस्थित मिले. रांची उ्ऊ को इसकी सूचना देते हुए शोकॉज करने का निर्देश दिया है. उन्होंने कहा कि अगर व्यवस्था और अनुशासन के तहत अधिकारी-कर्मचारी काम नहीं करते हैं तो ऐसे अधिकारी की आवश्यकता मांडर विधानसभा क्षेत्र में नहीं है.

घाटशिला उपचुनाव: ओडिशा के सीएम की जनसभा आज, भाजपा में उत्साह

रांची, संवाददाता।

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में सियासी पारा लगातार चढ़ता जा रहा है. इसी क्रम में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी 4 नवंबर को घाटशिला के दौरे पर रहेंगे. भाजपा ने उनके कार्यक्रम को लेकर व्यापक तैयारियां की हैं और पार्टी कार्यकताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है. मुख्यमंत्री मांझी पूर्वाह्न 10 बजे घाटशिला ब्लॉक के गंधानीयाहाट मैदान में और अपराह्न 12:05 बजे गुड़ाबांधा ब्लॉक के बलियापोश फुटबॉल मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे. भाजपा नेताओं के अनुसार इस दौरे से चुनावी अभियान को नई गति और मजबूती मिलेगी. भाजपा घाटशिला उपचुनाव को प्रतिष्ठा का मुद्दा मानकर पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतर चुकी है. एनडीए उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन के समर्थन में पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता लगातार घर-घर संपर्क और जनसभा के माध्यम से जनता से जुड़ रहे हैं. पार्टी का दावा है कि क्षेत्र में प्रचार अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है और जनता से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है. स्थानीय भाजपा नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री मांझी का संबोधन पार्टी कार्यकताओं में उत्साह और ऊर्जा भर देगा और जनता को भाजपा के विजन से अवगत कराएगा. जनसभा में भारी भीड़ जुटने की संभावना जताई जा रही है.

सिख समुदाय ने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर निकाला भव्य नगर कीर्तन

रांची, संवाददाता।

सिख समुदाय ने गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व सोमवार को मनाया. रातू रोड स्थित मेट्रो गली दीवान गुरुद्वारा मैदान से भव्य नगर कीर्तन शुरू किया गया. यह नगर कीर्तन गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, गुरूद्वारा श्री गुरूनानक सत्संग सभा द्वारा आयोजित था. इस कार्यक्रम में करीब 20-25 झांकियों को शामिल किया गया. चौक चौराहों पर भव्य रूप से स्वागत किए गए.

वाहे गुरु जी का खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह के जयघोष से गूंज उठा शहर

नगर कीर्तन मेट्रो गली गुरुद्वारा से प्रारंभ हुआ, जो रातु रोड, अपर बाजार, फिरायालाल, मेन रोड होते हुए पीटी कंपाउंड गुरुद्वारा में जाकर सम्पन्न हुआ. मुख्य मार्गों में समाजसेवी, व्यापारी संगठनों और आम श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया. इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह शुद्ध जल, शरबत, बिस्कुट और चॉकलेट का वितरण किया गया. गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के सोनू सेठी, परमजीत सिंह टिंकू, गगनदीप सेठी, हरमित सिंह, तेवाना जी और सुरजीत सिंह समेत सैकड़ो लोगों के नेतृत्व में नगर कीर्तन को सफल बनाया गया.

झांकी के माध्यम से दिखाया बाढ़ से प्रभावित लोगों को

करीब 25 से 30 झांकियां नगर कीर्तन की शोभा में शामिल हुई जिनमें गुरु नानक देव जी के जीवन प्रसंगों को आकर्षक रूप में दशार्या गया. वहीं, पंजाब से आई बैंड पार्टी की धुनों ने श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित किया. तो वही गुरूगोविंद सिंह पब्लिक स्कूल के छात्रों ने पंजाब में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को अपनी झांकियों के माध्यम से प्रदर्शित किया.

छात्रों ने सांस्कृतिक व धार्मिक प्रस्तुतियों से समा बांधा

कार्यक्रम में भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए पुष्पमाला अर्पित की. वहीं, उदय शंकर ओझा मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप सिंह कैप्टन, दीपक ओझा और ललित नारायण ओझा ने भी स्वागत में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. वहीं, अलबर्ट एक्का चौक में भी विभिन्न स्थानों पर झांकियों का स्वागत किया गया. गुरुनानक सत्संग गुरुद्वारा, गुरुनानक स्कूल और गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल के छात्रों ने सांस्कृतिक व धार्मिक प्रस्तुतियों से समा बांध दिया. गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों द्वारा किया गया अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा.

बच्चों की मौत पर भाजपा कर रही है राजनीति : विनोद पांडेय

रांची, संवाददाता।

जेएमएम के महासचिव विनोद पांडेय ने चाईबासा सदर अस्पताल में थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाए जाने की घटना पर भाजपा के राज्यव्यापी धरना को निर्लज्ज राजनीति करार दिया है. उन्होंने कहा कि भाजपा बच्चों की मौत जैसी दुखद घटना पर भी राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और अमानवीय है. पांडेय ने बताया कि जैसे ही मामला सामने आया, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वास्थ्य विभाग को उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए. वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसी को भी बख्शेगी नहीं. झामुमो महासचिव ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था की दुर्दशा की जिम्मेदार पूर्ववर्ती भाजपा सरकार है. वर्षों तक भ्रष्टाचार और अव्यवस्था को बढ़ावा दिया गया. अब जब मौजूदा सरकार सुधार के प्रयास कर रही है, भाजपा अफवाह फैलाकर जनता को गुमराह करने में जुटी है. पांडेय ने भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें शर्म आनी चाहिए कि वे इस त्रासदी को राजनीतिक मंच बना रहे हैं. उन्होंने सवाल किया कि भाजपा शासन में जब दर्जनों ब्लड बैंक बिना लाइसेंस के चल रहे थे, तब मरांडी कहां थे. उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार ने ब्लड बैंकों की सख्त मॉनिटरिंग शुरू कर दी है और दोषियों को जेल भेजने में कोई ढिलाई नहीं होगी.

इंडियन बैंक के एमडी एवं सीईओ, बिनोद कुमार ने इंडसेटी हजारीबाग का नवीनीकृत भवन का किया उद्घाटन

रांची, संवाददाता।

भगवान बिरसा मुंडा की पावन धरती झारखंड में श्री बिनोद कुमार, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, इंडियन बैंक 03 नवंबर 2025 से 05 नवम्बर तक झारखंड के दौरे पर है। अपने दौरे के दौरान दिनांक 03.11.2025 को श्री बिनोद कुमार ने इंडसेटी हजारीबाग के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन किया। ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी), भारत सरकार के निदेर्शानुसार हमारे बैंक ने ग्रामीण युवाओं में स्व-रोजगार को बढ़ावा देने हेतु कौशल विकास और उद्यमिता पर प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु इंडियन बैंक स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (इंडसेटी) स्थापित किए हैं। अपने वक्तव्य में कहा कि उन्होने इंडसेटी हजारीबाग संस्थान उन व्यक्तियों को प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करता है जो अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं या स्व-रोजगार करना चाहते हैं। उन्होने कहा कि यहाँ के उद्यमियां व्यवसाय शुरू कर आगे बढ़कर दूसरे को प्रेरित कर रहे है। वे इंडियन बैंक से ऋण लेकर अपने जीवन को सशक्त बना रहे हैं। महिलाएं भी जागरूक होकर आगे बढ़े, इंडसेटी से प्रशिक्षण लेकर अपना खुद का व्यवसाय शुरू करें। उन्होंने उद्यमियों एवं प्रशिक्षु के साथ संवाद किया एवं अपने बहुमूल्य विचार से सभी को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इंडसेटी हजारीबाग ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने इंडसेटी प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण का अवलोकन भी किया एव आवश्यक निर्देश दिया। कॉर्पोरेट सामाजिक उतरदायित्व के तहत जिला स्कूल हजारीबाग को मुख्य अतिथि श्री नकुलदेव सिंह, शिक्षाविद द्वारा वाटर प्युरीफायर, वाटर कूलर , डिस्पोजर एवं साउंड बुमबॉक्स का भी वितरण किया गया। यह वितरण कॉर्पोरेट कार्यालय के महाप्रबंधक श्री चद्रशेखरन वी, क्षेत्र महाप्रबंधक पटना के महाप्रबंधक श्री विवेक एवं रांची अंचल के अंचल प्रबंधक श्री राजेश शरण की गरिमामय उपस्थिती में हुआ। इसके अलावा स्कूल में वृक्षारोपण भी किया गया।

आरएसएस स्वयंसेवक आराधना कुमारी ने गुमशुदा बच्चे को परिवार से मिलवाया

रांची, संवाददाता।

मारवाड़ी महाविद्यालय रांची की एनएसएस स्वयंसेवक आराधना कुमारी ने एक तीन वर्षीय गुमशुदा बच्चे को उसकी मां से मिलवाया. जब आराधना कुमारी (हिंदी विभाग), पिस्का मोड़ स्थित फैशन सिटी मॉल के पास से गुजर रही थीं. तभी उन्हें सड़क किनारे एक तीन वर्ष का बच्चा मिला जो अपने घर से लगभग 1000 मीटर दूर भटक आया था. पूछताछ में बच्चे ने अपना नाम अर्चित और पिता का नाम राजू बताया. आराधना ने अपने एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर अनुभव चक्रवर्ती और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार के मार्गदर्शन में चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचना दी. तत्पश्चात उन्होंने बच्चे को सुखदेव नगर थाना ले जाकर पुलिस को जानकारी दी. आराधना की पहल पर एनजीओ 'सार्थक' को भी सूचित किया गया. पुलिस, सोशल मीडिया और एनएसएस टीम के सहयोग से बच्चे की तस्वीरें प्रसारित की गईं. सुखदेव नगर थाना प्रभारी ने बच्चे को चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपुर्द करने का निर्णय लिया. आराधना और उनके सहपाठी विष्णु कुमार महतो स्वयं बच्चे को संस्थान तक छोड़ने पहुंचे. तभी एएसआई का फोन आया कि बच्चे की मां ने थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है. इसके बाद बच्चे को सुरक्षित उसकी मां के हाथों में सौंप दिया गया. महाविद्यालय प्रशासन ने आराधना और विष्णु कुमार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल एक बच्चे की जान बचाई, बल्कि समाज में मानवता और जिम्मेदारी की मिसाल पेश की है.

अवैध बूचड़खाना संचालित स्थल पर निगम की सख्त कार्रवाई, रांची नगर निगम ने दी चेतावनी - अब कोई बख्शा नहीं जाएगा

रांची, संवाददाता।

रांची नगर निगम ने अवैध बूचड़खानों पर सख्त रुख अपनाते हुए सोमवार को बड़ी कार्रवाई की है. निगम के अपर प्रशासक संजय कुमार के निर्देश पर निगम की टीम ने लोअर बाजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आजाद बस्ती, गुदरी इलाके में संचालित अवैध बूचड़खाने पर छापेमारी की. निगम ने संबंधित भूखंड को अवैध गतिविधियों से मुक्त कराते हुए उसे अपने कब्जे में ले लिया. निगम के अनुसार, यह कार्रवाई कोकर मौजा, थाना- लोअर बाजार, सर्वे वार्ड संख्या-क्ष्ल, एमएस प्लॉट संख्या 1610, रकबा 19.3 डिसमिल भूमि पर की गई, जो रांची नगर निगम की संपत्ति है. निगम के अनुसार, इस भूमि को किसी प्रकार के बूचड़खाने या वाणिज्यिक गतिविधि के लिए स्वीकृति नहीं दी गई थी.

अपर प्रशासक ने दिए कड़े निर्देश

अपर प्रशासक संजय कुमार ने कहा कि नगर निगम की भूमि का किसी भी प्रकार से अवैध उपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) को औपचारिक पत्र लिखकर संबंधित दंडाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो. साथ ही उन्होंने क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान को और सशक्त करने के निर्देश दिए हैं.

कानून के दायरे में लाए जाएंगे दोषी

निगम प्रशासन ने साफ किया है कि रांची नगर निगम क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध बूचड़खाना गतिविधि को अब किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. अपर प्रशासक ने कहा कि अवैध व्यावसायिक गतिविधियों एवं बूचड़खानों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में किसी भी तरह की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा. नगर निगम ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि किसी क्षेत्र में इस प्रकार की अवैध गतिविधि या बूचड़खाने के संचालन की जानकारी हो, तो तुरंत नगर निगम को सूचित करें ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके. साथ ही निगम ने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण, अवैध कब्जा या गैरकानूनी व्यवसाय के खिलाफ यह अभियान अब निरंतर जारी रहेगा.

एक्शन मोड में नगर निगम

निगम के प्रवक्ता ने बताया कि नगर निगम की इंजीनियरिंग टीम, स्थानीय थाना, पुलिस बल और अंचल प्रशासन की सहायता से यह कार्रवाई पूरी की गई. इस कार्रवाई से शहर में अवैध बूचड़खानों के खिलाफ निगम के रुख का स्पष्ट संदेश गया है कि अब किसी भी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

25 साल का झारखंड, सिल्वर जुबली स्थापना दिवस को यादगार बनाने की तैयारी, 11 नवंबर से होगी कार्यक्रम की शुरूआत

रांची, संवाददाता।

15 नवंबर 2000 को झारखंड अपनी स्थापना के 25 साल पूरे करने जा रहा है. राज्य सरकार ने सिल्वर जुबली समारोह को यादगार बनाने की व्यापक तैयारी शुरू की है. ऐसा पहली बार होगा जब सात दिन तक राज्य स्थापना दिवस को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इसकी शुरूआत 11 नवंबर से ही हो जाएगी. इसमें समाज के हर वर्ग को शामिल करने की तैयारी की जा रही है. मुख्य सचिव अविनाश कुमार की अध्यक्षता में कार्यक्रम को लेकर एक खाका तैयार किया गया है. विभागों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय कर दी गई है.

झारखंड@25 थीम पर कार्यक्रम

स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ 11 नवंबर 2025 को हो जाएगा. मुख्य कार्यक्रम 15 नवंबर 2025 को होगा. 16 नवंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा. 29 नवंबर 2025 को मोरहाबादी मैदान में समापन समारोह का आयोजन होगा.

11 नवंबर को पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की ओर से सभी जिलों में 'Run for Jharkhand' का आयोजन होगा. इसी दिन सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से सभी जिलों के लिए छ्एऊप्रचार वाहन को रवाना किया जाएगा.

12 नवंबर को पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की ओर से सुबह-ए-झारखंड कार्यक्रम के तहत रांची के निर्धारित मार्ग पर सुबह 6 बजे से 8 बजे तक पारंपरिक नृत्य का आयोजन होगा.

13 नवंबर को पर्यटन विभाग की ओर से 'Know your tourist place' के तहत प्रमंडलीय मुख्यालयों में साइकिल रैली निकाली जाएगी जो प्रमंडल स्तर पर पर्यटन स्थल का भ्रमण कर प्रचार प्रसार को बढ़ावा देगी.

14 नवंबर को एसटी-एससी, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और रांची नगर निगम की ओर से रांची के निर्धारित मार्ग पर जतरा का आयोजन होगा. इसके साथ ही 11 नवंबर से 14 नवंबर तक स्कूल और कॉलेज स्तर पर पेंटिंग, डिबेट और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन होगा.

प्रदर्शनी का आयोजन

मोरहाबादी मैदान में मुख्य कार्यक्रम स्थल के पास प्रदर्शनी का आयोजन होगा. इसमें सभी जिले भाग लेंगे. यहां अलग-अलग विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे. धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का आंदोलन, उनके संघर्ष और जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन होगा. साथ ही झारखंड आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले दिवंगत शिबू सोरेन के जीवनवृत्त और उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी.

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती

15 नवंबर 2025 को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती है. इस मौके पर 2 बजे से 4 बजे तक कार्यक्रम का आयोजन होगा. इसके अलावा 16 नवंबर को 12 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. स्थापना दिवस यानी 15 नवंबर को 11 बजे से 1 बजे तक जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इस दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य को कई सौगात देंगे.

मांडर विधानसभा क्षेत्र में कैम्बो मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना को झारखंड कैबिनेट की मंजूरी

संवाददाता । रांची

मांडर : मांडर विधानसभा क्षेत्र के किसानों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित कैम्बो मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना को सोमवार को झारखंड कैबिनेट ने हरी झंडी दे दी है। कुल 236 करोड़ 20 लाख 81 हजार रुपए की इस महत्वाकांक्षी योजना से मांडर और चान्हो प्रखंड के 14 गांवों में 4,055 हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।इस योजना के तहत दक्षिणी कोयल नदी से भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से पानी लिफ्ट करके खेतों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे खासतौर पर रबी फसल लगाने वाले किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। योजना में डाइवर्जन संरचना, एप्रोच चैनल, पंप हाउस, पावर सब स्टेशन, भूमिगत पाइपलाइन, डिलीवरी चेंबर, डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम और कंट्रोल मेकैनिज्म जैसी आधुनिक तकनीक शामिल होगी।लाभान्वित होने वाले गांवों में कैम्बो, लुण्डरी, बरहे, बेजांग, हुटार, चान्हो, सरगांव, मुरजुली, बाँसजारी, गुरगुरजारी, कुरकुरा, बखार, सोसई और बंझिला शामिल हैं।

मांडर और चान्हो प्रखंड कृषि प्रधान क्षेत्र होने के कारण उच्च भौगोलिक स्थिति में पारंपरिक नहर प्रणाली से सिंचाई करना मुश्किल था, जिससे किसानों के आर्थिक और सामाजिक विकास पर असर पड़ता रहा।मांडर विधायक और राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन और कैबिनेट के अन्य मंत्रियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ये योजना किसानों के लिए वरदान साबित होगी और विशेषकर रबी फसल लगाने वाले किसानों की आर्थिक समृद्धि में योगदान देगी। राज्य की गठबंधन सरकार ने किसानों के दुख-दर्द को समझते हुए उन्हें यह सौगात दी है।मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने यह भी कहा कि मांडर के लिए यह अभी शुरूआत है और भविष्य में भी योजनाओं का सिलसिला जारी रहेगा।रांची जिले के मांडर और चान्हो प्रखंड में 2 अरब 36 करोड़ 20 लाख 81 हजार रुपये से कैंबो

कैबिनेट : मांडर और चान्हो प्रखंड में 2.36 अरब रुपये से शुरू होगी कैंबो मेगालिफ्ट परियोजना

मेगालिफ्ट परियोजना की शुरूआत की जाएगी। इससे दोनों प्रखंडों के 14 गांवों के 4055 हेक्टेयर जमीन की सिंचाई होगी। यह निर्णयसोमवार को प्रोजेक्ट भवन में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने पत्रकारों को दी। कैबिनेट सचिव ने बताया कि इस योजना के अनुसार कैंबो मेगालिफट परियोजना के तहत दक्षिणी कोयल नदी से पानी लिफट (उद्वह) कर भूमिगत पाईपालाइन, डिलीवरी चैंबर, डिस्ट्रीब्यूरशन सिस्टम और कंट्रोल मैकेनिज्म का प्रावधान करते हुए योजना को लेकर आरंभिक योजना प्रतिवेदन (पीपीआर) तैयारकिया गया है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से जेपीएससी सदस्य डॉ. जमाल अहमद की मुलाकात, भेंट की पुस्तक बाबा-ए-झारखंड

शिबू सोरेन के जीवन संघर्ष पर आधारित पुस्तक बाबा-ए-झारखंड ने किया प्रेरित

संवाददाता । रांची

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड लोक सेवा आयोग (खढरउ) के सदस्य डॉ. जमाल अहमद ने शिष्टाचार मुलाकात की।इस अवसर पर डॉ. अहमद ने मुख्यमंत्री को अपनी नई पुस्तक ह्लबाबा-ए-झारखंड : शिबू सोरेन झ्र दानिश्वरों की नजर मेंह्व सप्रेम भेंट की। यह पुस्तक झारखंड आंदोलन के प्रणेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन के जीवन, संघर्ष और योगदान पर आधारित है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पुस्तक स्वीकार करते हुए डॉ. अहमद के इस साहित्यिक प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जीवन झारखंड की अस्मिता, संघर्ष और स्वाभिमान का प्रतीक रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ऐसी पुस्तकें नई पीढ़ी को अपने इतिहास,

परंपरा और समाज के अग्रणी नेताओं के संघर्षों से जोड़ने का कार्य करती हैं। डॉ. जमाल अहमद ने बताया कि यह पुस्तक शिबू सोरेन के राजनीतिक, सामाजिक और जनसेवी जीवन पर किए गए वर्षों के गहन अध्ययन का परिणाम है।इसमें झारखंड आंदोलन से लेकर राज्य निर्माण तक की महत्वपूर्ण घटनाओं का विस्तृत और तथ्यपरक उल्लेख किया गया है। पुस्तक में यह दशार्ने का प्रयास किया गया है कि किस प्रकार एक सामान्य किसान परिवार से निकलकर शिबू सोरेन ने आदिवासी अस्मिता, जल-जंगल-जमीन और सामाजिक न्याय की लड़ाई को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाया।

लेखक ने इस पुस्तक के माध्यम से इतिहास के कई अछूते अध्यायों को सामने लाने की कोशिश की है। इसमें झारखंड आंदोलन के प्रमुख चरणों, सामाजिक बदलावों, आर्थिक असमानता और आदिवासी समुदाय के संघर्षों को गहराई से चित्रित किया गया है। भाषा सरल, संवादात्मक और शोधपरक होने के कारण यह पुस्तक न केवल शोधार्थियों बल्कि आम पाठकों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी।पुस्तक की एक और खास बात यह है कि इसमें डॉ. जमाल अहमद के साथ-साथ कई आयु वर्ग के लेखक शामिल हैं, जो झारखंड, जम्मू-कश्मीर, बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र के निवासी हैं। सभी उप लेखकों का व्यवसाय भी अलग-अलग है अर्थात पुस्तक में बौद्धिक एकता, सजगता एवं अनुभव का अनोखा संगम है। उर्दू भाषा में लिखी और 416 पृष्ठों से सजी यह पुस्तक झारखंड के सामाजिक इतिहास का मौन एवं जनमानस की आकांक्षाओं का जीवित दस्तावेज है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आशा व्यक्त की कि ह्लबाबा-ए-झारखंडह्व पुस्तक राज्य के युवाओं को प्रेरित करेगी और झारखंड के गौरवशाली इतिहास को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बेड़ों में पति ने पत्नी की तेजधार हथियार से की हत्या, गांव में मचा हड़कंप

संवाददाता । रांची

बेड़ो : बेड़ों थाना क्षेत्र के पाकलमेडी गांव में सोमवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां के निवासी अमित महतो ने अपनी पत्नी नीलम देवी की तेजधार हथियार से हमला कर हत्या कर दी।मृतका नीलम देवी, रातू थाना क्षेत्र के ग्राम बाजपुर निवासी ब्रजेश महतो की सुपुत्री थीं। जानकारी के अनुसार, नीलम देवी और अमित महतो की शादी वर्ष 2016-2017 के आसपास हुई थी। दंपती के दो छोटे बच्चे हैं, जो अपनी मां की मौत के बाद बेसुध हालत में रो रहे हैं।घटना की सूचना मिलते ही मृतका के माता-पिता और परिजन पाकलमेडी पहुंचे। बेटी का शव देखकर परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।स्थानीय ग्रामीणों ने घटना की जानकारी तुरंत बेड़ों थाना प्रभारी सुजीत कुमार उरांव को दी। पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच कर रही है।घटना की खबर फैलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई और मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए हैं। हत्या के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी पति की तलाश में जुटी है।

जमीयतुल मोमिनीन चौरासी की बैठक संपन्न बैठक में कई प्रस्ताव पारित किए गए

संवाददाता । रांची

रांची ।जमीयतुल मोमिनीन चौरासी की बैठक हाजी मो मजहर की अध्यक्षता में मोखतार अंसारी के मकान में, जाकिर नगर, दिपाटोली में संपन्न हुई।

बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य को मनोनयन पत्र दिया गया। सचिव - मो सज्जाद अंसारी, कोकदोरो

कार्यकारिणी सदस्य

1- मोखतार अंसारी, दिपाटोली

2- मो गुलाम अली राही, दिपाटोली

बैठक में निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किए गए। 1- वक्फ जायदाद को वटएएऊपोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए राज्यस्तरीय अभियान चलाया जाएगा और रजिस्ट्रेशन में मदद किया जाएगा ।पूरे झारखंड के वक्फ रजिस्टर्ड प्रबंधन कमिटी से राबता कायम कर वटएएऊपोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए जागरुक किया जाएगा। रजिस्टर्ड वक्फ के प्रबंधन कमिटी के लोग अपने जिला से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं अगर दुश्वारी होगी तो जमिअतुल मोमेनिन चौरासी से सम्पर्क करें । उनलोगों को झारखंड राज्य सुननी वक्फ बोर्ड के कार्यालय से रजिस्ट्रेशन कराने में मदद किया जाएगा साथ ही दुसरे जिला से आए हुए लोगों का ठहरने का इंतजाम जमिअतुल मोमेनिन चौरासी झारखंड करेगी।2- आलिम-फाजिल की डिग्री जो खअउ के द्वारा निर्गत किया गया लेकिन आचार्य के पद पर नियुक्ति में मान्यता नहीं दी जा रही है, जमिअतुल मोमेनिन चौरासी झारखंड का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार से मिलकर कैबिनेट में पास कराने का आग्रह करेगा साथ ही आलिम फाजिल की परीक्षा रांची विश्वविद्यालय से कराने का आग्रह किया जाएगा।

3- रक्फ़के मुद्दे पर राज्यस्तरीय जागरुकता अभियान चलाया जाएगा और किसी को कागज बनाने में परेशानी होगी तो मदद किया जाएगा।

4- स्थानिय समस्याओं पर विचार-विमर्श हुआ और उसे आपसी सहयोग से हल करने का आश्वासन दिया गया।

मेदांता हॉस्पिटल, रांची में अब गंभीर से गंभीर स्ट्रोक मरीज का सम्पूर्ण इलाज

- खून के थक्के को मस्तिक से हटाने के लिए एंडोवास्कुलर न्यूरो सर्जन डॉ. नंदिता कुजूर, जो झारखण्ड की पहली महिला न्यूरो सर्जन और राज्य की पहली एंडोवास्कुलर सर्जन भी हैं, अब झारखण्ड के लोगों को स्ट्रोक के इलाज के लिए अन्य राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा

संवाददाता । रांची

रांची,: मेदांता अब्दुर रज्जक अंसारी मेमोरियल वीवर्स हॉस्पिटल, रांची में अब गंभीर से गंभीर स्ट्रोक मरीज की जान बचाने के लिए सम्पूर्ण इलाज की व्यवस्था उपलब्ध है। अब झारखण्ड के मरीजों को दिल्ली, मुम्बई आदि जगहों पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए हॉस्पिटल में पारंपरिक न्यूरो सर्जरी के साथ एंडोवास्कुलर सर्जरी करने वाली डॉ. नंदिता कुजूर है। डॉ. कुजूर झारखण्ड की पहली महिला न्यूरो सर्जन और राज्य की पहली एंडोवास्कुलर न्यूरो सर्जन भी हैं जिन्होंने एम्स से न्यूरो एंडोवास्कुलर सर्जरी की डिग्री हासिल की है। मस्तिष्क में खून के थक्के जमने से स्ट्रोक आता है जिसे साधारणतया दवा और सूई देकर थक्के का इलाज किया जाता है, लेकिन अगर ठीक नहीं हो पा रहा है तो मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी ऑपरेशन के जरिये खून के थक्के को हटाकर मरीज की जान बचाई जाती है। डॉक्टर कमर या कलाई की धमनी में एक छोटा-सा चीरा लगाकर ऑपरेशन करता है। चीरा के अंदर एक पतली ट्यूब जिसे कैथेटर कहते हैं, के द्वारा ऑपरेशन किया जाता है। मेदांता हॉस्पिटल को छोड़कर राज्य के किसी भी हॉस्पिटल में मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी करने की व्यवस्था नहीं है। यह सर्जरी एक एंडोवास्कुलर सर्जन ही कर सकता है। डॉ. कुजूर भारत के इंस्टीच्यूट ऑफ नेशनल इंपोर्टेंस (आईएनआईएस) में से एक में फॉर्मल एंडोवास्कूलर न्यूरो सर्जरी डिग्री पाने वाली पहली कैंडिडेट हैं। सीएमसी वेल्लोर की छात्रा रह चुकी उन्होंने कई राज्य और राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर पेश किये हैं और एक राज्य स्तरीय सम्मेलन में पहला स्थान हासिल कर चुकी हैं। डॉ. कुजूर ने एएनइआईसीओएन 2025 सहित कई एकेडमिक क्विज किये हैं और उनके पास एंडोवास्कुलर और पारंपरिक न्यूरो सर्जरी दोनों में खास विशेषज्ञता हासिल है।हॉस्पिटल के डायरेक्टर श्री विश्वजीत कुमार ने कहा कि मेदांता हॉस्पिटल, रांची झारखण्ड के मरीजों को अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय इलाज देने को कटिवद्ध है ताकि यहां के मरीजों को इलाज के लिए राज्य के बाहर जाने की जरूरत न पड़े। उन्होंने कहा कि इसके लिए निरंतर मंथन चलते रहता है।

रांची SSP देर रात निकले औचक निरीक्षण पर, दो थानेदारों से मांगा स्पष्टीकरण

संवाददाता । रांची

रांची : राजधानी रांची में कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिए एसएसपी राकेश रंजन रविवार की देर रात अचानक सड़कों पर निकल पड़े। उनके इस औचक निरीक्षण की जानकारी किसी भी पुलिस अधिकारी या जवान को पहले से नहीं थी। एसएसपी ने देर रात बिरसा चौक, मेन रोड, हरमू, बायपास रोड, अरगोड़ा चौक समेत शहर के कई महत्वपूर्ण इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से बात की और मौके पर ही कई निर्देश दिए। उन्होंने वाहनों की चेकिंग, पुलिस बल की तैनाती और गश्ती व्यवस्था की जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान एसएसपी को कुछ जगहों पर लापरवाही नजर आई। इस पर उन्होंने ओरमांझी और पिठोरिया के थाना प्रभारियों से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने साफ कहा कि ड्यूटी में कोताही या लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया कि अपराधियों के खिलाफ बिना किसी दबाव के सख्त कार्रवाई करें। चाहे अपराधी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, पुलिस को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए।

गुरु नानक देव जयंती 5 नवंबर को ,गुरु नानक जयंती मानवता, समानता, प्रेम और सत्य का उत्सवः संजय सर्राफ

संवाददाता । रांची

विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा में गुरु नानक देव जी का स्थान अत्यंत ऊँचा है। वे न केवल सिख धर्म के संस्थापक थे, बल्कि एक ऐसे संत, समाज सुधारक और मानवतावादी थे जिन्होंने पूरे विश्व को सत्य, करुणा और समानता का संदेश दिया। गुरु नानक देव जी की जयंती, जिसे गुरुपर्व या प्रकाश पर्व भी कहा जाता है, हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। इस वर्ष यह पावन पर्व 5 नवंबर दिन बुधवार को मनाया जाएगा। इस साल गुरु नानक देव जी की 556वीं जयंती होगी गुरु नानक देव जी का जन्म सन् 1469 ईस्वी में पंजाब के तलवंडी गाँव

(अब पाकिस्तान में ननकाना साहिब) में हुआ था। उनके पिता का नाम मेहता कालू और माता का नाम माता तृप्ता था। बचपन से ही वे अत्यंत बुद्धिमान, सत्यनिष्ठ और करुणामयी थे। सांसारिक वैभव से दूर, वे हमेशा ईश्वर की भक्ति और मानवता की सेवा में लीन रहते थे। यह जयंती गुरु नानक देव जी के जन्म दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस दिन सिख समुदाय और उनके अनुयायी उनकी शिक्षाओं को स्मरण करते हुए कीर्तन, भजन, लंगर और सेवा के माध्यम से प्रेम, समानता और भाईचारे का संदेश फैलाते हैं। गुरु नानक देव जी ने समाज में फैले भेदभाव, अंधविश्वास और पाखंड का विरोध किया तथा ह्यएक ओंकार सतनामह्व का उपदेश दिया- अर्थात ईश्वर एक है और वह सबमें विद्यमान है।गुरु नानक देव जी की शिक्षाएँ तीन मूल सिद्धांतों पर आधारित थीं-नाम जपना-ईश्वर का स्मरण करना,किरत करना-ईमानदारी से जीवनयापन करना,वंड छकना- दूसरों के साथ बाँटकर खाना, उनके विचारों ने न केवल सिख धर्म की नींव रखी,

ब्रीफ न्यूज

घाटशिला की जनता अब परिवर्तन के मूड में है, हेमंत सरकार आदिवासी विरोधी हैः बाबूलाल मरांडी

धलभूमगढ़ में रावताड़ा और पाणिजिया में पंचायत स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में हुए शामिल

संवाददाता ।

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने धालभूमगढ़ मंडल के रावताड़ा और पाणिनीय पंचायत में कार्यकर्ता सम्मेलन में हुए शामिल ।कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि घाटशिला की जनता अब पूरी तरह परिवर्तन के मूड में है। झामुमो सरकार की आदिवासी विरोधी और जनविरोधी नीतियों से हर वर्ग त्रस्त है। इस बार घाटशिला की आदिवासी समाज वोट के जरिए इस सरकार को करारा जवाब देगी।उन्होंने चाईबासा घटना का जिक्र करते हुए कहा आदिवासी युवा अपने जायज हक और मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन हेमंत सोरेन सरकार ने उन निहत्थे युवाओं और महिलाओं पर बेरहमी से लाठीचार्ज कराया और सैकड़ों पर झूठे मुकदमे दर्ज कर दिए। यह सरकार आदिवासियों के नाम पर राजनीति करती है, पर असल में उनकी आवाज को कुचलने का काम करती है।श्री मरांडी ने आगे कहा कि हेमंत सोरेन ह्यअबुआ सरकारह्व का नारा देते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद ह्यबबुआ के निर्देशह्व पर आदिवासी समाज पर लाठीझ्रगोली चलवाने का काम करते हैं। जनता अब सब समझ चुकी है और आने वाले उपचुनाव में झामुमो सरकार को इसका जवाब देगी।इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा भी उपस्थित थे।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री के जनता दरबार में उमड़ी फरियादियों की भीड़

संवाददाता ।

पर्व-त्यौहारों के बाद जनता दरबार में जहां फरियादियों की भीड़ नजर आई तो वहीं उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री पदाधिकारियों/कर्मचारियों की लापरवाही पर सख्त भी नजर आये। अंचल अधिकारी से लेकर कर्मचारियों को शोकॉज करने को कहा गया तो कई मामलों में जांच के आदेश भी दिये गये। आम जनता की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी समाधान के उद्देश्य से आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं अंचलों से बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याओं के समाधान हेतु उपस्थित हुए।सुजाता सेन अपने कैंसर पीड़ित पति के इलाज के परेशान थी, कुछ दिन पहले उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री के पहल पर ही उनका राशन कार्ड बनवाया गया और फिर आयुष्मान कार्ड ताकि राधानाथ मालाकार का इलाज हो सके। सुजाता सेन ने जनता दरबार में बताया कि अस्पताल द्वारा बताया गया है कि आगे का इलाज आयुष्मान कार्ड से संभव नहीं है। उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा फौरन सिविल सर्जन से बात की गयी और मुख्यमंत्री गंभीर असाध्य रोग योजना के तहत राधानाथ के इलाज की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया गया। दस्तावेज संबंधी प्रक्रिया में कहीं बाधा न आये इसे लेकर शहर अंचलअधिकारी को भी निदेशित किया गया। एलआरडीसी कोर्ट के आदेश के बावजूद म्यूटेशन नहीं करने पर सीओ रातू को शोकॉजजनता दरबार में संजय गुप्ता ने बताया कि उपसमाहर्त्ता भूमि सुधार, सदर न्यायालय के आदेश के बावजूद उनका म्यूटेशन नहीं किया जा रहा है। यह आदेश 20.12.2024 को दिया गया था। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद रातू अंचल अधिकारी श्री रवि कुमार को शोकॉज करने के निर्देश दिये।कांके अंचल में दाखिल-खारिज किया गया अस्वीकृत, अपर समाहर्त्ता को जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देशकांके अंचल के सतीनाथ महतो ने अपनी खरीदी गयी 31 डिसिमल जमीन के लिए दाखिल-खारिज हेतु आवेदन दिया था। 21.05.2025 के उनके आवेदन को 31.10.2025 को खारिज कर दिया गया। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा इस मामले में अपर समाहर्त्ता को जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया।

पारंपरिक तरीके से लुगुबुरू घांटाबाड़ी धोरोमगाढ़ राजकीय महोत्सव 2025 का हुआ शुभारंभ

संवाददाता ।

रांचीःप्रकृति की गोद में बसे जिले के गोमिया प्रखंड के ललपनिया के पवित्र स्थल लुगुबुरू घांटाबाड़ी धोरोमगाढ़ में सोमवार सुबह को राजकीय महोत्सव 2025 का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान और भक्तिपूर्ण माहौल में हुआ। पूरे क्षेत्र में जय लुगुबाबा के जयघोष और मांदर की थापों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह, नायके बाबा और आयोजन समिति अध्यक्ष श्री बबली सोरेन व अन्य सदस्यों ने पूजा-अर्चना कर तीन दिवसीय महोत्सव की शुरूआत की।आस्था का सैलाब-दस हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे लुगुबाबा के दरबार पहले ही दिन श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ा। दस हजार से अधिक श्रद्धालु लुगु पहाड़ पर चढ़कर लुगुबाबा के दर्शन के लिए पहुंचे।सूर्योदय के साथ ही श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में गीत-संगीत गाते हुए आस्था की राह पर आगे बढ़ते* दिखाई दिए।भक्तों ने कहा कि लुगुबाबा हमारे पुरखों की आत्मा हैं, हमारी धरती और हमारे धर्म के रक्षक। यहां आकर मन को शांति और आत्मा को शक्ति मिलती है।लोकसंस्कृति और परंपरा का जीवंत उत्सवलुगुबुरू महोत्सव केवल पूजा का पर्व नहीं, बल्कि यह झारखंड की आदिवासी अस्मिता, लोक संस्कृति और सामूहिक एकता का जीवंत उत्सव है।

सामाजिक सुरक्षा कोषांग द्वारा किए जा रहे कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

ट्रांसजेंडर समूह के लोगों को पेंशन योजना से जोड़ने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

रामगढ़, संवाददाता

सोमवार को उपायुक्त, रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज ने अपने कार्यालय कक्ष में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। बैठक के दौरान सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा श्री शंकर प्रसाद के द्वारा उपायुक्त को रामगढ़ जिले में केंद्र एवं राज्य प्रायोजित पेंशन योजनाओं के तहत लाभुकों को दिए जा रहे लाभ की जानकारी दी गई। इस दौरान सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा द्वारा बताया गया कि केंद्र प्रायोजित पेंशन योजनाओं में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के तहत 25620 लाभुकों को सिंतबर 2025 तक पेंशन प्रदान कर दिया गया है। राज्य प्रायोजित पेंशन योजना के तहत सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा के द्वारा उपायुक्त को जानकारी दी गई की सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना, मुख्यमंत्री आदिम जनजाति पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य एचआईवी एड्स पीड़ित व्यक्तियों के लिए पेंशन योजना, स्वामी विवेकानंद निशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना एवं मुख्यमंत्री ट्रांसजेंडर पेंशन योजना के तहत स्कूल 96464 लाभुकों को अक्टूबर 2025 तक का पेंशन उपलब्ध करा दिया गया है वहीं मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 99785 लाभुकों को अक्टूबर 2025 तक का सम्मान राशि उपलब्ध करा दिया गया है। जिस पर उपायुक्त ने ससमय लाभुकों को सम्मान राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग को रामगढ़ जिला अंतर्गत ट्रांसजेंडर समूह के लोगों को पेंशन योजना से जोड़ने पर विशेष ध्यान देते हुए शिविर आयोजित कर कार्य करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

नगर परिषद एवं छावनी परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी उपायुक्त ने की समीक्षा

रामगढ़ : सोमवार को उपायुक्त रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में रामगढ़ जिला अंतर्गत नगर परिषद एवं छावनी परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा सर्वप्रथम पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी ली गई जिसके उपरांत उन्होंने अलग-अलग योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी लेते हुए योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के तहत चल रहे कार्यों की जानकारी ली गई एवं नियमित रूप से स्थल निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए कार्यों को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उनके द्वारा 15वें वित्त आयोग, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के भी समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त द्वारा क्षेत्र में साफ सफाई, जल जमाव आदि के तहत किए जा रहे हैं कार्यों की जानकारी लेते हुए इस पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद, नगर प्रबंधक नगर परिषद सहित अन्य उपस्थित थे।

रामगढ़ जिला मे प्रखंड स्तरीय उर्दू प्रतियोगिता हुई आयोजित, 365 अभ्यर्थी हुए परीक्षा में शामिल

रामगढ़, संवाददाता

अंजुमन फरोग ए उर्दू, रामगढ़ जिला इकाई के द्वारा तीन प्रखंडों क्रमशः पतरातु, गोला और मांडू में प्रखंड स्तरीय उर्दू प्रतियोगिता आयोजित की गई। सोमवार को पतरातू , मांडू और गोला प्रखंड में क्रमशः 10, 12 और 2 बजे परीक्षा आयोजित की गई। पतरातु प्रखंड अंतर्गत ब्राइट बिगिनिंग स्कूल अमवा टांड हेहल में, गोला प्रखंड के आदर्श हाई स्कूल सोसो कलां में तथा मांडू प्रखंड के कर्मा उच्च विद्यालय कर्मा में संपन्न हुई। तीनों प्रतियोगिता में कुल 365 अभ्यर्थी शामिल हुए। जिनकी दो प्रकार की प्रतियोगिता अर्थात उर्दू ज्ञान प्रतियोगिता और उर्दू लेखन प्रतियोगिता परीक्षा ली गई। अभ्यर्थियों को आयु के अनुसार दो वर्ग में बांटा गया था। जूनियर वर्ग में 10 से 15 वर्ष के बच्चे और सीनियर वर्ग में 16 से 20 वर्ष के बच्चों को रखा गया। इस प्रतियोगिता परीक्षा के पर्यवेक्षक के रूप में क्रमशः जिला सदस्य अब्दुल अजीज, तस्लीम फैजी और मो हातिम अंसारी उपस्थित थे। परीक्षा के तुरंत बाद पर्यवेक्षकों की देखरेख में ही कॉपी जांच की गई। आज की प्रतियोगिता में चयनित 36 अभ्यर्थियों को जिले के अन्य प्रखंडों के चयनित अभ्यर्थियों के साथ प्रशस्ति पत्र से नवाजा जाएगा। इस अवसर पर जिला प्रभारी डॉ शाहनवाज खान ने बताया कि उर्दू दिवस के अवसर पर 9 नवंबर को नईसराय ईदगाह मेन रोड रामगढ़ में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उक्त समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर रामगढ़ के उपायुक्त जनाब फैज अक अहमद मुमताज और विशिष्ट अतिथि के तौर पर एसपी अजय कुमार के हाथों प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। रामगढ़ जिले के बाकी तीन प्रखंडों रामगढ़ सदर, दुलमी और चितरपुर में उर्दू प्रतियोगिताएं 6 नवंबर को आयोजित की जाएगी। परीक्षा को सफल बनाने में पतरातु प्रखंड कन्वेनर दिलदार अंसारी, गोला प्रखंड कन्वेनर मो सज्जाद अंसारी और मांडू प्रखंड कन्वेनर मो फरीद अंसारी के साथ जिला कमिटी जिला कमिटी सरस्यों जैसे रमीजुर्रहमान, मो शाहिद रजा, सोहेल अंसारी, मुफ्ती तनवीर अहमद, के अलावा मो इमरान, मो नुमान, विक्की खान, राजा खान, सौलत फहद, खुर्शीद अनवर, नरेश प्रजापति, तुलसी विश्वकर्मा, ईश्वर प्रसाद गुप्ता, फैज आलम, खतीब आलम, दबीर आलम, अमीरुल हसन आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सरकारी जमीन पर कब्जे के खिलाफ झामुमो का ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

धनबाद, संवाददाता

प्रखंड सचिव निर्मल रजवार के नेतृत्व में सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का एक प्रतिनिधिमंडल बलियापुर के अंचल अधिकारी (सीओ) मुरारी नायक से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें ज्ञापन सौंपते हुए पलानी एवं आमटाल मौजा में सरकारी खास जमीनों पर भू-माफियाओं द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जे के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि आमटाल और पलानी क्षेत्र की करीब चार दर्जन से अधिक सरकारी खास प्लॉटों पर भूमाफियाओं ने अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है। झामुमो प्रतिनिधिमंडल ने सीओ से इन सरकारी जमीनों को कब्जा मुक्त कराए जाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने इसी मुद्दे पर बलियापुर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) प्रभाष चंद्र दास को भी एक ज्ञापन सौंपा और पूर्व में दिए गए सात सूत्री मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने की मांग दोहराई। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में राजेंद्र हेंब्रम, रमेश महतो, विजय महतो, इसराइल अंसारी समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सम्पूर्ण भागवत भगवान का विग्रह रुप का वर्णन है : सुश्री ब्रज प्रिया किशोरी जी

धनबाद, संवाददाता

शहरपुरा शिव मंदिर प्रांगण में श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन भक्तगणों को प्रिया जी बताईं की कल 3 बजे से 7 बजे तक हीं श्रीमद्भागवत कथा होगा। श्रीकृष्ण भगवान के बाल लिलाओं समेत जीवन के महत्वपूर्ण लीला/ प्रसंग/ रासलीला का आनंदित तरीके से संगीतमय वर्णन तथा झांकी के द्वारा मंचन के द्वारा सुश्री ब्रज प्रिया किशोरी जी ने बताया की श्रीमद्भागवत कथा भगवान के विग्रह रुप का वर्णन है। भगवान श्रीकृष्ण भैया बलदेव संग मथुरा जाकर मल्लयुद्ध कर कंस का वध कर अधर्म पर धर्म के विजय का परचम फहराए। आगे रुक्मिणी प्रसंग में बताईं की रुक्मिणी साक्षात लक्ष्मी हैं जो नारायण से दुर नहीं रह सकतीं हैं इसलिए लक्ष्मी प्राप्ति के लिए नारायण का अराधना करें। रुक्मिणी और द्वारकाधीश की संगीतमय झांकी/भजन से भक्तगण आनंद में झुमते रहे। भागवत कथा कहने सुनने से भक्ति ज्ञान वैराग्य की उत्पत्ति से मोह शोक भय और आसक्ति से मुक्ति मिलती है तथा सत्य समर्पण और न्याय जैसे नैतिक गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रिया जी ने आगे बताया की कथा का सार हीं हम सबके जीवन का उद्देश्य हीं परमात्मा को पाना है जिससे हमें मानसिक शांति और आत्मविश्वास प्राप्त होता है जिससे हृदय में भक्ति आनंद और प्रेम के संचार से अहंकार और आसक्ति से उठकर संतत्व की प्राप्ति होता है। भागवत कथा हमें वर्तमान में जीना सिखाती है क्योंकि शोक अतीत से, आसक्ति वर्तमान से और भय भविष्य से जुड़ा है। भागवत कथा का मुल सदाचार है जिसको सुनने से नैतिक और संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा मिलता है। सदाचार जीवन जीने वाले को समाज में प्रतिष्ठा मिलती है जो भगवान के सबसे प्रिय भक्त वत्सल होते हीं होते हैं। माता गंगा में स्नान से तन और मन पवित्र होता है वैसे हीं श्रीमद्भागवत कथा श्रवण से अंतरात्मा पवित्र होकर परमात्मा से जुड़ती है। प्रिया जी ने समस्त सिंदरी वासियों के लिए मंगलकामना करते हुए बताईं की संसार का मूल आधार और अत्यंत श्रेष्ठ में भी श्रेष्ठतम परम पुरुष अराध्य देव परमात्मा हैं। उसके प्राप्ति का साधन इस कलिकाल में सत्संग से जुड़कर श्रीमद्भागवत के मूल मंत्रों का अनुसरण एवं शरणागत हो जाना हीं मानव कुंजी है। श्रीमद्भागवत कथा में मुख्य रूप से यजमान अमोद कुमार सिंह संग धर्मपत्नी श्रीमती उषा सिंह, अखिलेश सिंह, रितेश पांडेय के साथ साथ प्रशांत कुमार दुबे, दिनेश सिंह, समेत सैकड़ों हजारों महिला पुरुष श्रद्धालु भक्तगण कार्यक्रम के अंत अंत तक झुमते गाते हुए भक्तिमय वातावरण का आनंद उठाए और रात 10.30 में भोग अर्पण वितरण सुसंपन्न होने पर प्रसाद लेकर गंतव्य की ओर प्रस्थान किए।

निरसा क्षेत्र में कंपनियों की सीएसआर राशि का नहीं हो रहा सदुपयोग : राजेश कुमार मिश्रा

एग्यारकुंड। राष्ट्रीय जनता कामगार संघ के मुगमा एरिया अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में सोमवार को कुमारधुबी कार्यालय में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुमारधुबी कोलियरी, बरमूड़ी ओसीपी, राजपुरा कोलियरी के अध्यक्षों एवं सचिवों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य विषय सीएसआर फंड (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) रहा। राजेश मिश्रा ने कहा कि निरसा विधानसभा क्षेत्र में एमपीएल, डीवीसी पावर प्लांट, पंचेत डैम, नटराज, अरुण रिफैक्ट्री, मैथन श्रमिक, ओम वोस्को, अंकुर बायो केमिकल जैसी दर्जनों फैक्ट्रियां हैं, परंतु इन कंपनियों द्वारा सीएसआर के तहत क्षेत्र में कोई ठोस विकास कार्य नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कंपनी को अपने सालाना टर्नओवर का दो प्रतिशत सीएसआर मद में खर्च करना होता है, जो स्थानीय ग्रामीणों के विकास — जैसे बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल-कूद की सुविधाओं पर लगाया जाना चाहिए। लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर इसका विवरण जनता के बीच प्रस्तुत नहीं किया गया है। मिश्रा ने आरोप लगाया कि वर्तमान और पूर्व जनप्रतिनिधियों द्वारा भी सीएसआर फंड की पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की गई, जिसके कारण कंपनियां करोड़ों रुपये जनता के विकास कार्यों से दूर रखे हुए हैं। उन्होंने घोषणा की कि राष्ट्रीय जनता कामगार संघ जल्द ही निरसा, एग्यारकुंड, केलियासोल प्रखंडों से लेकर मुगमा एरिया के जीएम से मुलाकात कर जनता का पैसा जनता के विकास में खर्च कराने की मांग उठाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से राजन कुमार, दिलीप बाउरी, धर्मेंद्र पासवान, अरुण महतो, बलराम मल्लाह, एवं अजीज आलम उपस्थित थे।

ओआरएस शब्द वाले पेय पदार्थों के निर्माण एवं विक्रय पर प्रतिबंध - खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

कोडरमा, संवाददाता

खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा प्रभावी आदेश के अनुसार, किसी भी फूड लाइसेंस प्राप्त पेय पदार्थ के ट्रेडमार्क या ब्रांड नाम में 'ओआरएस' शब्द (चाहे वह उपसर्ग अथवा प्रत्यय के रूप में प्रयुक्त हो) का उपयोग भ्रामक (misleading) पाया गया है। अतः ऐसे सभी पेय पदार्थों का निर्माण, भंडारण, वितरण एवं विक्रय प्रतिबंधित किया गया है।

प्रतिबंधित पेय पदार्थों में ORS शब्द वाले उत्पाद जैसे ORSL, Glucon D Activ-ORS, Rebalanz ORS आदि शामिल हैं। यद्यपि इन उत्पादों पर "Not ORS" लिखा होता है, फिर भी इनका उपयोग उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकता है, इसलिए इन पर प्रतिबंध लागू रहेगा। कोडरमा जिला में उक्त आदेश के अनुपालन हेतु आज खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अभिषेक आनंद द्वारा झुमरी तिलैया स्थित विभिन्न दवा दुकानों एवं प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारोबारियों को इस आदेश की जानकारी दी गई तथा स्पष्ट निर्देश दिया गया कि जिन पेय पदार्थों के नाम में "ORS" शब्द आता है, उनका विक्रय तत्काल प्रभाव से बंद करें।

सभी थोक एवं खुदरा विक्रेताओं (Stockists and Retailers) को निर्देश दिया जाता है कि जिनके पास ऐसे प्रतिबंधित उत्पाद उपलब्ध हैं, वे उन्हें शीघ्र ही संबंधित निमार्ता कंपनी को वापस करें तथा उनका विपणन या विक्रय न करें। जिला खाद्य सुरक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि निरीक्षण के दौरान ऐसे प्रतिबंधित पेय पदार्थ पाए जाते हैं, तो संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (FSS Act) की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य शिवर की तैयारी को ले कर प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा लिया गया बिरहोर टोला का जायजा

कोडरमा, संवाददाता

उपायुक्त महोदय कोडरमा के निदेशानुसार आकांक्षी प्रखंड मरकच्चो में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा।इन कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेने प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो बिरहोर टोला तेलियामारन एवं बिरहोर कॉलोनी बरियारडीह गए। इस क्रम में मरीजों को सुविधा उपलब्ध करने के लिए आवश्यक निर्देश संबंधित कमीयों को दिए। यह शिविर मुख्य रूप से बिरहोर समुदाय के लिए आयोजित किया गया है। मेले का आयोजन दिनांक 04/11/2025 को तेलीयमारन एवं 05/11/2025 को बरियारडीह में किया जाएगा।मेले का आयोजन पूर्वाह्न 6:30 बजे से किया जाएगा। इस क्रम में कनीय अभियंता निखिल चंद्र महतो, पंचायत सेवक, ग्राम रोजगार सेवक एवं पंचायत सहायक मौजूद रहे।

चाईबासा में थैलेसीमिया पीड़ितों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाने की घटना पर भाजपा का आक्रोश

बोकारो में सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय धरना, स्वास्थ्य मंत्री पर गंभीर आरोप

बोकारो, संवाददाता

चाईबासा में थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को एचआईवी पॉजिटिव रक्त चढ़ाए जाने की घटना के विरोध में सोमवार को भाजपा बोकारो जिला इकाई ने सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय शांतिपूर्ण धरना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष जयदेव राय ने की। धरना में शामिल कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पर तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा किया। जयदेव राय ने कहा कि झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। सरकारी डॉक्टर अपने कार्यस्थल को छोड़ निजी अस्पतालों में सेवा दे रहे हैं, जिससे आम मरीजों की जान खतरे में है। उन्होंने कहा कि चाईबासा में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाया जाना राज्य के स्वास्थ्य तंत्र की भयावह विफलता का उदाहरण है। यदि स्वास्थ्य मंत्री अपने विभाग पर ध्यान देते, तो यह स्थिति नहीं आती। राय ने कहा कि इस घटना ने रक्त सुरक्षा एवं जांच प्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। भाजपा नेता रोहित लाल ने भी राज्य सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री में संवेदनशीलता का अभाव है। उन्हें यह तक समझ नहीं है कि स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कैसे किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सुधार नहीं हुआ, तो भाजपा कार्यकर्ता सड़क से लेकर सदन तक उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। धरना स्थल पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त अनियमितताओं के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और मांग की कि दोषी अधिकारियों एवं जिम्मेदार चिकित्सकों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

बीएसएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन, सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी पर हुआ जोर

बोकारो, संवाददाता

बोकारो स्टील प्लांट में 27 अक्टूबर से मनाए जा रहे सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी थीम पर आधारित सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह आज मानव संसाधन विभाग के ज्ञानार्जन एवं विकास मुख्य प्रेक्षागृह में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक प्रभारी राउरकेला स्टील प्लांट एवं अतिरिक्त प्रभार बोकारो स्टील प्लांट श्री आलोक वर्मा थे। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ श्री ज्ञानेश झा, विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। श्री झा ने सप्ताह के दौरान हुए कार्यक्रमों की जानकारी दी, जबकि श्री वर्मा ने सतर्कता शपथ दिलाई और कहा कि सभी हितधारकों को सतर्कता के इस अभियान से जोड़कर ही भ्रष्टाचार-मुक्त भारत का निर्माण संभव है। अंत में भाषण, निबंध, पोस्टर, कविता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरीय प्रबंधक (सतर्कता) श्रीमती चित्रा पराशर ने किया।

श्रुति सोनी ने सीए की परीक्षा पास कर बेरमो का नाम रोशन किया

सफलता के लिए निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास जरूरी है : कृष्णा प्रसाद

बोकारो, संवाददाता

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आइसीएआइ) ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) फाइनल परीक्षा सितम्बर 2025 का रिजल्ट सोमवार को जारी कर दिया है। बेरमो के फुसरो नगर परिषद क्षेत्र स्थित जवाहर नगर में रहने वाली श्रुति सोनी ने सीए की परीक्षा पास कर बेरमो कोयलांचल का नाम रोशन किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व भाई को दिया है। श्रुति के पिता कृष्णा प्रसाद व्यवसाई है, जबकि मां पुष्पा सोनी गृहणी है। परिवार में भी खुशी का माहौल है। श्रुति ने बताया कि उन्होंने शुरूआत में रोजाना 6-7 घंटे पढ़ाई की, परीक्षा नजदीक आने पर 10 से 11 घंटे रोजाना पढ़ाई की।

श्रुति का कहना है कि सेल्फ स्टडी के लिए जो भी समय मिले, उसका सही उपयोग करना चाहिए। कहा कि बच्चों को लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करनी चाहिए। रोजाना का टारगेट तय करके पढ़ाई करने से सफलता मिल जाती है। उन्होंने 10 वीं भरत सिंह पब्लिक स्कूल 12 वीं डीएवी ढोरी, बीकम वोमेन्स कॉलेज रांची और एम कम इग्नू से से पास की थी। उनके पिता कृष्णा प्रसाद का कहना है कि श्रुति की सफलता मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। भाभी रिशु सोनी का कहना है कि ₹प्रतिभा सिर्फ महानगरों में नहीं, बल्कि छोटे कस्बों में भी होती है। सफलता के लिए निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास जरूरी है।₹ उन्होंने कहा कि भविष्य में अच्छी नौकरी और उच्च पैकेज पाने के लिए अंग्रेजी में दक्षता अनिवार्य है, क्योंकि अधिकांश संस्थानों में कार्य इसी भाषा में होता है। श्रुति के दो भाई विकास कुमार सोनी और नीतीश कुमार सोनी है ।

व्यक्तिगत उत्कृष्टता संगठन की सामूहिक प्रगति का प्रतीक : आलोक वर्मा

बोकारो, संवाददाता

बोकारो इस्पात संयंत्र में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड स्कीम के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन बोकारो निवास के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आलोक वर्मा, निदेशक प्रभारी राउरकेला स्टील प्लांट एवं अतिरिक्त प्रभार बोकारो स्टील प्लांट उपस्थित रहे। इस अवसर पर बीएसएल के अधिशासी निदेशक, संबंधित विभागों के मुख्य महाप्रबंधक तथा अन्य वरीय अधिकारी भी मौजूद थे। बीएसएल एवं झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस के कुल नौ अधिकारियों को एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्तकताओं में ओम प्रकाश, प्रशांत कुमार श्रीवास्तव, चंदन कुमार, राकेश कुमार वेलपुरी, सुनील कुमार, राजीव रंजन, आभा कुमारी, आयुष केडिया एवं प्रदीप कुमार जायसवाल शामिल हैं। आलोक वर्मा ने सभी पुरस्कृत अधिकारियों एवं उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि संगठन की सामूहिक प्रगति के लिए प्रेरणा स्त्रोत भी है। उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार उत्पादन, उत्पादकता, लागत नियंत्रण तथा नवाचार के क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान किया जाता है। सभी पुरस्कृत अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में उत्कृष्टता बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का समन्वय अभिषेक (सहायक प्रबंधक, मानव संसाधन) द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन माला रानी (उप महाप्रबंधक, मानव संसाधन) ने किया।

10 साल बाद फिर यादव हत्याकांड में बाहुबली जेल में

दोनों बार अनंत सिंह को भूमिहार SSP ने ही किया गिरफ्तार

पटना। शनिवार देर रात मोकामा से जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह को पुलिस ने दुलारचंद यादव हत्याकांड में गिरफ्तार किया। 10 साल में 2 विधानसभा चुनाव से पहले मोकामा में 2 यादव की हत्या हुई। दोनों बार अनंत सिंह जेल गए। खास बात यह कि दोनों बार उन्हें गिरफ्तार करने वाले पुलिस अधिकारी भूमिहार थे। अनंत सिंह इसी बिरादरी से हैं। 30 अक्टूबर को हुई दुलारचंद यादव की हत्या ने लोगों के जेहन में पुटुस हत्याकांड की यादें ताजा कर दी। 18 जून 2015 को बाढ़ के लदमा गांव में 20-21 साल के पुटुस की लाश मिली थी। शव की हालत ऐसी थी कि देखने वाले दहल गए। उंगलियों से नाखून उखाड़ लिए गए। पीटने के जख्म। मोकामा एक बार फिर खूनी राजनीति की गवाह बना है। लालू यादव के खास आदमी माने जाने वाले 76 साल के दुलारचंद यादव को 30 अक्टूबर को चुनाव प्रचार के दौरान मार दिया गया। यह घटना ठीक वही माहौल लेकर आया है, जो 10 साल पहले, 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पुटुस यादव की हत्या के बाद बना था। पुटुस यादव की हत्या छेड़खानी विवाद के बाद हुई थी। 17 जून को बाढ़ के कॉलेज मोड़ के पास महिला के साथ गलत हरकत को लेकर युवकों के दो गुटों के बीच मारपीट हुई थी। बाद में पुटुस यादव, प्रदीप, सोनू और बबलू को अगवा कर लिया गया। प्रदीप, सोनू और बबलू तो बच गए, लेकिन पुटुस नहीं। दूसरे दिन 18 जून को लदमा गांव के पास खेत में उसकी लाश मिली। आरोप था कि अनंत के इशारे पर उनके गुर्गों ने पुटुस और 3 अन्य युवकों को उठाया। अनंत सिंह के घर में उन्हें यातना दी गई। दुलारचंद ने अनंत सिंह की पत्नी को कहा था नाचने वाली दुलारचंद ने हत्या से 2 दिन पहले अनंत सिंह की पत्नी के लिए आपत्तिजनक बातें कही थीं। उन्होंने कहा था, इनकी नीलम देवी नहीं नीलम खातून है। चुनाव लड़ रही थी तो लोग दरी लेकर दौड़ रहे थे। कह रहे थे कि नाचने वाली आई है। अनंत सिंह ने उसे रख लिया। दोनों की कोई शादी हुई थी? नीलम देवी भूमिहार थोड़े ही है। दोनों बार अनंत सिंह की गिरफ्तारी में दिखी एक समान बात पुटुस यादव हत्याकांड में 24 जून 2015 को पटना के नवनियुक्त एसएसपी विकास वैभव ने अनंत सिंह को गिरफ्तार किया था। उन्हें अरेस्ट करने के लिए 500 पुलिस के जवान, दंगा विरोधी वाहन, डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम भेजी गई थी। उनके घर से खून लगे कपड़े, हथियार, पत्रिकाएं और अन्य सामान बरामद किए गए। 1 नवंबर 2025 की रात जब अनंत सिंह को गिरफ्तार किया गया। करीब 150 पुलिस के जवानों के साथ पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना में कारगिल चौक स्थित अनंत सिंह के घर पहुंचे। दोनों बार अनंत को गिरफ्तार करने की जिम्मेदारी भूमिहार पुलिस अधिकारी ने निभाई। लालू यादव ने कहा था- इ्रएगो छोटा सा है, मोकामा वाला पुटुस यादव की हत्या के समय 2015 में लालू यादव और नीतीश कुमार साथ थे। मोकामा के छोटे सरकार कहे जाने वाले विधायक अनंत सिंह पर आरोप थे। लालू का गुस्सा तब आसमान छूने लगा था। उन्होंने सार्वजनिक मंच से कहा था...एगो छोटा सा है, मोकामा वाला। हूं..नाम सुना है, उसे जेल में भिजवाए हमलोग, सबलोग। एगो यादव को पकड़के ले आके मार-मार के, नाखून नोच-नोच के जान मार दिया। उसका नाम है अनंत सिंह। यादव रोते-रोते आया कहा कि नोच-नोच के मारदेलकई। नीतीश कुमार को हमने कहा तब गिरफ्तार हुआ अनंत सिंह।लालू ने फेसबुक पर लिखा था: 'दूध का दूध और पानी का पानी'2015 में पुटुस की हत्या के बाद उसके पिता कपिलदेव यादव लालू से मिले थे। इसके बाद राजद प्रमुख ने फेसबुक पर लिखा...दो रोज पहले बाढ़ में विनय उर्फ पुटुस यादव की हत्या के संबंध में उनके पिता कपिलदेव यादव मुझसे मिलने आये। मैंने पूरा घटनाक्रम बारीकी से जाना। पीड़ित परिवार से वादा किया कि लालू इस केस का दूध का दूध और पानी का पानी करेगा। दोषियों को किसी भी सूरत में बचने नहीं दूंगा, चाहे उसके कितने भी लंबे हाथ हो। पप्पू यादव ने कहा था- जो हमारे बच्चों को मारते हैं हम उन्हें टिकट देते हैं पुटुस हत्याकांड के बाद पप्पू यादव ने कहा था, हमभी ऐसे ही लोगों को टिकट देंगे। हर घटना में एक की नाम क्यों आता है। स्पीडी ट्रायल चला कर फांसी की सजा हो। पहले ही फांसी हो जाती, लेकिन पुटुस यादव हत्याकांड के बाद हमारे ही लोगों ने पैसे लेकर कंप्रोमाइज कर लिया। जो हमारे बच्चों को मारते हैं हम उनको ही टिकट देते हैं, वोट देते हैं और जिताते हैं। 2015 में लालू ने लिया जेल भेजने का क्रेडिट, 2020 में दिया राजद का टिकट अनंत सिंह को लेकर राजद प्रमुख लालू यादव ने जिस तरह का स्टैंड अब तक लिया है। इससे वे खुद सवालों में हैं। जेल जाने के बाद भी अनंत सिंह 2015 का चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत गए थे। जिस लालू यादव ने अनंत सिंह को जेल भेजने का क्रेडिट लिया, उन्होंने ही उन्हें 2020 के विधानसभा चुनाव के समय राजद का टिकट दे दिया। अनंत सिंह 35,757 वोटों के अंतर से जीत गए। पुटुस केस में समझौता हुआ। अनंत सिंह का आपराधिक रिकॉर्ड: 53 मामलों का सफर 2025 में अनंत सिंह द्वारा दिए गए एफिडेविट के अनुसार उनके खिलाफ 28 आपराधिक मामले दर्ज थे। दुलारचंद हत्याकांड को जोड़ दें तो यह संख्या 29 हो जाती है। हालांकि, पटना हाईकोर्ट के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, अनंत सिंह के खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या 53 है। 16 अगस्त 2019 को पटना जिले के लदमा गांव में अनंत सिंह के पैतृक घर पर छापेमारी हुई। पुलिस ने एक एके-47 राइफल, एक मैगजीन, जिंदा कारतूस और दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए। इसके बाद उनपर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया गया। सिविल कोर्ट ने अनंत सिंह को 10 साल जेल की सजा सुनाई, लेकिन 14 अगस्त 2024 को पटना हाईकोर्ट ने उन्हें सबूत के अभाव में बरी कर दिया। कोर्ट ने पाया कि पुलिस की जांच में कमियां थीं। हथियार अनंत सिंह के हैं। यह साबित नहीं किया जा सका। दुलारचंद यादव: लालू के करीबी से जन सुराज तक का सफर 1990 के दशक में लालू यादव के उदय के साथ दुलारचंद ने मोकामा के टाल इलाके में अपनी मजबूत पकड़ बनाई। पहलवानी से राजनीति में आए दुलारचंद ने यादव, ओबीसी और दलित मतदाताओं को अपने साथ जोड़ा और टाल के बादशाह के नाम से प्रसिद्ध हो गए। उनकी पहचान लालू के करीबी के रूप में की जाने लगी। 2025 में जन सुराज के साथ थे। अनंत सिंह के भाई के खिलाफ लड़े, लेकिन जीत न पाए दुलारचंद अनंत सिंह और उनके बड़े भाई दिलीप सिंह के खिलाफ कई बार चुनाव लड़े, लेकिन हर बार हार गए। 2019 में पुलिस ने दुलारचंद को कुख्यात गैंगस्टर बताकर गिरफ्तार किया। उनकी आपराधिक पृष्ठभूमि सामने आई, लेकिन मोकामा में उनकी सामाजिक पकड़ कभी नहीं टूटी। 31 अक्टूबर को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई जिसमें मौत का कारण फेफड़ा फटना और कार्डियो रेस्पिरेटरी फेलियर बताया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि दुलारचंद को भारी वस्तु से पीठ पर जोरदार झटका लगा, जिससे कई पसलियां टूटीं और फेफड़े फट गए। इस तरह, गोली नहीं बल्कि गाड़ी से कुचलना मौत का मुख्य कारण बना। 3 FIR, 5 नामजद, अनंत सिंह मुख्य आरोपी दुलारचंद के पोते नीरज कुमार की FIR में अनंत सिंह को मुख्य आरोपी बताया गया। अनंत के खिलाफ 3 FIR दर्ज किए गए हैं। इनमें अनंत के अलावा राजवीर सिंह, कर्मवीर सिंह, छोटन

सहरसा सदर अस्पताल में डॉक्टर से मारपीट-तोड़फोड़

सहरसा। सदर अस्पताल में रात करीब साढ़े 11 बजे डॉक्टर से मारपीट और तोड़फोड़ की घटना हुई। मरीज के साथ आए तीन युवकों पर यह मारपीट का आरोप है। इस घटना के बाद इमरजेंसी सेवा करीब ढाई घंटे तक बाधित रही, जिससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि सिविल सर्जन के आश्वासन के बाद रात दो बजे के बाद इमरजेंसी सेवा बहाल हो सकी। सहरसा सदर थाना क्षेत्र के हकपाड़ा निवासी मनीष कुमार सड़क हादसे में घायल हो गए थे। उन्हें रात करीब 9 बजे सदर अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया और भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। रात करीब 11:30 बजे घायल मनीष के साथ आए तीन युवकों का इमरजेंसी के ट्राएज रूम में तैनात नर्सों से ऑक्सीजन लगाने को लेकर विवाद हो गया। शोर सुनकर डॉक्टर रोशन लाल अपने रेस्ट रूम से इमरजेंसी पहुंचे। डॉ. रोशन लाल ने जब युवकों को समझाने का प्रयास किया, तो उन्होंने डॉक्टर के साथ हाथापाई और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान अस्पताल परिसर में रखे गमलों को भी तोड़ दिया गया। डॉ रोशन लाल ने कहा कि उन्हें धमकी भी दी गई कि वह बाहर निकलेंगे तो उनके साथ फिर मारपीट की घटना को अंजाम दिया जाएगा। डायल 112 की पुलिस ने किया स्थिति नियंत्रित घटना के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और इमरजेंसी सेवा पूरी तरह ठप हो गई। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने सिविल सर्जन और अन्य अधिकारियों को फोन किया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। बाद में डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। डॉ. रोशन लाल ने अपनी सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होगी, तो आम मरीजों की सुरक्षा कैसे होगी। रात करीब 2:30 बजे सिविल सर्जन ने डॉ. रोशन लाल को सोमवार को आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद आपातकालीन सेवा फिर से शुरू हो सकी। इस घटना से अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य कर्मियों में भय और आक्रोश का माहौल है।

अमित शाह बोले- लालू-राहुल की पार्टी का सूपड़ा साफ होगा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार के आखिरी 2 दिन बचे हैं। 6 नवंबर को पहले फेज की वोटिंग होगी। सीतामढ़ी की चुनावी सभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ' मैं आपको बिहार चुनाव का रिजल्ट अभी बता देता हूं। 14 नवंबर को दोपहर 1 बजे तक लालू-राहुल की पार्टी का सूपड़ा साफ हो जाएगा। भारी बहुमत से बिहार में NDA की सरकार बनेगी। 'महाठगबंधन' में न नेता है, न नीति है। मालूम ही नहीं है कि कौन, किस सीट से लड़ रहा है।' सहरसा में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी सभा की। उन्होंने कहा, देश में कुछ भी होता है तो ये लोग हमारे ऊपर ठीकरा फोड़ते हैं। इन लोगों को अपमान मंत्रालय बना देना चाहिए। प्रधानमंत्री का समय बहुत कीमती होता है, ये फालतू की बातों में आपका समय बर्बाद कर रहे हैं। सहरसा में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि, हाल में इन लोगों ने स्वक्षकरवाकर 65 लाख वोट काट दिए। आपको वोट कटना मतलब नागरिकता खत्म कर देना। ये बड़ी साजिश है देश में कुछ भी होता है तो ये लोग हमारे ऊपर ठीकरा फोड़ते हैं। इन लोगों को अपमान मंत्रालय बना देना चाहिए। 20 साल से बिहार में एक ही सरकार चल रही है। नीतीश की सरकार केन्द से चलती है। आज बिहार में सीएम का सम्मान नहीं हो रहा है। आपके सीएम की नहीं सुनी जा रही है। बीजेपी के बड़े बड़े नेता यहां आए। बीजेपी के बड़े नेता केवल अतीत की बात करते हैं। भाजपा सांसद रवि किशन ने राहुल गांधी के मछली पकड़ने वाले वीडियो पर कहा है कि उनके हाथ जितनी मछली लगी है उससे कम ही वोट उन्हें मिलेगी। हम वोट पकड़ रहे हैं, वो मछली पकड़ रहे हैं। पटना में जनशक्ति जनता दल प्रमुख तेज प्रताप यादव ने कहा, राहुल गांधी का काम मोटरसाइकिल चलाना और प्रदूषण फैलाना है। वो पूरी जिंदगी मछली पकड़ते रहेंगे। देश अंधकार में डूब जाएगा... 'जलेबी पकाना, मछली पकड़ना, उनको तो रसोईया होना चाहिए था'। वो नेता क्यों बने?..." तेजप्रताप ने कहा तेजस्वी कल महुआ गए थे, और वहां स्थानीय विधायक ने लोगों पर लाठीचार्ज किया। वो सामाजिक न्याय की बात करते हैं, लेकिन महुआ में वो गरीबों को पीट रहे हैं। मेरा कार्यक्रम राघोपुर में है, और सिर्फ एक नहीं, मेरा हेलीकॉप्टर राघोपुर में दो जगहों पर उतरेगा। चुनाव के पहले चरण को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। 3 से 7 नवंबर तक सीमा पूरी तरह सील रहेगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच आवाजाही पर पूरी तरह बैन रहेगी।

कभी करीबी रहे गोपाल मंडल के खिलाफ सीएम का प्रचार

भागलपुर में बोले- पहले की सरकार ने कुछ नहीं किया

पटना। बिहार विधानसभा के लिए चुनाव प्रचार जोरों पर हैं। आज सोमवार को सीएम नीतीश कुमार की भागलपुर जिले में तीन चुनावी सभा है। गोपालपुर सीट के तीनटंगा में मुख्यमंत्री की पहली सभा की। गोपालपुर में जदयू ने सिटिंग विधायक गोपाल मंडल का टिकट काट कर लोकसभा चुनाव के समय आरजेडी से जेडीयू में आए बुलो मंडल को उम्मीदवार बनाया है। सभा में नीतीश कुमार ने कहा, 'पहले वाली स्थिति में बहुत बुरा हाल था। लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलता था। अब बच्चा, लड़का, लड़की आराम से घूमते हैं। हम भी अपने इलाके में जाते थे तो देखते थे सब बंद रहता था। पहले फालतू सरकार थी। हिंदु-मुस्लिम झगड़े होते थे। पढ़ाई की व्यवस्था नहीं थी, इलाज की व्यवस्था नहीं थी। सड़कें नहीं थीं। बिजली नहीं थी। हमारी सरकार आई तो हमने सभी के हित में काम किया।' तीनटंगा के बाद सीएम की कहलगांव के गोराडीह में सभा हुई। इसके बाद तीसरी सभा सुल्तानगंज विधानसभा क्षेत्र के करहरिया स्थित देवी प्रसाद महतो उच्च स्कूल के मैदान में होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन की शुरूआत 2005 से पहले और बाद के बिहार की तुलना करते हुए की। उन्होंने कहा कि पहले वाली सरकार (राजद) ने कोई काम नहीं किया था। ऐसा बुरा हाल था कि लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलते थे। हमारी सरकार ने कानून का राज स्थापित किया। हम लोगों ने 2006 में ही कब्रिस्तानों की घेराबंदी शुरू करा दी और 2016 में 60 वर्ष से पुराने हिंदू मंदिरों की भी घेराबंदी कराई, ताकि कोई विवाद न हो। चाहे हिंदू हो या मुस्लिम, हमने सबके लिए काम किया। नीतीश कुमार ने महिला सशक्तिकरण के कामों को गिनाते हुए कहा कि 2006 में पंचायती राज में 50% आरक्षण, 2013 में पुलिस में 35% और 2016 में सभी सरकारी नौकरियों में 35% आरक्षण महिलाओं को दिया गया। उन्होंने कहा कि आज बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या देश में सबसे ज्यादा है। 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर 'जीविका समूह की शुरूआत की, जिनकी संख्या आज 1 करोड़ 40 लाख हो गई है। रोजगार के मुद्दे पर नीतीश कुमार ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि हमने 2020 में 10 लाख नौकरी और 10 लाख रोजगार का वादा किया था। अब 10 लाख नौकरी का काम हो गया है और रोजगार पाने वालों की संख्या भी 40-50 लाख हो गई है। अब हमने तय कर दिया है कि अगले 5 साल में 1 करोड़ युवाओं का (रोजगार सुनिश्चित) किया जाएगा। धोरैया विधानसभा में प्रत्याशी मनीष कुमार के समर्थन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सड़क मार्ग से अमरपुर विधानसभा में जदयू प्रत्याशी जयंत राज के समर्थन में चुनावी सभा करेंगे। मुंगेर में कल मुख्यमंत्री नीतीश ने सम्राट चौधरी की जमकर की तारीफ मुंगेर में रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभा के दौरान डिप्टी सीएम और तारापुर प्रत्याशी सम्राट चौधरी की जमकर तारीफ की। CM नीतीश ने सम्राट की ओर इशारा करते हुए कहा, 'ये बढ़िया काम करते हैं, इन्हें बनाइए और आगे बढ़ाइए। नीतीश करीब 5 मिनट तक सम्राट की तारीफ करते रहे। उन्होंने कहा, ये बनेंगे तो बिहार बनेगा। इससे पहले CM नीतीश ने बेगूसराय के साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र से NDA के लोजपा (रा.) के प्रत्याशी सुरेंद्र विवेक के समर्थन में सभा की। इस दौरान लालू-राबड़ी राज पर जमकर निशाना साधा।

संक्षिप्त डायरी

गयाजी के इमामगंज में चिराग पासवान की चुनावी रैली

गयाजी। के इमामगंज में एनडीए के स्टार प्रचारक लोजपा(रा.) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने चुनावी रैली को संबोधित किया। एनडीए समर्थित हम पार्टी की प्रत्याशी दीपा मांझी के समर्थन में आम जनता से वोटिंग की अपील की। रोशनगंज खेल मैदान में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए चिराग ने करीब सात मिनट तक सरकार की उपलब्धियों और विपक्ष के झूठे प्रचार पर निशाना साधा। चिराग पासवान ने दीपा मांझी हमारी भाभी हैं। भाभी हमारे समाज में मां तुल्य होती हैं। अगर आप दीपा मांझी को वोट देते हैं तो समझिए आपने मेरी मां को वोट दिया है। विपक्ष अफवाह फैला रहा है कि लोजपा और हम पार्टी में मतभेद है, जबकि एनडीए परिवार पूरी मजबूती से एकजुट है। सभा में मौजूद हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के राष्ट्रीय संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि 90 के दशक में शाम तीन बजे के बाद इमामगंज में कोई घर से बाहर नहीं निकलता था। लेकिन हमारे शासनकाल में कानून व्यवस्था कायम हुई। ना हमने किसी को फंसाया, ना किसी को छुड़ाया। जो दोषी था, उसे कानून ने सजा दी। मांझी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि बिहार को पीछे ले जाने वालों से सावधान रहें और विकास की राजनीति पर भरोसा रखें। विपक्ष के लोग आज फिर उसी जंगलराज को लाना चाहते हैं, जब भय और अराजकता का माहौल था।

मतदाता जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन, मतदान प्रतिशत बढ़ाने का लिया संकल्प

मोतिहारी। में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शरण कॉम्प्लेक्स में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बुद्धिजीवी, शिक्षक, छात्र, समाजसेवी और आम नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। इसका उद्देश्य मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोकतंत्र में अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना था। महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी, मोतिहारी के वाइस चांसलर प्रो. संजय श्रीवास्तव मुख्य अतिथि थे। प्रसिद्ध शिक्षाविद् प्रो. श्याम नंदन ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। डॉ. आशुतोष शरण सहित कई अन्य प्रतिष्ठित अतिथि भी मंच पर उपस्थित थे। नागरिकों की जिम्मेदारी है मतदान प्रोफेसर श्याम नंदन ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि नागरिकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से स्वयं मतदान करने और दूसरों को भी प्रेरित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हर नागरिक के मतदान केंद्र तक पहुंचने से ही लोकतंत्र मजबूत होगा और सही मायने में लोगों की सरकार बनेगी। उन्होंने युवाओं से सही उम्मीदवार चुनने की अपील की। डॉ. आशुतोष शरण ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय नागरिक होने का सबसे बड़ा प्रमाण मतदान करना है। उन्होंने कहा कि जो लोग वोट नहीं देते, वे लोकतंत्र के सबसे बड़े दोषी हैं। उन्होंने जोर दिया कि हर वोट महत्वपूर्ण है और यह हमारे भविष्य को निर्धारित करता है। बूथ तक पहुंचाने में सहयोग देने का लिया संकल्प इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आगामी चुनाव में स्वयं मतदान करने और अपने परिवार व मोहल्ले के लोगों को भी बूथ तक पहुंचाने में सहयोग देने का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसी पहल से मतदान प्रतिशत बढ़ने के साथ-साथ लोकतांत्रिक चेतना भी सशक्त होगी। संगोष्ठी के दौरान पूरे माहौल में ह्रपहले मतदान, फिर जलपानह्न का संदेश गूंजता रहा। उपस्थित लोगों ने कहा कि यह पहल मोतिहारी को शत-प्रतिशत मतदान वाला जिला बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

सड़क हादसे में बच्ची की मौत बिहटा-सरमेरा टू-लेन पर ट्रक से टकराई बाइक

नालंदा। में बिहटा सरमेरा टू-लेन पर ट्रक और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार बच्ची की मौत हो गई। जबकि भाई और पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। विरोध में लोगों ने सड़क जाम कर दिया। मृतका की पहचान नित्या कुमारी(5) के तौर पर हुई है। घायल की पहचान चंडुआरा गांव निवासी पिता नीतीश कुमार(50) और भाई आवांश के तौर पर हुई है। घटना रहुई थाना क्षेत्र के भंडारी गांव के पास की है। बाइक ट्रक से टकरा गई नीतीश कुमार ने बताया कि हर दिन की तरह अपने दोनों बच्चों को लेकर बिहार शरीफ बाइक से स्कूल छोड़ने के लिए जा रहे थे। भंडारी गांव के पास ट्रक ने अचानक टर्न ले लिया। जिसके कारण बाइक ट्रक से टकरा गई। बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। इस बीच ड्राइवर गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गए मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम जानकारी के मुताबिक नीतीश सोसदी पंचायत के उपसरपंच हैं। इसके अलावे बिहार शरीफ और गांव में ट्यूशन भी पढ़ाते हैं। हादसे की सूचना पर स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया। मुआवजे का आश्वासन देकर सड़क जाम को हटाया। आरोपी ड्राइवर की तलाश जारी इस संबंध में रहुई थानाध्यक्ष ललित विजय ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एक बच्ची की मौत हो गई है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अज्ञात वाहन की पहचान की जा रही है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

दीप्ति की मां ने इंडिया-इंडिया के नारे लगाए

जीत के बाद भावुक हुई, आगरा में कहा: तपस्या पूरी हुई

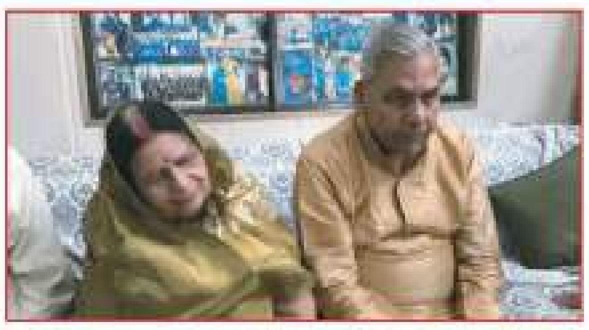

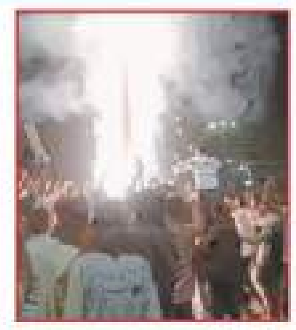

आगरा। भारतीय महिला टीम ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप जीत लिया है। टीम 52 साल पुराने इस टूर्नामेंट में पहली बार चैंपियन बनी। रविवार को मुंबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत की लड़कियों ने साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराया। इस जीत की सूत्रधार रहीं आगरा की दीप्ति शर्मा। पूरे वर्ल्ड कप में दीप्ति का जादू खूब चला। बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, ताजनगरी की दीप्ति ने अपने आलराउंडर प्रदर्शन से भारत को हर मुश्किल हालात से निकाला और उसके सिर पर वनडे वर्ल्ड कप का ताज सजा दिया। जैसे दीप्ति ने दक्षिण का आखिरी विकेट लिया, पूरा देश जश्न में डूब गया। पूरे देश में लोगों ने सड़कों पर तिरंगे के साथ जुलूस निकालकर जश्न मनाया। लखनऊ में लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। 'भारत की माता की जय' के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी का जोश हाई दिखा। आगरा में दीप्ति के घर पर सभी पूरे मैच के दौरान टीवी पर टकटकी लगाए बैठे रहे। जीत के बाद दीप्ति की मां भावुक हो गईं। उन्होंने कहा- टीम इंडिया की सभी बेटियों ने मेरा सम्मान रखा है। मैंने और मेरी बेटी ने भगवान की जितनी भी सेवा की, आज वो सफल हो गई। मेरी तपस्या पूरी हुई। पिता भी खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। उन्होंने कहा- दीप्ति पर गर्व है। उसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। सभी ने अच्छा खेला। भाई प्रशांत और बहन प्रगति ने कहा- इंडियन विमेंस वर्ल्ड कप का अब सूखा खत्म हो गया है। अब आगे भारत की बेटियां और वर्ल्ड कप लेकर आएंगी। हमारी बहन ने हमारा ही नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का सपना पूरा किया है। आज हमें उस पर गर्व है। आज अपनी बहन के लिए शब्द नहीं है। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने भी दीप्ति शर्मा के घर पर बैठकर मैच देखा। उन्होंने कहा- कल आपको दुकानों पर बैट नहीं मिलेंगे। माता-पीता अब अपनी बेटियों को कल से बैट देंगे। और हर गली से अब एक दीप्ति निकलेगी। अब लड़कों को ताने सुनने के लिए मिलेंगे कि देख लो... लड़कियां कितनी होनहार होती जा रही हैं। वर्ल्ड कप भी जीत लिया है। लड़कियां इतिहास रच रही हैं और आप अभी तक सो रहे हो। जब दीप्ति आगरा आएंगी तो उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। आगरा पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने कहा- टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जीतने पर बधाई और दीप्ति शर्मा को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने जाने पर शुभकामनाएं। दीप्ति शर्मा ने इस विमेंस वर्ल्ड कप में 22 विकेट चटकाए। वे टूर्नामेंट की टॉप विकेट टेकर बनीं। दीप्ति भारत के लिए वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर भी पहुंच गईं। उनके नाम अब 35 विकेट हो गए। पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी 43 विकेट के साथ टॉप पर हैं। दीप्ति को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी मिला। उन्होंने 22 विकेट लेने के साथ 215 रन भी बनाए। वे वर्ल्ड कप में 200 प्लस रन के साथ 20 विकेट लेने वाली दुनिया की पहली महिला प्लेयर भी बनीं। दीप्ति शर्मा विमेंस वर्ल्ड कप के एक सीजन में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली बॉलर बनीं। दीप्ति ने शशिकला कुलकर्णी का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 1981 में 20 विकेट लिए थे। इस वर्ल्ड कप में भारत ने 9 मैच खेले। फाइनल तक भारत का सफर आसान नहीं रहा। टीम ने 3 लगातार हार के बाद वापसी की और सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को हराया। भारत को 4 में जीत और 4 में हार मिली। एक मैच बेनतीजा रहा। दीप्ति के बड़े भाई सुमित शर्मा क्रिकेट खेला करते थे और हर दिन स्टेडियम में नेट प्रैक्टिस के लिए जाते थे। उन्हें देखकर दीप्ति का भी क्रिकेट में इंटरेस्ट डेवलप हुआ। शुरुआत में घर पर ही भाई से ट्रेनिंग लेने लगीं। उसके बाद जब भाई स्टेडियम जाता तो जिद करके वो भी स्टेडियम जाने लगीं। हालांकि, स्टेडियम में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिलता। ऐसे में वो किनारे बैठकर घंटों नेट-प्रैक्टिस देखती रहतीं। एक दिन दीप्ति अपने भाई के साथ आगरा की एकलव्य स्पोर्ट्स एकेडमी गईं। वहां वो किनारे पर बैठी बाकी खिलाड़ियों को नेट प्रैक्टिस करते हुए देख रही थीं। इसी बीच किसी ने शॉट लगाया और बॉल दीप्ति के पास जा गिरी। दीप्ति ने बॉल फेंकी तो 50 मीटर दूर सीधे स्टंप पर जा लगी और बिल्ली उड़ा दी। दूर खड़ी क्रिकेटर हेमलता काला यह पूरा दृश्य देख रही थीं। काला समझ गईं कि लड़की को इंडियन टीम के लिए खेलना चाहिए और उन्होंने दीप्ति का नाम रिकमेंड किया। हेमलता काला भारतीय महिला क्रिकेट टीम का हिस्सा रह चुकी हैं।

संक्षिप्त डायरी

थाई और तिब्बती परम्परा के अनुसार हुआ शांति पाठ

संवाददाता

कुशीनगर। म्यांमार मंदिर में दिवंगत भंते ज्ञानेश्वर के पार्थिव शरीर के समक्ष थाइलैंड और तिब्बत मनिस्ट्री के भिक्षुओं ने थाई और तिब्बती परम्परा के अनुसार शांति पाठ किया।सोमवार को तिब्बत मनिस्ट्री के प्रमुख कंचुक लामा ने तिब्बती परम्परा के अनुसार सभी रश्मों को पूरा करते हुए भदंत की आत्मा की शांति के लिए धम्म पाठ किया। इसी क्रम में थाई मनिस्ट्री के प्रमुख डॉ पी सोम पोंग के निर्देशन में भंते डॉ कितिकान, पी पविन, पी नलोंग, पी अनुवत आदि ने भदंत नंदिका के साथ बैठकर पाठ किया।

मलिहाबाद में सड़क बदहाल से लोग परेशान

मलिहाबाद। ब्लॉक के महमूदनगर गांव को जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग बदहाली का शिकार है। सरकार के ग्रामीण विकास और बेहतर सड़कों के दावों के बावजूद, यह मार्ग जर्जर स्थिति में है, जिससे विकास के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। लखनऊ-हरदोई मार्ग से महमूदनगर तक लगभग एक किलोमीटर लंबा यह रास्ता गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुका है। नहर की पुलिया से पहले तो सड़क की हालत इतनी खराब है कि पैदल चलना भी जोखिम भरा है। टूटा कंक्रीट, उखड़ी गिट्टी और कीचड़ के कारण यह मार्ग अब तालाब जैसा दिखता है। स्थानीय निवासियों महेश, प्रेम और रामप्रकाश ने बताया कि यह सड़क कई गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ती है, लेकिन वर्षों से इसकी मरम्मत नहीं हुई है। बरसात में यह मार्ग पूरी तरह जलमग्न हो जाता है, जिससे बाइक सवार अक्सर फिसलकर घायल हो जाते हैं। ग्रामीणों ने कई बार शिकायतें की हैं, लेकिन संबंधित अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यह संपर्क मार्ग नई बस्ती धनेवा, सदरपुर, स्टेशन रोड, कसमंडी कला, मोहम्दनगर-रहमत नगर सहित कई अन्य गांवों को जोड़ता है। इसकी बदहाली के कारण हजारों लोगों की दैनिक आवाजाही प्रभावित हो रही है।सड़क की खराब स्थिति ने ग्रामीणों का जीवन मुश्किल बना दिया है। बच्चों का स्कूल जाना, किसानों का खेतों तक पहुंचना और आपातकालीन सेवाओं, विशेषकर एम्बुलेंस का संचालन भी कठिन हो गया है। ग्रामीणों को किसी भी समय बड़े हादसे का डर सता रहा है।ग्रामीणों ने प्रशासन से महमूदनगर संपर्क मार्ग की तत्काल मरम्मत की मांग की है। उन्होंने कहा कि सड़क को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए ताकि गांववासियों को राहत मिल सके और संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

लखनऊ में शादी का झांसा देकर युवती से रेप

लखनऊ। में एक युवती ने शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण और दहेज मांगने का आरोप लगाते हुए गोमतीनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपी तिलक होने के बाद दहेज मनमाफिक नहीं मिलने से शादी से मुकर गया। पीड़िता ने न्याय न मिलने पर मुख्यमंत्री आवास के सामने आत्मदाह की चेतावनी दी है। बिलग्राम हरदोई निवासी पीड़िता ने बताया कि डेढ़ साल से प्रभातपुरम तालकटोरा लखनऊ निवासी अमित उर्फ मोहन पुत्र गुड्डू से अफेयर था। दोनों गोमती नगर में किराए का कमरा लेकर लिव-इन रिलेशनशिप में भी साथ रहे। लड़के के मौसा-मां ने मांग दहेजपीड़िता ने बताया कि अमित ने शादी का वादा किया और इस दौरान कई बार शारीरिक संबंध बनाए। परिवारों की सहमति से 9 जून 2025 को बरीक्षा व तिलक की रस्म में करीब एक लाख रुपए खर्च किए गए। वहीं 12 जून को गोद भराई और रिंग सेरेमनी पर पचास हजार रुपए का खर्च हुआ। लेकिन इसके कुछ दिन बाद अमित के मौसा महेश सैनी, मां शालू और बहन प्रिया ने दहेज की मांग शुरू कर दी।सचिवालय कर्मी होने की बात कहकर धमकाया पीड़िता का कहना है कि महेश सैनी खुद को सचिवालय में कार्यरत बताकर धमकी देते हैं कि वह पूरे परिवार को झूठे मुकदमों में फंसा देंगे। उन्होंने बताया कि महेश की फोन रिकॉर्डिंग भी उनके पास है। संध्या ने आरोप लगाया कि तालकटोरा थाना जाने पर वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसकी शिकायत सुनने के बजाय भगा दिया। जबकि अमित के परिवार ने दहेज की मांग की।पुलिस कर रही मामले की जांच पीड़िता ने कहना है कि अगर न्याय नहीं मिला तो वह मुख्यमंत्री आवास के सामने आत्मदाह कर लेगी। पीड़िता शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मामले में इंस्पेक्टर गोमती नगर बृजेश कुमार का कहना कि शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है।

प्रयागराज में 9वीं की छात्रा से दोस्त ने रेप किया

प्रयागराज। में 9वीं की छात्रा से उसके दोस्त ने रेप किया। दोनों की इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। छात्रा का आरोप है कि शनिवार शाम को दोस्त ने जरूरी काम बोलकर मिलने के लिए बुलाया। इसके बाद एक कमरे में ले जाकर रेप किया। युवक के 2 दोस्तों ने बाहर से कमरा बंद कर दिया। आरोपी युवक ने रेप करने के बाद किसी परिचित को फोन करके बुलाया। तभी गांव वाले भी पहुंच गए। दोनों को बाहर निकाला गया। इस दौरान आरोपी मौके से भाग निकला। पुलिस ने छात्रा की मां की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की है। घटना मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव की है।मऊआइमा क्षेत्र की कक्षा 9 की छात्रा के पिता की मौत हो चुकी है। परिवार में मां और एक छोटा भाई है।

अजय प्रताप बने अभा पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। छत्तीसगढ़ में दो नवंबर को सम्पन्न हुए अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय सम्मेलन के बाद राष्ट्रीय कार्य समिति की हुई बैठक में अजय प्रताप नारायण सिंह को पुनः उत्तर प्रदेश इकाई का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया।रविवार को साथ संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिग्नेश कलावड़िया के निर्देशन में हुई राष्ट्रीय समिति की बैठक में जनपद के साखोपार निवासी अजय प्रताप ना सिंह को तीसरी बार उप्र का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों में हमेशा योगदान देने वाले श्री सिंह पत्रकार हित को लेकर देश में सुरक्षा कानून लागू करने की मांग को लेकर चल रहे मुहिम को काफी मजबूती से काम किया। श्री सिंह को प्रदेश सचिव विनय कुमार उपाध्याय, प्रदेश संयोजक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ आरके भट्ट, वरिष्ठ पदाधिकारी राज सिंह, अजय कुमार मिश्रा, विनयकांत मिश्रा, असफाक अंसारी, विजय कुमार राव, डी.के. पाण्डेय, जिलाध्यक्ष कुशीनगर हृदयानन्द शर्मा, विनोद तिवारी, सतीश कुमार पांडेय, विजय कुमार यादव, सुधाकर उपाध्याय, कामख्या नारायण मिश्रा, मनीष कुमार यादव, पवन कुमार शर्मा, दिनेश कुमार ओझा, आदित्य शाही, शीतल सिंह, ज्ञानेश्वर बरनवाल, सौरभ मणि त्रिपाठी, सतीश कुमार सिंह, आदित्य दीक्षित, असलम अंसारी, आशुतोष श्रीवास्तव, मसरूर रिजवी, उमाशंकर तिवारी, गोविंद पटेल, मणिंद्र कुमार, सरफराज आलम, संदीप जायसवाल, मस्तराज शर्मा, उमर फारूक अंसारी, शीतल सिंह, जावेद आलम, श्रीजेश यादव, संदीप सिंह, मोहन वर्मा, सोनू चौधरी, एहतेशाम जाफर मिंटू लारी, रवि त्रिपाठी, राजेश मिश्रा, योगेश गोविंद राव, मोहन वर्मा, अनिल कुमार सिंह, मनोज जायसवाल सहित प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकारों ने हर्ष व्यक्त किया।

प्रयागराज में सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

प्रयागराज। के उतराव थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल मजदूर ज्ञानचंद यादव (40) की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।ज्ञानचंद यादव सराय इस्माइल गांव के रहने वाले थे और खेती के साथ बलरामपुर स्थित एक बर्तन की दुकान पर मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे।

इग्नू अध्ययन केन्द्र में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ परिचय समारोह

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर स्थित 27128 इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) अध्ययन केन्द्र में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए परिचय समारोह का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विनोद मोहन मिश्र ने कहा कि इग्नू के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा नौकरी पेशा वाले लोगों और प्रतियोगी परीक्षाओं के विद्यार्थियों दोनों के लिए वरदान है। इग्नू की अध्ययन सामग्री वैज्ञानिक पद्धति से बनाई जाती है जो विषय को बोधगम्य स्वरूप में इस प्रकार से प्रस्तुत करती है कि व्यक्ति बिना किसी की सहायता के भी विषय को समझ सके। उन्होंने कहा कि जो लोग किसी कारण से संस्थाओं में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययन करने में अक्षम हैं उनके लिए यह सबसे अच्छा विकल्प है। इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक और हिंदी के आचार्य प्रोफेसर गौरव तिवारी ने कहा कि इग्नू दुनिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। इसमें लगभग तीन दर्जन देशों के 40 लाख विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। इसके इस विस्तार का कारण इसका लचीलापन है। यह विश्वविद्यालय "शिक्षा आपके द्वार" की संकलना से कार्य करता है इसी लिए इसे जन जन का विश्वविद्यालय कहा जाता है। डॉ० गौरव ने आगे बताया कि इग्नू में स्नातक और स्नातकोत्तर की परीक्षाओं का स्वरूप अभी भी वार्षिक ही है। इसलिए विद्यार्थियों को वर्ष पर्यंत परीक्षाओं के लिए तैयारी नहीं करनी पड़ती। वर्ष में दो बार जनवरी और जुलाई में प्रवेश और दिसंबर और जून में परीक्षाएं होती हैं। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय स्थित अध्ययन केंद्र पर स्नातक और स्नातकोत्तर के साथ साथ डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों भी हैं।बीएड के अध्यक्ष डॉ निगम मौर्य ने कहा कि इग्नू की साख प्रतियोगी परीक्षार्थियों में उसके उच्च गुणवत्ता वाले अध्ययन सामग्री के कारण है। डॉ पंकज दुबे ने कहा कि इग्नू के माध्यम से अपना प्रमोशन चाहने वालों और अपनी ज्ञान पिपासा पूरी करने की इच्छा रखने वालों, दोनों के आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। डॉ यज्ञेश नाथ त्रिपाठी ने कहा कि इंटरमीडिएट तक की शिक्षा में अध्ययन सामग्री का जो मानक एनसीईआरटी रखती है उच्च शिक्षा में वही मानक इग्नू का है। दोनों का कोई विकल्प नहीं है। कार्यक्रम में इग्नू के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के अतिरिक्त आकाश शर्मा, विनीत शुक्ल, अविनाश और राजकिशोर उपस्थित रहे।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना सरकार का लक्ष्य:डॉ. विजया तिवारी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर पालिका कार्यालय के सभागार में आत्मनिर्भर भारत संकल्प महिला अभियान का एक उत्साहपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री डॉ. विजया तिवारी ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चली आत्मनिर्भर भारत की व्यापक पहल का हिस्सा है जो महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। विशिष्ट अतिथि भाजपा महिला मोर्चा कार्य समिति सदस्य मोनी पांडेय ने अपने विचार रखे। पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने भारत में प्राचीन काल से नारी मातृ शक्ति के रूप में पूजी जाती हैं। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में महिलाओं का उत्थान और सम्मान हो रहा है। नारी सशक्तिकरण की योजनाएं फलीभूत हो रही हैं तो नारी सुरक्षा भी सरकार ने सुनिश्चित किया है। नगरपालिका अध्यक्ष किरन जायसवाल, डॉ बीना गुप्ता ने कहा कि आज की महिलाएं मातृशक्ति के रूप में न केवल परिवार, बल्कि समाज और राष्ट्र को मजबूत कर रही हैं। अंत में सभी ने सामूहिक रूप से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया। यह संकल्प न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामुदायिक स्तर पर भी महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चंद्रप्रभा पांडेय ने किया। संचालन करते हुए रूपम सिंह ने महिलाओं से स्वदेशी उत्पादों के उपयोग और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां में हुआ कार्यक्रम

संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस के मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन कार्यक्रम के तहत थाना तुर्कपट्टी पुलिस द्वारा खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान, सपहां परिसर में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृशक्ति को जागरूक करना और उन्हें अपने अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति सजग बनाना था।

कार्यक्रम में थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार सिंह ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति समाज की सबसे बड़ी ताकत है। मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं को न केवल आत्मनिर्भर बनाना है। बल्कि उन्हें हर प्रकार के शोषण और अत्याचार से सुरक्षा का भरोसा दिलाना भी है। पुलिस सदैव आपके साथ है। किसी भी समस्या या आपात स्थिति में तुरंत 112 या महिला हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।संस्थान के मंत्री पंकज कुमार पांडेय ने थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार सिंह समेत मौजूद पुलिस कर्मियों का स्वागत अंगवस्त्र देकर किया। उन्होंने कहा कि खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत कार्य कर रहा है। यहां चल रहे विभिन्न उपक्रमों में सैकड़ों महिलाएं रोजगार प्राप्त कर रही हैं और स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा, घरेलू हिंसा अधिनियम, महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 की जानकारी दी गई। अंत में सभी उपस्थित महिलाओं ने मिशन शक्ति अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।इस दौरान सुनंदा आर्य, सरिता देवी, प्रमिला, राजकुमारी, गिरीजा, मनभावती, अमृता, मनीषा पूनम, नेहा, नरेंद्र पांडेय, विजय पांडेय, संदीप, विशाल, हीरालाल, अमर यादव मौजूद रहे।

22 देशों ने लिया ऐसा फैसला कि बढ़ गई तेल की कीमत, भारत पर क्या पड़ेगा असर?

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई बाजारों में सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ओपेक+ (तेल उत्पादक देशों का समूह और उनके सहयोगी) ने अगले साल की पहली तिमाही में उत्पादन बढ़ाने का फैसला फिलहाल टाल दिया है। इससे तेल की आपूर्ति में अचानक बहुत ज्यादा बढ़ोतरी होने का डर कम हो गया है। ओपेक+ दुनिया के तेल उत्पादक और निर्यातक देशों का प्रभावशाली गठबंधन है। इसमें 22 देश शामिल हैं।

रॉयटर्स के मुताबिक लंदन ब्रेंट क्रूड ऑयल के फ्यूचर 47 सेंट यानी 0.73 फीसदी बढ़कर 65.24 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए। शुक्रवार को यह 7 सेंट बढ़कर बंद हुआ था। वहीं, अमेरिका का वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड ऑयल 45 सेंट यानी 0.74 फीसदी बढ़कर 61.43 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। पिछले सत्र में यह 41 सेंट बढ़ा था।

क्या लिया था ओपेक+ देशों ने फैसला- ओपेक+ ग्रुप ने रविवार को घोषणा की थी कि वे दिसंबर में उत्पादन 137,000 बैरल प्रति दिन बढ़ाएंगे। यह बढ़ोतरी अक्टूबर और नवंबर के समान ही है। समूह ने एक बयान में कहा था कि दिसंबर के बाद मौसमी कारणों से आठ देशों ने जनवरी, फरवरी और मार्च 2026 में उत्पादन वृद्धि को रोकने का भी फैसला किया है।

क्यों हुई तेल की कीमत में बढ़ोतरी- ओपेक+ देशों का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब दुनिया भर में तेल की मांग और सप्लाई को लेकर लगातार चर्चाएं चल रही हैं। तेल की कीमतें भी बाजार में उतार-चढ़ाव दिखा रही हैं। ओपेक+ देशों का यह कदम वैश्विक तेल बाजार को प्रभावित कर सकता है। अमेरिका ने रूसी तेल कंपनियों पर बैन लगा दिया है। इससे भारत और चीन में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। आने वाले समय में तेल उत्पादन में कमी को देखते हुए इसकी कीमत में तेजी आई है।

रूस की भूमिका अहम

आरबीसी कैपिटल के विश्लेषक हेलिमा क्रॉफ्ट ने कहा कि पहली तिमाही में आपूर्ति की अनिश्चितता और मांग में संभावित नरमी को देखते हुए सावधानी बरतना समझदारी है। उन्होंने यह भी बताया कि रूस अभी भी एक बड़ा अनिश्चितता का सोर्स बना हुआ है। अमेरिका ने हाल ही में रूसी तेल कंपनी रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। साथ ही रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले भी जारी हैं। संडे को यूक्रेन के एक ड्रोन हमले ने रूस के एक प्रमुख काला सागर तेल बंदरगाह, तुआपसे को निशाना बनाया। इस हमले से आग लग गई और कम से कम एक जहाज क्षतिग्रस्त हो गया।

भारत पर क्या असर

अक्टूबर में ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल की कीमतों में लगातार तीसरे महीने 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई थी। 20 अक्टूबर को ये पांच महीने के निचले स्तर पर पहुंच गए थे। इसकी वजह सप्लाई ग्लट का डर और अमेरिकी टैरिफ को लेकर आर्थिक चिंताएं थीं। चूंकि अब ओपेक प्लस देशों ने साल 2026 की पहली तिमाही में तेल का उत्पादन बढ़ाने का फैसला टाल दिया है, ऐसे में इसका असर भारत पर दिखाई दे सकता है। रूस पर बैन के कारण सप्लाई पहले ही प्रभावित हुई है। अब ओपेक प्लस ग्रुप के फैसले के कारण तेल की कीमत बढ़ सकती है। भारत अपनी 85 प्रतिशत से अधिक तेल की जरूरत आयात करता है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें सीधे तौर पर देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों को प्रभावित करेंगी। इससे महंगाई बढ़ेगी।

2000 की एसआईपी आपको बना सकती है करोड़पति

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप शेयर मार्केट में डायरेक्ट पैसा नहीं लगा सकते तो आपके लिए सबसे अच्छा रास्ता म्यूचुअल फंड है। यहां आपका पैसा फंड मैनेजर के जरिए कई शेयरों में लगता है। हालांकि, यहां भी निवेश में जोखिम है, लेकिन यहां आपका पैसा एफडी की तुलना में बहुत अधिक रिटर्न दे सकता है। अगर आप करोड़पति बनना चाहते हैं तो महज 2000 रुपये महीने का निवेश आपका यह सपना

पूरा कर सकता है। आइए समझें कबतक आपकी 2000 की एसआइपी आपको करोड़पति बना सकती है।

योजना बनाना – पहले तय करें कि आप हर महीने कितना पैसा निवेश करना चाहते हैं। मान लीजिए आप म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए हर महीने 2,000 निवेश का फैसला करते हैं।

निवेश की अवधि- अपने निवेश की कुल अवधि तय करें। मान लीजिए आप एक नए निवेशक हैं और कम से कम 30 साल के लिए निवेश करना चाहते हैं।

निवेश की आवृत्ति – म्यूचुअल फंड हाउस महीने में एक बार, तिमाही या सालाना जैसी अलग-अलग आवृत्तियां पेश करते हैं। विशेषज्ञ महीने में एक बार निवेश की सलाह देते हैं।

अपेक्षित रिटर्न – अपेक्षित रिटर्न का मतलब है कि आप अपने एसआईपी निवेश पर कितना रिटर्न की उम्मीद करते हैं। मान लीजिए आप अपने निवेश पर 15 प्रतिशत रिटर्न की उम्मीद करते हैं।

कुल जमा राशि- 15 प्रतिशत के अपेक्षित रिटर्न के साथ 30 साल तक 2,000 की मासिक एसआईपी से आपके पास कुल 1.40 करोड़ की राशि जमा होगी।

टैक्स बचत के लोकप्रिय यूलिप पर लगी लगाम

अब 2.5 लाख से ऊपर नहीं टैक्स फ्री फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। लंबे वक्त से, यूलिप टैक्स बचाने का लोकप्रिय विकल्प था, खासतौर पर बीमा कंपनियों के लिए यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान एक आदर्श वित्तीय उत्पाद था। इसमें बीमा का कवरेज, बाजार से जुड़ा (मार्केट लिंक्ड) रिटर्न और आयकर मुक्त मैच्योरिटी बेनिफिट मिलता था। टैक्स कानून में हुए हालिया बदलावों ने तस्वीर उलट दी। यूलिप

अब पहले जितना फायदेमंद नहीं रहा, खासकर ऊंचे प्रीमियम वालों के लिए।

क्या है बदलाव- आयकर कानून की धारा 80सी के तहत, अब केवल 1.5 लाख रुपये तक का यूलिप प्रीमियम टैक्स छूट के लिए पात्र है, लेकिन इसके लिए शर्तें हैं। वार्षिक प्रीमियम कुल बीमा राशि के 10 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए व पॉलिसी को कम से कम पांच साल तक बनाए रखना होगा। बजट-2021 में यूलिप की एक और रियायत घटाई गई थी, जिसका स्पष्टीकरण 2025 में दिया गया है। यूलिप की मैच्योरिटी पर होने वाली आय अब पूरी तरह से टैक्स फ्री नहीं है। वार्षिक प्रीमियम 2.5 लाख रुपये तक होने पर ही लाभ मिलेगा।

2.5 लाख रुपये की सीमा प्रति पॉलिसी नहीं, बल्कि सभी यूलिप पॉलिसियों के कुल प्रीमियम पर लागू है। वार्षिक प्रीमियम 2.5 लाख रुपये से ज्यादा होने पर, म्यूचुअल फंड की तरह टैक्स लगेगा यानी यूलिप से होने वाले लाभ पर 12.5 फीसदी का लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन लागू होगा। अति-धनाढ्य बीमा की आड़ में टैक्स-फ्री इक्विटी निवेश का फायदा उठाते थे। 2021 से पहले, यूलिप की मैच्योरिटी से आय टैक्स फ्री थी।

यूलिप क्यों नहीं रहा फायदेमंद- शुरुआती वर्षों में कम रिटर्न, क्योंकि प्रीमियम का बड़ा हिस्सा कंपनी की फीस में जाता है। पांच साल की लॉक-इन अवधि के दौरान पैसा नहीं निकाल सकते। ज्यादा फीस के कारण, यूलिप का शुद्ध रिटर्न अक्सर डायरेक्ट म्यूचुअल फंड की तुलना में कम हो सकता है।

एनपीएस खाते से जुड़े नए नियम लागू, अब कुछ ही मिनटों में खुल जाएगा अकाउंट

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंशन फंड नियामक पीएफआरडीए ने हाल ही में एनपीएस खाते से जुड़े नए नियम लागू किए हैं। इससे अब कोई भी व्यक्ति बिना किसी अतिरिक्त दस्तावेज के सिर्फ अपने केवाईसी नंबर या बचत बैंक खाता संख्या की मदद से कुछ ही मिनटों में एनपीएस खाता खोल सकता है। खाता खोलने के लिए अब केवल दो चीजों में से एक की जरूरत होगी। पहला केंद्रीय केवाईसी नंबर, जो 14 अंकों का होता है और सभी वित्तीय खातों के लिए केवाईसी को एक साथ जोड़ता है। अगर किसी के पास सीकेवाईसी नहीं है तो उसके पास बचत बैंक खाता नंबर होना चाहिए, जिसकी केवाईसी पहले ही पूरी हो चुकी हो

पहले क्या थी दिक्कत- पहले खाता खोलने के लिए किसी व्यक्ति को आधार कार्ड, पैन कार्ड, पते का प्रमाण जैसे कई दस्तावेज भौतिक रूप से जमा करने होते थे।

सरकार ने कर लिया इंतजाम, 7000 करोड़ की संजीवनी से चीन का दबदबा होगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी। रेयर अर्थ मैग्नेट के मामले में दुनिया में अभी भी चीन का दबदबा है। चीन ने अमेरिकी टैरिफ के जवाब में इसका निर्यात बंद कर दिया था। इसका असर भारत पर भी दिखाई दिया। अब भारत ने इस क्षेत्र में चीन का दबदबा कम करने की तैयारी कर ली है। रेयर अर्थ मैग्नेट बनाने में भारत अपने प्रोत्साहन कार्यक्रम (इंसेंटिव प्रोग्राम) को लगभग तीन गुना करने की तैयारी कर रहा है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक यह राशि 7000 करोड़ रुपये (करीब 788 मिलियन डॉलर) से ज्यादा है।

बिना मैग्नेट वाली मोटर की भी तैयारी- इस स्कीम के तहत लोकल प्रोडक्शन के लिए इंसेंटिव दिए जाएंगे। इस स्कीम के तहत इंसेंटिव हर कंपनी को सालाना 1200 टन मैग्नेट तक के लिए मिलेगा। आयात पर निर्भरता कम करने के अलावा सरकार मैग्नेट-

लेस मोटर (बिना मैग्नेट वाली मोटर) पर रिसर्च को भी बढ़ावा देने पर विचार कर रही है। विकसित भारत 2047 की एक हाई-लेवल कमेटी ने इलेक्ट्रिक कारों, बसों और ट्रकों के लिए सिंक्रोनस मोटर के इस्तेमाल की संभावना तलाशने का सुझाव दिया है। यह एक ऐसी मोटर होती है जिसमें मैग्नेट की जरूरत नहीं पड़ती।

भारत की यह विस्तार योजना ऐसे समय में आई है जब दुनिया भर के देश चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं। चीन दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत दुर्लभ पृथ्वी उत्पादन को प्रोसेस करता है। अप्रैल में अमेरिका के साथ व्यापार तनाव के बीच चीन ने एक्सपोर्ट पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी थीं।

इस हफ्ते खुल रहे हैं 10700 करोड़ के आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ के लिहाज से यह हफ्ता काफी व्यस्त रहेगा। एक तरफ लेंसकार्ट का आईपीओ पहले से ही खुला है। तो वहीं दूसरी तरफ 6 कंपनियों के आईपीओ भी खुलने जा रहे हैं। यह कंपनियां 10733.50 करोड़ रुपये जुटाती नजर आएंगी। बता दें, जिन कंपनियों के आईपीओ खुल रहे है उसमें ग्रो और पाइन लैब्स भी शामिल है। दिग्गज स्टॉक ब्रोकिंग

कंपनी ग्रो का आईपीओ 4 नवंबर से खुल जाएगा। निवेशकों के पास कंपनी के आईपीओ पर 7 नवंबर तक दांव लगाने का मौका रहेगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड कंपनी ने 95 रुपये से 100 रुपये प्रति शेयर तय किया है। ग्रो में पीक एक्सवी पार्टनर्स, वायसी होल्डिंग्स, टाइगर ग्लोबल मैनेजमेंट जैसी कंपनियों का निवेश है। ग्रो के आईपीओ का साइज 6632.30 करोड़ रुपये है।

अधिक फैमिली पेंशन 67 की उम्र तक ही मिलेगी, दो प प्रतिशती के मामले में भी नियम स्पष्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने पेंशन संबंधी नियमों को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने स्पष्ट किया है कि रिटायरमेंट के बाद कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके परिवार को सात साल या कर्मचारी की 67 साल की उम्र तक (जो पहले हो) ही बढ़ी हुई दर पर पारिवारिक पेंशन मिलेगी। यह नियम सभी कर्मचारियों पर लागू होगा, चाहे वह किसी भी उम्र में रिटायरमेंट हुआ है।

वर्तमान में कुछ मंत्रालयों और विभागों में यह असमंजस बना हुआ था कि जिन कर्मचारियों की रिटायरमेंट आयु 65 साल निर्धारित है तो क्या उनके

आश्रितों को भी 67 वर्ष की आयु तक ही पूरी पारिवारिक पेंशन मिलेगी या उससे अधिक समय तक पेंशन मिल सकेगी। इसी भ्रम को दूर करने के लिए विभाग ने इस संबंध में विस्तृत स्पष्टीकरण आदेश जारी किया है।

विभाग के अनुसार, अगर कोई भी केंद्रीय कर्मचारी 60 साल या फिर 65 साल की उम्र में रिटायरमेंट होता है और उसकी मृत्यु हो जाती है तो उसके आश्रितों को बढ़ी हुई दर पर पारिवारिक पेंशन उस तारीख तक देय होगी, जिस दिन दिवंगत कर्मचारी की आयु 67 वर्ष पूरी होती। इसके बाद सामान्य दर पर पेंशन मिलेगी। गौरतलब है कि केंद्रीय जैसे डॉक्टर, प्रोफेसर, वैज्ञानिकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु वर्तमान में 65 साल है।

क्या है पेंशन की बढ़ी हुई दर- नियमानुसार, अगर पेंशनर की मृत्यु 67 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले हो जाती है तो उसके आश्रितों को तय सामान्य दर से अधिक पारिवारिक पेंशन मिलती है।

माता-पिता को देना होगा जीवन प्रमाणपत्र

नए नियमों के अनुसार, मृतक कर्मचारी के माता-पिता को बढ़ी हुई दर पर पेंशन मिलती रहे, इसके लिए उन्हें जीवन प्रमाणपत्र देना जरूरी होगा। बढ़ी हुई पेंशन, जो आखिरी सैलरी का 75 प्रतिशत है, अब तभी दी जाएगी जब माता-पिता दोनों जिंदा होंगे। एक माता-पिता की मृत्यु होने पर, पेंशन अपने आप 60 प्रतिशत हो जाएगी।

दूसरी प प्रतिशती को पेंशन का हक नहीं मिलेगा

यदि कर्मचारी हिन्दू विवाह अधिनियम-1955 के दायरे में आता है और पहली प प्रतिशती के रहते दूसरी शादी करता है, तो यह शादी अवैध मानी जाएगी। ऐसे मामलों में दूसरी प प्रतिशती को पेंशन का हक नहीं मिलेगा। सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों में फैसला लेने से पहले कानूनी सलाह जरूर लें।

फोनपे ने धोखाधड़ी वाले ट्रांजेक्शन से यूजर को बचाने के लिए फ़ोनपे प्रोटेक्ट लॉन्च किया

यह सिस्टम ऐसे ट्रांजेक्शन को तुरंत पहचान लेता है जिनमें धोखाधड़ी का शक हो, उन्हें होने से पहले ही रोक देता है

मुंबई, एजेंसी। फोनपे ने फोनपे प्रोटेक्ट लॉन्च किया है - यह एक ऐसा सुरक्षा सिस्टम है जिसे यूज़र्स को धोखेबाज़ी वाले ट्रांजेक्शन से बचाने के लिए बनाया गया है। यह नया फीचर यूज़र्स को उन नंबरों पर पैसे भेजने से बचने के लिए नोटिफाई करता है जो संदिग्ध हो सकते हैं। जब कोई यूज़र ऐसे ट्रांजेक्शन की कोशिश करता है, तो स्क्रीन पर फोनपे प्रोटेक्ट का अलर्ट दिखाई देता है। यह फीचर सुरक्षा कारणों से ट्रांजेक्शन कैंसिल होने पर उसमें शामिल जोखिमों के बारे में भी जानकारी देता है। इस पहल के साथ, फोनपे लाखों भारतीय नागरिकों के लिए सुरक्षित डिजिटल ट्रांजैक्शन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मज़बूत करता है।

फोनपे प्रोटेक्टएक ऐसे सिस्टम का उपयोग करता है जो डिपार्टमेंट ऑफ़ टेलीकम्यूनिकेशन के फाइनेंशियल फ्रॉड रिस्क इंडिकेटर फीचर द्वारा चिह्नित संदिग्ध (यानी खतरा वाला) मोबाइल नंबरों और उनसे जुड़े ट्रांजेक्शन का पता लगाकर उन्हें ब्लॉक कर देता है। फोनपे का यह सिस्टम ट्रांजेक्शन के दौरान इन जोखिमों को तुरंत पहचान लेता है और जोखिम का पता चलते ही ट्रांजेक्शन को तुरंत ही बीच में रोक देता है। फिर यूज़र्स को अलर्ट के रूप में ज़रूरी सूचनाएँ मिलती हैं, जिससे उन्हें अपने ट्रांजेक्शन के बारे में सही फैसला लेने में मदद मिलती है, और उनकी सुरक्षा और भी बेहतर होती है।

डीओटी के एफआरआई का उपयोग करने वाले शुरुआती प्लेटफॉर्म्स में से एक फोनपे ने इस फीचर का इस्तेमाल बहुत ज्यादा एफआरआई वाले मोबाइल नंबरों से जुड़े ट्रांजेक्शन को रोकने और फोनपे प्रोटेक्ट फीचर

के हिस्से के रूप में स्क्रीन पर अलर्ट दिखाने के लिए किया है। थोड़े कम एफआरआई वाले नंबरों के लिए, ऐप यूज़र को ट्रांजेक्शन करने से पहले एक अलर्ट दिया जाता है।

इस नए फीचर की शुरुआत एक खास साझेदारी के आधार पर की गई है, जिसे 2025 इंडिया मोबाइल कांग्रेस में दिखाया गया था। वहाँ, डिपार्टमेंट ऑफ़ टेलीकम्यूनिकेशन ने साइबर धोखाधड़ी से लड़ने के लिए फोनपे की सराहना की है। फोनपे को यह सराहना इसलिए मिली क्योंकि उन्होंने अपने.ट्ट आधारित फाइनेंशियल फ्रॉड रिस्क इंडिकेटर टूल को जल्दी लागू किया था। इस नए फ़ीचर पर बात करते हुए, फोनपे के ट्रस्ट और सुरक्षा प्रमुख, अनुज भंसाली ने कहा, फोनपे में, पेमेंट सुरक्षा सबसे ऊपर है, और हमने अपने ग्राहकों को सुरक्षित रखने के लिए कई पहल किए हैंफोनपे प्रोटेक्ट सुरक्षित वित्तीय सिस्टम बनाने की हमारी सोच को दर्शाता है, जहाँ हर एक ट्रांजेक्शन आसानी और सुरक्षित रूप से किया जा सके। इस फ़ीचर के साथ, हमने एक मज़बूत सुरक्षा सिस्टम बनाया है जो हमारे 61 करोड़ से ज्यादा यूज़र्स (31 मार्च 2025 तक) को साइबर हमलों से बचाता है। यह सिर्फ एक सुरक्षा फ़ीचर नहीं है, बल्कि भारत के लिए एक सुरक्षित डिजिटल पेमेंट सिस्टम बनाने की हमारी कोशिश है। हमें पूरा भरोसा है कि यह हमारे यूज़र्स को सुरक्षित और आसान पेमेंट का अनुभव देगा।

केल्टन टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड के बोर्ड ने 40 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक के विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉन्ड जारी करने की मंजूरी दी है

मुंबई, एजेंसी। केल्टन टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड एक एआई-प्रमुख और नवाचार-आधारित डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन कंपनी, ने घोषणा की है कि हाल ही में आयोजित बोर्ड बैठक में बोर्ड ने 40 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक के विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉन्ड (एफसीसीबी) जारी करने को मंजूरी दी है। यह मंजूरी कंपनी के सदस्यों द्वारा 30 सितंबर 2025 को आयोजित वार्षिक आम बैठक में प्राप्त स्वीकृति के अनुरूप है।हाल ही में, कंपनी ने यह भी घोषणा की कि संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) ने उसे जेनरेटिव एआई-आधारित एप्लिकेशन डिजाइन और विकसित करने के लिए चुना है, जो यूएनएफपीए के वैश्विक कार्यक्रमों में डिजिटल नवाचार और मानव-केंद्रित परिवर्तन को मजबूत करेंगे। यह साझेदारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से सामाजिक प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए केल्टन की प्रतिबद्धता को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनाती है, जो संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में प्रगति को तेज करने में मदद करेगी। जिम्मेदार एआई प्रथाओं को यूएनएफपीए के सभी के लिए स्वास्थ्य, अधिकार और कल्याण सुनिश्चित करने के विज़न के साथ जोड़कर, केल्टन यह प्रदर्शित कर रहा है कि तकनीक समाज के लिए उद्देश्यपूर्ण और समावेशी परिवर्तन ला सकती है।

केल्टन के सीईओ करणजीत सिंह ने कहा, यूएनएफपीए के साथ हमारा सहयोग यह दर्शाता है कि नवाचार कैसे वैश्विक स्तर पर सहानुभूति और प्रभाव को बढ़ावा दे सकता है। हम अपनी एआई इंजीनियरिंग क्षमता को यूएनएफपीए के मानवतावादी दृष्टिकोण के साथ जोड़कर ऐसे समाधान बना रहे हैं जो न केवल डिजिटल संचालन को बदलते हैं बल्कि तकनीक को और अधिक समावेशी, पारदर्शी और सार्थक बनाते हैं।यह साझेदारी केल्टन की स्थिति को एक विश्वसनीय एआई और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पार्टनर के रूप में और मजबूत करती है, जो वैश्विक संस्थानों और सार्वजनिक क्षेत्र के लिए नैतिक, सुरक्षित और सतत एआई पारिस्थितिक तंत्र के निर्माण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को पुनर्स्थापित करती है।

ऐतिहासिक विजयः भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रचा विश्व कप का नया इतिहास

-डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफर का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है। आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा।

आज का दिन भारतीय खेल इतिहास के स्वर्णाक्षरों में सदैव अंकित रहेगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ष 2025 का क्रिकेट विश्व कप जीत लिया है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस अदम्य जज्बे, संकल्प और संघर्ष का प्रतीक है जिसने वर्षों से भारतीय बेटियों को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। यह क्षण हर भारतीय के लिए गर्व, उत्साह और प्रेरणा का है-क्योंकि यह सिर्फ मैदान की जीत नहीं, बल्कि मानसिकता की भी जीत है।

भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफर का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है। आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा।

विश्व कप के इस रोमांचक फाइनल में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 50 ओवर में 298 रन बनाए। पारी की शुरुआत शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने की। स्मृति ने संयमित लेकिन महत्वपूर्ण 45 रन बनाकर टीम को मजबूत आधार दिया, जबकि शेफाली वर्मा ने आक्रामक शैली में खेलते हुए 78 गेंदों में 87 रन ठोके। उनकी पारी में चौके-छक्कों की झड़ी लगी रही। कप्तान हरमनप्रीत कौर इस बार जल्दी आउट हो गईं, लेकिन युवा बल्लेबाज ऋचा घोष ने 34 रनों की अहम पारी खेली और टीम को एक बार फिर स्थिरता दी। मिडिल ऑर्डर में दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को लगभग 300 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुँचाया।

दक्षिण अफ्रीका की टीम जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो शुरुआती ओवरों में उसने तेज शुरुआत की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने जल्द ही अपनी पकड़ बना ली। रेणुका ठाकुर और दीप्ति शर्मा ने सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करते हुए विरोधी बल्लेबाजों को बांधे रखा। शेफाली वर्मा ने गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन किया-उन्होंने 7 ओवर में मात्र 36 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। उनका हरफनमौला प्रदर्शन भारतीय जीत की रीढ़ साबित हुआ। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बढ़ता गया और अंततः भारतीय टीम ने जीत के साथ इतिहास रच दिया। शेफाली वर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का सम्मान मिला।

यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है। कभी जिन बेटियों को कहा जाता था कि 'खेल लड़कियों का काम नहीं', वही आज विश्व चैंपियन बनी खड़ी हैं। इस जीत ने समाज को यह संदेश दिया है कि अगर अवसर मिले तो भारतीय महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं। आज ये खिलाड़ी सिर्फ खेल नहीं रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नया रास्ता तैयार कर रही हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यह गौरवशाली प्रदर्शन वर्षों के परिश्रम का परिणाम है। महिला आईपीएल (डब्ल्यूपीएल) ने खिलाड़ियों को मंच और आत्मविश्वास दोनों दिया। छोटे शहरों और कस्बों से आने वाली खिलाड़ी जैसे कि प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, राधा यादव और रेणुका ठाकुर ने दिखा दिया कि प्रतिभा किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। इन खिलाड़ियों ने न केवल मैदान में बल्कि देश के हर घर में प्रेरणा की नई कहानी लिख दी है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और खेल मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट को लेकर जो नीतिगत बदलाव किए हैं, वे इस सफलता की बुनियाद बने। समान वेतन नीति ने खिलाड़ियों को आत्म-सम्मान दिया, जबकि बेहतर कोचिंग सुविधाएँ और घरेलू टूर्नामेंट्स ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया। यह देखना सुखद है कि अब महिला क्रिकेट को भी वही सम्मान और प्रसारण मिल रहा है जो पुरुष टीम को मिलता है। यह जीत इस दिशा में एक और सशक्त कदम है।

आज इस विजय के साथ भारत के सामने नई जिम्मेदारी भी आई है। अब यह सुनिश्चित करना होगा कि यह उत्साह और समर्थन केवल कुछ दिनों तक सीमित न रहे। जरूरत है कि स्कूल स्तर से लेकर विश्वविद्यालय तक खेलों को शिक्षा का हिस्सा बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लड़कियाँ खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित हों। खेल मंत्रालय और राज्य सरकारों को ग्रामीण इलाकों में खेल प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या बढ़ानी चाहिए, जहाँ संसाधन और प्रशिक्षक दोनों उपलब्ध हों।

मीडिया की भी बड़ी भूमिका है। महिला क्रिकेट को निरंतर प्रमुखता देना, खिलाड़ियों की कहानियों को सामने लाना, और समाज में इस भावना को मजबूत करना कि यह केवल खेल नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है-यही अब आने वाले समय की सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की इस जीत के पीछे अनेक अनकही कहानियाँ हैं-वह माँ जो अपनी बेटी के लिए समाज की परवाह किए बिना बैट खरीदती है, वह पिता जो खेत बेचकर क्रिकेट किट दिलाता है, वह कोच जो बिना वेतन के खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करता है, और वे साथी खिलाड़ी जो रिजर्व में रहकर भी हर समय टीम के साथ खड़ी रहती हैं। यह जीत केवल मैदान पर खेलने वाली 11 खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि उन हजारों सपनों की जीत है जो वर्षों से इस क्षण की प्रतीक्षा कर रहे थे।

भारत की विजेता महिला क्रिकेट टीम में हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरनी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ शामिल थीं। रिजर्व खिलाड़ियों में तेजल हसबनिस, प्रेमा रावत, प्रिया मिश्रा, मिन्नू मणि और सयाली सतघरे थीं, जिनका योगदान भी कम नहीं था। वे भले ही मैदान पर नहीं उतरीं, लेकिन टीम की तैयारी और एकता में उनकी भूमिका अहम रही।

इस विश्व कप ने भारतीय महिला क्रिकेट को विश्व पटल पर स्थायी पहचान दिलाई है। यह अब किसी एक पीढ़ी की उपलब्धि नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन है। भारत की बेटियाँ अब विश्व की नई मिसाल हैं-वे केवल खिलाड़ियों के रूप में नहीं, बल्कि उस शक्ति के प्रतीक हैं जो हार को भी प्रेरणा में बदल देती है।

आज जब पूरी दुनिया भारतीय टीम की इस उपलब्धि को सलाम कर रही है, तब यह पल हमें यह सोचने पर भी मजबूर करता है कि असली जीत तब होगी जब हर गाँव, हर स्कूल में कोई न कोई बेटी बैट थामकर मैदान में उतरे और यह कहे-हमें भी भारत की तरह जीतना चाहती हूँ। इस ऐतिहासिक जीत ने यह सिद्ध कर दिया है कि जहाँ इच्छा, वहाँ राह कोई कहावत मात्र नहीं, बल्कि भारत की बेटियों की हकीकत है। यह जीत केवल 11 खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि पूरे भारत की जीत है-उन परिवारों की जिन्होंने अपनी बेटियों को सपने देखने की आजादी दी; उन कोचों की जिन्होंने सीमित संसाधनों में भी प्रतिभा को निखारा; और उन दर्शकों की जिन्होंने हर गेंद पर टीम का हौसला बढ़ाया। 2025 का यह वर्ष भारतीय खेलों के लिए स्वर्णिम वर्ष के रूप में दर्ज होगा। भारत की बेटियाँ अब सिर्फ इतिहास नहीं, भविष्य लिख रही हैं। उनकी यह विजय हर भारतीय के दिल में गर्व, प्रेरणा और उम्मीद की लौ जगा रही है।

संपादकीय

प्रेस की आज़ादी में बाधा

इसे दुर्भाग्यपूर्ण विडंबना ही कहा जाएगा कि जिस 2 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारों के खिलाफ दुराग्रह व हिंसा से मुक्ति के लिये मनाया जाता है, उसी दिन पंजाब भर में पुलिस द्वारा अखबारों को पाठकों तक पहुंचने से रोका गया। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिन को मनाये जाने का उद्देश्य अभिव्यक्ति की आजादी और सूचना तक सार्वभौमिक पहुंच पर मंडराते खतरों के खिलाफ चेतना जगाना रहा है। वहीं इस दिन पंजाब पुलिस ने रविवार तड़के समाचार पत्र ले जाने वाले वाहनों को रोककर कथित जांच का उपक्रम किया। फलतः लाखों पाठक अपने पसंदीदा समाचार पत्रों का बेसब्री से इंतजार करते रह गए। निश्चित रूप से उन लोगों के लिये यह कष्टदायक ही रहा होगा, जिनके दिन की शुरुआत ही अखबार के साथ चाय-कॉफी से होती है। वे घंटों प्रतीक्षा करते रह गए, लेकिन पुलिस कार्रवाई के चलते उन तक समाचार पत्र नहीं पहुंचे। हालांकि, इस कार्रवाई के बाबत पुलिसिया दलील किसी के गले नहीं उतरी। पुलिस का दावा था कि यह जांच खुफिया एजेंसियों की सूचना पर आधारित थी कि इन वाहनों का उपयोग नशे, हथियार व प्रतिबंधित चीजों की तस्करी के लिये किया जा सकता है। हालांकि, ऐसी प्रतिबंधित व आपराधिक श्रेणी में आने वाली किसी वस्तु का कोई सुराग नहीं मिला। लेकिन पुलिस की कथित कार्रवाई पर तमाम तरह के सवाल जरूर उठे। पत्रकारों तथा तमाम मीडिया संगठनों ने समाचार पत्रों के वितरण में बाधा डालने की इस आपत्तिजनक कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की है।

वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की सरकार पर प्रेस की आजादी पर हमला करने को दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। इसे मीडिया पर हमला बताते हुए इसे पंजाब सरकार की ओर से लगाया गया अघोषित आपातकाल बताया गया। यह भी आरोप लगा कि भगवंत मान सरकार ने उसे परेशान करने वाली खबरों पर रोक लगाने के मकसद से पुलिस के जरिये यह दमनात्मक कार्रवाई की। यह घटना अभिव्यक्ति की आजादी पर ऐसा हमला है, जिसे किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसमें दोराय नहीं कि सीमावर्ती राज्य पंजाब की पाकिस्तान के साथ लगी इतनी लंबी सीमा है कि सुरक्षा के नजरिये से किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जा सकती है। लेकिन इसके बावजूद राज्य सरकार को सतर्कता और पारदर्शिता के बीच बेहतर संतुलन बनाना चाहिए। रविवार को अखबार ले जाने वाले वाहनों पर कार्रवाई शुरू करने से पहले मीडिया घरानों और समाचार पत्र आपूर्तिकताओं सहित सभी हितधारकों को विश्वास में लिया जाना जरूरी था। निश्चित रूप से इससे व्यवधान और भ्रम की स्थिति से बचा जा सकता था। निर्विवाद रूप से मीडिया की स्वतंत्रता किसी स्वस्थ लोकतंत्र की आधारशिला है। यहां तक कि पंजाब के सबसे मुश्किल दौर में भी यह जरूरी है। सरकार और पुलिस को चरमपंथ के चरम वक्त को याद करने की सलाह दी जानी चाहिए, जब पुलिस सुरक्षा के दौर में साइकिल पर सवार हॉकरों को सुरक्षा प्रदान किया करती थी।

चिंतन-मनन

गहराई में जाएं

गुरु के पास तीन शिष्य आए, बोले, गुरुदेव! हम साधना करना चाहते हैं। कोई साधना का सूत्र बताएं। गुरु ने सोचा, साधना का सूत्र बताने से पहले परीक्षा कर ली जाए। गुरु ने तीनों से एक प्रश्न पूछा, आंख और कान में कितना अंतर है। पहला व्यक्ति बोला, चार अंगुल का। दूसरे ने कहा, कान से आंख ज्यादा काम आती है। आंखों देखी बात बहुत स्पष्ट होती है। आंखों देखी और कानों सुनी बात में बहुत अंतर होता है। तीसरे का जवाब था, आंख से हम देख सकते हैं, किन्तु परमार्थ की बात कान से ही सुन सकते हैं।

गुरु ने पहले व्यक्ति से कहा, तुम अभी व्यापार करो। तुम्हारा नाप-जोख में रस है। तुम साधना के अधिकारी नहीं हो। दूसरे व्यक्ति से कहा, तुम अभी न्याय का काम करो। लोगों के झगड़े सुलझाओ। आंख द्वारा देखे गए प्रमाण ज्यादा सच होते हैं। तीसरे व्यक्ति से कहा, तुम साधना के योग्य हो। मैं तुम्हें आत्मिक ज्ञान दूंगा, क्योंकि तुम परमार्थ की बात में रस लेते हो। वही कान, वही आंख सबके पास है। यदि आंख सच्चाई को देखने लग जाए, कान परमार्थ की बात को सुनने लग जाए तो नई बातें हमें प्राप्त हो सकती हैं। इसके लिए हमें गहराई में जाना होगा। सतह पर रहने से काम नहीं चलेगा। यदि हम अध्यात्म चिकित्सा या भाव चिकित्सा के क्षेत्र में प्रयोग प्रस्तुत करें तो अध्यात्म की उपयोगिता बढ़ेगी, यह विश्वास प्रबल होता है। यह भौतिकता का नहीं, अध्यात्म का भी एक साम्राज्य है और उसके बिना मनुष्य सुख और शांति का जीवन जी नहीं सकता।

अभी समय लगेगा नीतीश कुमार को राजनीति से बाहर करने में

कुमार कृष्णन

भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनकी औकात दिखा दी है। अमित शाह ने साफ कर दिया कि 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद भी नीतीश के मुख्यमंत्री बने रहने की कोई गारंटी नहीं है।

बिहार के मुंगेर कोतवाली के पीछे शर्मा जी की चाय दुकान पर बहस में यह समझाने की कोशिश की जा रही है कि चुनाव के बाद भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाएगी।

एक मित्र दूसरे मित्र को जोर देकर कहते हैं, बस इंतजार कीजिए और देखिए। भाजपा निश्चित रूप से जदयू से ज्यादा सीटें जीतेगी और मुख्यमंत्री की गद्दी पर कब्जा करेगी। नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे।

गृह मंत्री की टिप्पणी को नीतीश कुमार के दो दशक लंबे शासनकाल के अंत के संकेत के रूप में व्यापक रूप से देखा जा रहा है, अमित शाह की टिप्पणी ने अनजाने में ही जेडीयू नेता की राजनीतिक स्थिति को मजबूत कर दिया है। हालांकि बाद में शाह ने अपना रुख नरम करने की कोशिश की–यह सुझाव देते हुए कि एनडीए नीतीश के नेतृत्व में जारी रह सकता है–लेकिन अटकलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक समय लुप्त होती ताकत के रूप में खारिज किए जा चुके नीतीश ने अपनी प्रासंगिकता फिर से स्थापित कर ली है और इस चुनावी मौसम में खुद को एक बार फिर बिहार के राजनीतिक विमर्श के केंद्र में स्थापित कर लिया है। पटना के भीड़-भाड़ वाले बाजारों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक, मतदाताओं का मूड बताता है कि अपने स्वास्थ्य और मनःस्थिति पर सवालों के बावजूद, नीतीश एनडीए के चुनावी गणित के लिए अपरिहार्य बने हुए हैं।

पलटू राम और पलटू चाचा जैसे उपहासपूर्ण विशेषण – नीतीश के लगातार बदलते राजनीतिक उलटफेरों को दर्शाते हुए–2020 के विधानसभा चुनावों में छाए रहे, अब काफी हद तक फीके पड़ गए हैं। राजद के मूल जनाधार वाले यादवों और मुसलमानों को छोड़कर, आज बहुत कम मतदाता इन व्यंग्यों का इस्तेमाल करते हैं।

विडंबना यह है कि 74 वर्षीय नेता ने खुद पांच साल पहले घोषित अपनी विदाई को दरकिनार कर दिया है और चुनाव प्रचार में वापस आ गए हैं, रोजाना कई रैलियों को संबोधित कर रहे हैं, हालांकि वह अपना लिखा हुआ भाषण ही पढ़ते हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान, प्रचार के आखिरी दिन, उन्होंने पूर्णिया के धमदाहा विधानसभा क्षेत्र में एक रैली में घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी चुनावी मुकाबला होगा।

आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है और परसों चुनाव है। यह मेरा आखिरी चुनाव है। अंत भला तो सब भला, उन्होंने 5 नवंबर, 2020 को कहा था नीतीश को दरकिनार किए जाने की चर्चा ने ही गैर-यादव पिछड़ी जातियों के एक बड़े वर्ग को, जो उनका सबसे वफादार मतदाता वर्ग है, उत्साहित कर दिया है। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सरकारी स्कूलों में शिक्षा की खराब गुणवत्ता को लेकर व्यापक शिकायतों के बावजूद, उनमें से कई लोग किसी विकल्प पर भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। वे नीतीश को सड़कें बनवाने, अपेक्षाकृत शांति सुनिश्चित करने और बिहार को उसके अराजकता भरे अतीत से बाहर निकालने का श्रेय देते हैं। गंगा के उस पार राघोपुर में–जो उनके प्रतिद्वंद्वी तेजस्वी यादव का गढ़ है–अति पिछड़ी जाति के किसान हरलाल चंद्रवंशी, मुख्यमंत्री के मानसिक पतन की अटकलों को विरोधियों का प्रचार कहकर खारिज करते हैं। वे उन वायरल क्लिप्स को नजरअंदाज कर देते हैं जिनमें नीतीश नरेंद्र मोदी को अटल बिहारी वाजपेयी समझ रहे हैं या किसी अधिकारी के सिर पर गमला रख रहे हैं।

विरोधी तो प्रचार करेगा ना । नीतीश जी पूरे फिट हैं , वे जवाब देते हैं, जिससे रुस्तमपुर में उनके यादव साथी गांव वालों की भौंहें तन जाती हैं। यहाँ के यादव बिहार के अगली पीढ़ी के नेता के रूप में युवा तेजस्वी का पूरे जोश से समर्थन करते हैं। लेकिन हरलाल अड़े रहते हैं: बिहार में जेडीयू के बिना कोई सरकार नहीं बन सकती।

राजद नेता और विपक्षी महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी ने भी अनजाने में जदयू के पारंपरिक समर्थकों में बेचैनी पैदा कर दी है। उन्होंने शाह के बयान का बार-बार जिक्र करके भाजपा पर उनके चाचा नीतीश को दरकिनार करने की साजिश रचने का आरोप लगाया, जिससे मुख्यमंत्री के प्रति सहानुभूति पैदा हुई। विपक्ष के चुनावी चेहरे तेजस्वी लगभग हर रैली में भीड़ से कहते रहे हैं, यह नीतीश जी का आखिरी चुनाव है। अमित शाह खुद कह चुके हैं कि उन्हें दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। 1994 में लालू प्रसाद से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले नीतीश को कभी भी अपने दम पर बहुमत नहीं मिला। फिर भी, 2005 में राजद विरोधी लहर पर सवार होकर सत्ता में आने के बाद से, उन्होंने यह सुनिश्चित कर लिया है कि बिहार में उनके बिना कोई भी सरकार नहीं बन सकती। शुरुआत में अपने ओबीसी कुर्मी समुदाय के बमुश्किल 3 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता के रूप में देखे जाने वाले नीतीश ने व्यापक ओबीसी और दलित वोट बैंक को विभाजित करने के लिए चतुराईपूर्ण सोशल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल किया और लगभग 12-15 प्रतिशत का एक विश्वसनीय आधार तैयार किया। उन्होंने इस मूल समर्थन का इस्तेमाल अपनी इच्छानुसार गठबंधन बदलने और बदलते गठबंधनों के बावजूद मुख्यमंत्री की कुर्सी बरकरार रखने के लिए किया है।

2020 के विधानसभा चुनावों में, उनकी पार्टी जेडीयू लगभग पूरी तरह से हार गई थी, 243 में से केवल 43 सीटें जीत पाई, जबकि भाजपा 74 सीटों पर पहुँच गई। फिर भी, इस डर से कि नीतीश राजद में शामिल हो सकते हैं–जो 75 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी–भाजपा उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बनाए रखने पर सहमत हो गई। यह डर तब जायज साबित हुआ जब 2022 में, नीतीश ने भाजपा से नाता तोड़कर राजद के साथ गठबंधन कर लिया और भगवा पार्टी पर अपने संगठन को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

33 वर्षों बाद अमेरिका के परमाणु परीक्षण आदेश से कांपा विश्व- क्या शुरू होगी नई न्यूक्लियर रेस?

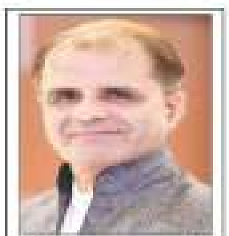

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तर पर दुनियाँ के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा जिस मुद्दे पर हो रही है,वह है अमेरिका का 33 वर्षों के बाद पुनः परमाणु परीक्षण शुरू करने का आदेश। जिस देश ने दशकों तक पूरी दुनियाँ को परमाणु हथियारों से दूर रहने की नसीहत दी,आज वही देश फिर से न्यूक्लियर बमों की गूंज सुनना चाहता है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी सेना को परमाणु परीक्षण तुरंत शुरू करने का आदेश देने के बाद वैश्विक समुदाय में एक प्रकार की हलचल मच गई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूंकि रूस से लेकर चीन,उत्तर कोरिया से लेकर ईरानतक हर देश की निगाह अब वॉशिंगटन की ओर है। सवाल यह है कि क्या यह कदम दुनियाँ को एक बार फिर से 'न्यूक्लियर रेस' में धकेल देगा? दुनियाँ यह देख रही है कि अमेरिका का दोहरा मापदंड दूसरों को रोको, खुद करो नीति का परिणाम क्या निकलेगा, अमेरिका दशकों से वैश्विक राजनीति में 'न्यूक्लियर नैतिकता' का सारथी बनकर बैठा रहा है। उसने हमेशा अन्य देशों पर परमाणु हथियार न बनाने का दबाव बनाया। चाहे वह ईरान हो, उत्तर कोरिया हो या कभी भारत,अमेरिकी नीतियों ने हमेशा यह कहा कि परमाणु हथियार मानवता के लिए खतरा हैं।लेकिन अब वही अमेरिका,जो खुद को ग्लोबल पीस कीपर कहता है, नए परीक्षणों के आदेश जारी कर चुका है। यह कदम न केवल उसकी विदेश नीति की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि उसके डबल स्टैंडर्ड की अंदरूनी नीति भी ओपन करता है।अमेरिका की यह नीति इतिहास में कई बार देखी जा चुकी है,जब वह अंतरराष्ट्रीय संधियों से खुद को अलग कर लेता है और दूसरों पर उसका पालन थोपताहै, उदाहरण के लिए, ट्रंप प्रशासन ने 2018 में ईरान न्यूक्लियर डील से बाहर निकलकर वैश्विक स्थिरता को बड़ा झटका दिया था। आज 2025 में, वही नीति एक नए रूप में फिर लौट आई है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेइस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,33 वर्षों बाद अमेरिका के परमाणु परीक्षण आदेश से कांपा विश्व-क्या शुरू होगी नई न्यूक्लियर रेस?

साथियों बात अगर हम 33 वर्षों के बाद क्यों? ट्रंप की सामरिक रणनीति के संकेत को समझने की करें तो,यह सवाल सबसे अहम है कि आखिर अमेरिका ने अब ऐसा कदम क्यों उठाया? आखिरी बार अमेरिका ने 1992 में नेवाडा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया था। उसके बाद उसने अंतरराष्ट्रीय दबाव और कंप्रेहेंसिव न्यूक्लियर टेस्ट बैन ट्रीटी के तहत परीक्षण रोक दिए थे। लेकिन अब ट्रंप का यह आदेश बताता है कि वाशिंगटन का इरादा वैश्विक सैन्य वर्चस्व को दोबारा स्थापित करने का है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों और रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, चीन और रूस की तेजी से बढ़ती परमाणु क्षमता ने ट्रंप प्रशासन को यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। रूस ने अपने हाइपरसोनिक न्यूक्लियर मिसाइल 'एवांगार्ड' और 'सरमाट' की घोषणा कर दी है, जबकि चीन भी 'डोंगफेंग-41' जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है। ट्रंप शायद यह दिखाना चाहते हैं कि अमेरिका अब भी 'मिलिट्री टेक्नोलॉजी' में सर्वश्रेष्ठ है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक प्रतिक्रिया,रूस का जवाब और दुनिया की चिंता को समझने की करें तो,जैसे ही अमेरिका के परमाणु परीक्षण के आदेश की खबर फैली, सबसे पहले रूस ने इसका कड़ा जवाब दिया। रूसी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि यदि अमेरिका परीक्षण शुरू करता है,तो रूस भी तुरंत जवाबी परमाणु परीक्षण करेगा। यह बयान सीधे संकेत देता है कि दुनियाँ फिर से कूल्ड वॉर जैसे दौर की ओर बढ़ सकती है।रूस की इस प्रतिक्रिया के बाद चीन ने भी अपनी सैन्य प्रयोगशालाओं में सुरक्षा और क्षमता वृद्धि के नाम पर तैयारी शुरू कर दी है। वहीं, यूरोप के देशों,विशेषकर फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन ने संयुक्त बयान? जारी कर कहा कि यह फैसला वैश्विक स्थिरता के लिए घातक साबित हो सकता है।संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि '33 वर्षों की शांति को तोड़ने वाला यह कदम, दुनियाँ को एक और हथियारों की दौड़ में झोंक सकता है।'

साथियों बात अगर हमन्यूक्लियर रेस,क्या इतिहास खुद को दोहरा रहा है? को समझने की करें तो,यदि हम इतिहास पर नजर डालें तो यह समझना कठिन नहीं कि हर बार जब किसी शक्ति ने अपने हथियारों की ताकत दिखाने की कोशिश की है, तो उसका परिणाम वैश्विक अस्थिरता के रूप में सामने आया है।1945 में हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका द्वारा किए गए दो बम विस्फोटों ने मानव सभ्यता की दिशा ही बदल दी थी। उसके बाद 1945 से अब तक लगभग 2,000 से अधिक परमाणु परीक्षण दुनिया भर में किए गए हैं।इनमें से आधे से अधिक परीक्षण अमेरिकाने अकेले किए,आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका ने करीब 1,030 परमाणु परीक्षण, रूस (पूर्व सोवियत संघ) ने 715, फ्रांस ने 210, चीन ने 45, ब्रिटेन ने 45, भारत ने 6, पाकिस्तान ने 6, और उत्तर कोरिया ने 6 परीक्षण किए हैं। यह सूची बताती है कि परमाणु शक्ति केवल रक्षा का माध्यम नहीं रही, बल्कि यह देशों के राजनीतिक दबाव और वैश्विक पहचान का उपकरण बन चुकी है।

साथियों बात अगर हम भारत की स्थिति,संयमित शक्ति, जिम्मेदार नीति को समझने की करें तो, भारत का नाम जब भी परमाणु शक्ति वाले देशों में लिया जाता है, तो एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में लिया जाता है। भारत ने कभी भी 'पहले इस्तेमाल' की नीति नहीं अपनाई। उसने केवल 'नो फर्स्ट यूज पॉलिसी' के सिद्धांत पर चलते हुए कहा कि परमाणु हथियार केवल 'रक्षा' के लिए हैं, 'आक्रमण' के लिए नहीं। भारत ने अब तक केवल दो बार परमाणु परीक्षण किए(1)1974 में स्माइलिंग बुद्धा नाम से, जब इंदिरा गांधी सरकार ने दुनियाँ को भारत की क्षमता दिखाई (2) 1998 में 'पोखरण-II' परीक्षण, जब भारत ने आधिकारिक रूप से खुद को परमाणु शक्ति घोषित किया। इसके बाद भारत ने किसी भी प्रकार का नया परीक्षण नहीं किया है।बल्कि, उसने सीटीबीटी पर हस्ताक्षर न करने के बावजूद उसका 'स्वैच्छिक पालन' जारी रखा है। 2017 के बाद से, जब उत्तर कोरिया ने अपना आखिरी परीक्षण किया था, तब से लेकर अब तक किसी देश ने कोई नया परमाणु परीक्षण नहीं किया। इस दृष्टि से भारत की नीति अत्यंत संतुलित मानी जाती है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय समझौते और उनका भविष्य को समझने की करें तो,अमेरिका का यह कदम न केवल अंतरराष्ट्रीय राजनीति की झकझोरता है, बल्कि दशकों से चले आ रहे परमाणु निरस्त्रीकरण समझौतों पर भी प्रश्नचिह्न लगा देता है। (1)कंप्रेहेंसिव नुक्लियर टेस्ट बैन ट्रिटी (सीटीबीटी)-यह संधि 1996 में तैयार हुई थी, जिसका उद्देश्य विश्व में सभी प्रकार के परमाणु परीक्षणों को रोकना था। अमेरिका ने इसे साइन तो किया, लेकिन कभी रैटिफाई नहीं किया।(2)नॉन - प्रॉलीफिरेशन ट्रिटी (एनपीटी) - 1970 में लागू हुई इस संधि के तहत देशों को परमाणु हथियार न फैलाने की जिम्मेदारी दी गई। अमेरिका इसका बड़ा समर्थक रहा है, पर अब वही नियम तोड़ रहा है।(3)स्टार्ट (स्ट्रेटेजिकआर्म्स रिडक्शन ट्रिटी)- अमेरिका और रूस के बीच हुआ यह समझौता हथियारों की संख्या घटाने के लिए था, लेकिन अब दोनों ही देश इस संधि को लगभग निष्क्रिय बना चुके हैं, अमेरिका का ताजा फैसला इन संधियों के लिए 'मौत की घंटी' साबित हो सकता है।

साथियों बात अगर हम विश्व के लिए संभावित खतरे, शांति से युद्ध की ओर? को समझने की करें तो,अगर अमेरिका ने वाकई में अपने परमाणु परीक्षण फिर शुरू

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

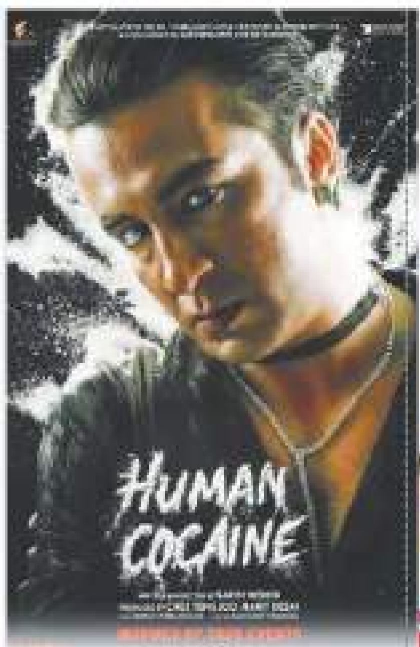

साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म ह्यूमन कोकेन में नजर आएंगे सिद्धांत कपूर

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर जहां इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस मे शुमार हैं। मैडॉक की स्त्री और स्त्री 2 जैसी फिल्मों ने उनके करियर को बुलंदी पर पहुंचाया है। वहीं, तुलनात्मक रूप से उनके भाई सिद्धांत कपूर का करियर काफी पीछे है। यूं तो इंडस्ट्री में उन्हें 12 साल गुजर गए, मगर पूरे करियर मे वे सिर्फ एक हिट फिल्म का हिस्सा बन पाए हैं। इन दिनों सिद्धांत अपनी आगामी फिल्म को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। सिद्धांत कपूर की आगामी फिल्म का नाम है, ह्यूमन कोकेन। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। सिद्धांत के अलावा फिल्म में इशिता राज, जाकिर हुसैन, पुष्कर जोग और ब्रिटिश एक्टर्स नजर आएंगे। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें स्टारकास्ट के लुक शेयर किए हैं। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट बताई है। ह्यूमन कोकेन 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म में सिद्धांत कपूर का लुक देखने लायक है। सिद्धांत कपूर बॉलीवुड फिल्मों में खूंखार विलेन का किरदार अदा करने वाले शक्ति कपूर और शिवांगी कोल्हापुरी के बेटे हैं। श्रद्धा कपूर उनकी बहन हैं। सिद्धांत कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। हालांकि, उन्होंने इंडस्ट्री मे करियर की शुरुआत असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की थी। सिद्धांत कपूर ने फिल्मों में करियर की शुरुआत असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की थी। उन्होंने ली स्ट्रेसबर्ग थिएटर एन्ड फिल्म इंस्टीट्यूट से फिल्ममेकिंग और एक्टिंग का कोर्स किया। इसके बाद एक डिस्क जॉकी के रूप में शुरुआत की। सिद्धांत ने करीब दो साल तक प्रियदर्शन के साथ कई फिल्मों मे बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। इनमें चुप चुपके, भूल भुलैया, भागम भाग, और ढोल जैसी फिल्में शामिल हैं।

2013 में शुरू किया अभिनय

सिद्धांत कपूर के अभिनय करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2013 में पहली बार फिल्म शूटआउट एट वडाला मे अभिनय किया। इसमें जॉन अब्राहम लीड रोल मे थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही थी। इसके बाद सिद्धांत ने अगली मे असिस्ट भी किया और एक छोटे से रोल मे भी नजर आए। सिद्धांत जज्बा, हसीना पारकर, पलटन, हैलो चार्ली भूत-पार्ट 1 और चेहरे शामिल हैं। सिद्धांत वेब सीरीज भौकाल मे भी नजर आ चुके हैं। उनका किरदार नेगेटिव था। इस साल सिद्धांत की नेटफ्लिक्स की सीरीज मंडला मर्डर्स मे देखा गया था। इसके अलावा बहुत ही कम लोग जानते होंगे कि सिद्धांत ने 1997 मे आई सलमान खान की फिल्म जुड़वा मे भी अभिनय किया था। वह रंगीला के रूप में नजर आए थे।

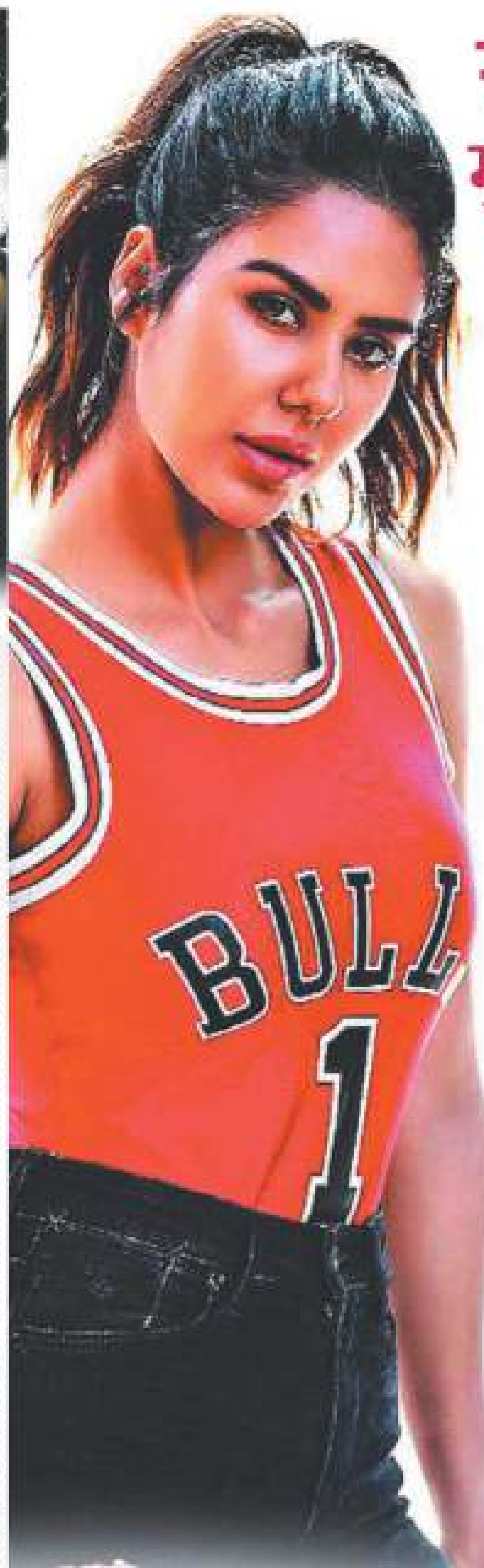

सोनम ने बताया कितना मुश्किल था फिल्म एक दीवाने की दीवानियत का किरदार?

फिल्म एक दीवाने की दीवानियत मे हर्षवर्धन राणे एक जुनूनी प्रेमी बने हैं। सोनम का रोल भी एकदम हटकर है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म और अपने किरदार को लेकर सोनम ने कई दिलचस्प बातें साझा की।

आपको हर्षवर्धन के साथ मूवी करके कैसा लगा?

बहुत अच्छा लगा। बहुत कुछ सीखने को मिला मुझे। जब भी आपको इतने अच्छे एक्टर के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो शानदार अनुभव रहता है। मैं बहुत ब्लेस्ड हूं। वह अपने काम को लेकर बहुत गंभीर हैं। ऐसे लोगों के साथ आप जब काम करते हैं तो आपकी फिल्म भी अच्छी बनती है और आपको काम करके भी मजा आता है। मेरा एक्सपीरियंस अच्छा रहा।

आपने इस फिल्म में इतना चैलेंजिंग रोल अदा किया है। कितना मुश्किल लगा?

मुश्किल से ज्यादा मैंने बहुत एंजॉय किया। एंजॉय इसलिए, क्योंकि मेरे पास ऐसा मौका आया, जिसका मैं इंतजार लंबे वक्त से कर रही थी। मुझे अभी भी लगता है कि जितना इमोशनल रोल मैं कर सकती हूं बतौर कलाकार, वह मौका अब भी नहीं मिला। मगर, जितना भी मौका मिला, मैंने किया। मुझे बहुत मजा आया। मुझे चैलेंजिंग रोल करके मजा आता है।

आप बहुत अच्छे से हिंदी बोल लेती हैं, क्योंकि फिल्म में बोली है। तो क्या शुरू से इतनी अच्छी हिंदी रही है?

मेरा जन्म उत्तराखंड में हुआ है। मेरी परवरिश यूपी में हुई है। मैं एक सिख परिवार मे पली-बढ़ी हूं तो मुझे पंजाबी भी लिखनी, पढ़नी बोलनी सब आती है। हिंदी मैंने ऐसा कभी सोचा नहीं कि मेरी बहुत अच्छी है कि क्या है? मैं रोजमर्रा में हिंदी में बात करती हूं। ये मुझे लेकर परसेप्शन है कि मैं पंजाबी फिल्मों मैं काम करती हूं तो मेरी हिंदी ठीक नहीं है।

सामने आई अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर अभिनीत डकैत की रिलीज डेट

अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर अभिनित फिल्म डकैत की नई रिलीज डेट तय हो गई है। पहले यह फिल्म दिसंबर 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन शेष की चोट के कारण इसकी नई रिलीज डेट जारी की गई है।

मृणाल ठाकुर ने शेयर किया पोस्ट

मृणाल ने अपनी आगामी फिल्म डकैत का एक नया पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया और साथ ही फिल्म की नई रिलीज डेट से पर्दा उठाते हुए कैप्शन में लिखा, डकैत के साथ धमाकेदार ड्रामा का अनुभव करें। 19 मार्च, 2026 को हिंदी और तेलुगु में दुनिया भर में भव्य रिलीज।

डकैत और लव एंड वॉर में होगा मुकाबला

टीम ने आज आधिकारिक तौर पर इंस्टाग्राम पर डकैत की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। डकैत 19 मार्च, 2026 को, उगादि और ईद के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कथित तौर पर यह संजय लीला भंसाली की रोमांटिक ड्रामा फिल्म लव एंड वॉर के आस पास रिलीज होगी, जिसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल मुख्य भूमिका मे हैं। लव एंड वॉर 20 मार्च, 2026 को रिलीज हो रही है।

डकैत के बारे में

फिल्म डकैत एक प्रेम कहानी है। शेष और मृणाल के अलावा फिल्म में अनुराग कश्यप की अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन शनील देव ने किया है। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु मे रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी और पटकथा अदिवी शेष और शनील देव ने मिलकर लिखी है। इस रोमांटिक एक्शन थ्रिलर में प्रकाश राज, सुनील, अतुल कुलकर्णी और जैन मैरी खान भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

डॉन पलथारा की अगली फिल्म में दिलीश पोथन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी पार्वती थिरुवोथु

नेशनल अवॉर्ड विजेता पार्वती थिरुवोथु अब डॉन पलथारा की अगली फिल्म की हीरोइन बनने जा रही हैं. इस फिल्म में उनके साथ होंगे मलयालम सिनेमा के चर्चित फिल्ममेकर-एक्टर दिलीश पोथन. दो जबरदस्त दिमाग और एक कमाल की परफॉर्मर — ऐसा तिकड़ी इकट्ठा हो रहा है जो मलयालम सिनेमा में कुछ नया बातचीत शुरू करा सकता है. पार्वती थिरुवोथु ने इंस्टाग्राम पर लिखा — डॉन पलथारा की बनाई दुनिया में कदम रख रही हूं, वह भी दिलीश पोथन के साथ. बेसब्र हूं. पहली बार पार्वती, डॉन और दिलीश साथ काम कर रहे हैं. डॉन पलथारा का सिनेमा अपने अंदर छुपी कोमल परतों, रिश्तों की तहों और चुपचाप बोल देने वाले इमोशन्स के लिए जाना जाता है — जो पार्वती थिरुवोथु की बारीक और संवेदनशील एक्टिंग से एकदम मैच बैठता है. वहीं दिलीश पोथन खुद एक दमदार निर्देशक और बेहद नपे-तुले मगर असरदार अभिनेता माने जाते हैं. कहानी अभी राज में है, पर कहा जा रहा है कि यह इमोशन से भरी ड्रामा फिल्म होगी.

स्पिरिट में हुई कोरियन एक्टर डॉन ली की एंट्री

साउथ इंडियन सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म स्पिरिट मे अब एक रोमांचक मोड़ आया है। इस फिल्म से अब एक कोरियन एक्शन एक्टर जुड़ गए हैं।

डॉन ली का फिल्म में स्वागत बुधवार को मेकर्स ने ऐलान किया कि ट्रेन टू बुसान और इटर्नल्स के लिए मशहूर एक्टर डॉन ली ने संदीप वांगा रेड्डी की एक्शन फिल्म स्पिरिट साइन कर ली है। मेकर्स ने उनका स्वागत करते हुए एक पोस्टर जारी किया। वहीं फैंस ने कमेंट्स में इस अंतरराष्ट्रीय जोड़ी पर खुशी जताई है। फिल्म स्पिरिट को संदीप रेड्डी वांगा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो कबीर सिंह और एनिमल जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं। इस महीने प्रभास के जन्मदिन पर पांच भाषाओं- तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में फिल्म स्पिरिट का साउंड स्टोरी टीजर जारी हुआ था। इस फिल्म मे प्रभास और डॉन ली के अलावा विवेक ओबेरॉय और प्रकाश राज भी अहम किरदार में नजर आएंगे। कथित तौर पर पहले दीपिका पादुकोण लीड रोल में थीं, लेकिन शेड्यूल की समस्या से उन्होंने फिल्म छोड़ दी। अब यह रोल तृप्ति डिमरी को मिला है। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। यह भूषण कुमार और संदीप की भद्रकाली पिक्चर्स का प्रोजेक्ट है।

बैटल ऑफ गलवां में सलमान के साथ नजर आएंगे गोविंदा

बॉलीवुड के 'पार्टनर' यानी सलमान खान और गोविंदा की जोड़ी अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आ सकती है। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' को लेकर चर्चाओं में हैं। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ गोविंदा भी नजर आएंगे। यानी लगभग 18 साल बाद दोनों अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आएंगे। बिग बॉस 19 के हालिया एपिसोड में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा शो में बतौर मेहमान शामिल हुईं। सलमान और सुनीता ने गोविंदा के साथ उनके फिर से साथ आने पर चर्चा की, जो अब फैंस के बीच वायरल है। दरअसल, सलमान ने इस दौरान ये कहा कि अब वो और गोविंदा एक साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, सलमान ने इस प्रोजेक्ट के नाम का खुलासा नहीं किया, लेकिन ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि गोविंदा वॉर ड्रामा 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान के साथ अभिनय करेंगे।

इन चर्चाओं के बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया कि गोविंदा ने 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग भी शुरू कर दी है। 'बैटल ऑफ गलवां' अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित है। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ा गया था। सलमान के अलावा फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

रजनीकांत सिनेमा से लेंगे संन्यास? कमल हासन संग काम के बाद होंगे रिटायर

भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत एक ओर जहां 75 साल की उम्र में भी लगातार फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं, वहीं बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच उनके रिटायरमेंट की चर्चा शुरू हो गई है। जी हां, तमिल मीडिया में यह चौंकाने और दिल तोड़ने वाली खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं कि थलाइवा अगले कुछ साल में फिल्मों से रिटायर हो सकते हैं। रजनीकांत फिलहाल नेल्सन के डायरेक्शन में बन रही जेलर 2 की शूटिंग कर रहे हैं, जो अगले साल रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि रजनीकांत बढ़ती उम्र के साथ आने वाली स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से घिरे हुए हैं। हालांकि, बावजूद इसके वह लगातार अपनी फिल्मों के कारण यात्रा भी कर रहे हैं। फिलहाल उनकी झोली में 4 अपकमिंग फिल्में हैं, जिनमें से एक फिल्म दिग्गज एक्टर कमल हासन के साथ है। बताया जाता है इस मल्टीस्टारर फिल्म के बाद रजनी सर सिनेमा से संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं।

रजनीकांत की झोली में कम से कम 4 फिल्में

बीते दिनों आई कुली के बाद रजनीकांत इन दिनों जहां जेलर 2 में बिजी हैं, वहीं इसके बाद वह RKFI के साथ एक और फिल्म करेंगे, जिसका निर्देशन सुंदर सी कर रहे हैं। इसकी घोषणा कुछ हफ्तों में होने की उम्मीद है। इसके अलावा वह निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ भी एक फिल्म कर रहे हैं, जिसकी टाइमलाइन अभी नहीं आई है। फिलहाल, रजनीकांत के पास कम से कम 4 फिल्में पाइपलाइन में हैं।

बीते दिनों, कमल हासन और रजनीकांत दोनों ने इस बड़े प्रोजेक्ट की पुष्टि खुद की थी। हालांकि, अभी यह तय नहीं हुआ है कि इस फिल्म को कौन डायरेक्ट करेगा। खबरों में नेल्सन दिलीपकुमार का भी नाम है। कहा जा रहा है कि नेल्सन 2027 में इस फिल्म को फ्लोर पर लाने की योजना बना रहे हैं। लेकिन उससे पहले स्क्रिप्ट फाइनल किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का निर्माण कमल हासन की राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल द्वारा किया जाएगा। वलाईपेचु की रिपोर्ट के मुताबिक, यह थलाइवा रजनीकांत की आखिरी फिल्म होगी।

रजनीकांत और कमल हासन करीब 4 दशक बाद साथ करेंगे काम

रजनीकांत और कमल हासन ने 1970 और 1980 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें अपूर्व रागंगल (1975) और 16 वैयाथिनिले (1977) जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। पिछली बार वह करीब 4 दशक पहले पर्दे पर साथ दिखे थे।

भारत सरकार ने रजनीकांत को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए 2000 में पद्म भूषण और 2016 में पद्म विभूषण, और 2019 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्हें एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, सात तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार, एक नंदी पुरस्कार, एक फिल्मफेयर पुरस्कार और दो महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं। रजनीकांत का असली नाम शिवाजी राव गायकवाड है। उन्होंने 1975 में अपूर्व रागंगल फिल्म से डेब्यू किया था। कुली उनके करियर की 171वीं फिल्म थी।

शानदार प्रदर्शन के बाद दिल्ली पहुंचेगी चैंपियन टीम इंडिया, पीएम मोदी से होगी भेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला विश्व कप 2025 का समापन भारतीय महिलाओं द्वारा अपने पहले खिताब जीतने के साथ हुआ। 2 नवंबर को डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में हुए टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की महिलाओं को हराकर भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम के इतिहास रचने पर पूरा देश खुशी से झूम उठा। इस जीत के साथ ही, अब टीम के नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय टीम 4 या 5 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के लिए दिल्ली जाएगी।

विश्व कप फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 298 रन बनाए। इसके बाद टीम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 246 रनों पर रोक दिया और 52 रनों से मैच जीतकर अपना पहला महिला विश्व कप खिताब जीता। भारत की जीत सुनिश्चित होने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विटर पर महिला टीम को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने यह भी बताया कि यह जीत आने वाली पीढ़ी को खेलों में शामिल होने के लिए कैसे प्रेरित करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, 'आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के फाइनल में भारतीय टीम की शानदार जीत। फाइनल में उनका प्रदर्शन अद्भुत कौशल और आत्मविश्वास से भरा था। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण टीम वर्क और दृढ़ता दिखाई। हमारी खिलाड़ियों को बधाई। यह ऐतिहासिक जीत भविष्य की चैंपियन टीमों को खेलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी।' अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद, टीम देर रात तक जश्न मनाती रही। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने खिलाड़ियों के अपने परिवारों के साथ जश्न मनाते हुए कई वीडियो और तस्वीरें साझा कीं, जिनमें अंजुम चोपड़ा, झूलन गोस्वामी और मिताली राज जैसी पूर्व खिलाड़ी भी शामिल हुईं।

सिनर ने जीता पेरिस मास्टर्स, अल्काराज़ से छीनी विश्व नंबर-1 की कुर्सी

पेरिस (एजेंसी)। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस मास्टर्स 2025 का खिताब अपने नाम किया और साथ ही विश्व नंबर-1 रैंकिंग पर दोबारा कब्जा जमा लिया। फाइनल में उन्होंने कनाडा के फेलिक्स ओगर-अलियासिम को सीधे सेटों में 6-4, 7-6(4) से हराया। 24 वर्षीय सिनर के लिए, यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक रही। उन्होंने न केवल अपना पहला पेरिस मास्टर्स खिताब जीता बल्कि बिना एक भी सेट गंवाए टूर्नामेंट जीतने वाले इतिहास के चौथे खिलाड़ी बने। यह सिनर का इस वर्ष का पांचवां खिताब है और उन्होंने लगातार 26वीं इनडोर हार्डकोर्ट जीत दर्ज की। फाइनल के बाद सिनर ने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल है। हमने पिछले कुछ महीनों में लगातार मेहनत की है और अब उसका नतीजा देखना बेहद संतोषजनक है।'

वहीं, ओगर-अलियासिम के लिए यह हार निराशाजनक रही। उन्हें टूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स में जगह बनाने के लिए यह खिताब जीतना जरूरी था, लेकिन वे मौका गंवा बैठे। इस जीत के साथ सिनर ने स्पेन के कार्लोस अल्काराज को पीछे छोड़ते हुए एक बार फिर टेनिस जगत की शीर्ष रैंकिंग हासिल कर ली है।

महिला टीम पर हुई पैसे की बारिश, बीसीसीआई ने आईसीसी से अधिक इनाम घोषित किया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्वकप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए अपना खजाना खोल दिया है। बीसीसीआई ने विजेता भारतीय टीम के लिए जो इनामी राशि घोषित की है वह आईसीसी की इनामी राशि से भी अधिक है।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर खिताबी जीत दर्ज की है। आईसीसी ने इसके बाद भारतीय टीम को 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर करीब 39.78 करोड़ रुपए की इनामी राशि दी है। वहीं बीसीसीआई अध्यक्ष देवजीत सैकिया ने टीम को 51 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की है।

सैकिया ने कहा, साल 1983 में कप्तान कपिल देव ने भारतीय टीम को विश्वकप में जीत दिलाकर क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत की थी। अब महिलाओं ने भी वही किया है। हरमनप्रीत और उनकी टीम ने आज न केवल ट्रॉफी जीती है, बल्कि उन्होंने सभी भारतीयों का दिल भी जीता है। इससे महिला क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी के लिए एक अच्छी राह बनी है। टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने के दौरान ही महिला क्रिकेट अपने स्तर पर पहुंच गया था। वहीं खिताबी जीत से यह शीर्ष पर पहुंच गया है। इससे उभरती हुई क्रिकेटरों को प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने साथ ही कहा, जय शाह के बीसीसीआई अध्यक्ष रहने के दौरान महिला क्रिकेट में कई बदलाव लाए, जिसके परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने वेतन समानता पर भी ध्यान दिया था। इसके बाद आईसीसी अध्यक्ष बनने के बाद शाह ने महिलाओं की पुरस्कार राशि 300 फीसदी बढ़ा दी। पहले पुरस्कार राशि 2.88 मिलियन डॉलर थी, और अब इसे बढ़ाकर 14 मिलियन डॉलर कर दिया गया है। इन सभी कदमों से महिला क्रिकेट को काफी बढ़ावा मिला है।

आईपीएल 2026: एसआरएच का बड़ा फैसला, रणजी में फॉर्म में लौटे गेंदबाज को रिलीज नहीं करेगी टीम

हैदराबाद (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद सनराइजर्स हैदराबाद अपने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को रिलीज या किसी अन्य फ्रेंचाइजी को ट्रेड करने के पक्ष में नहीं है। शमी, जिन्होंने पिछले आईपीएल सीजन में महज छह विकेट लिए थे, इस समय रणजी ट्रॉफी 2025-26 में लाजवाब फॉर्म में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शमी के लिए, कुछ टीमों ने ट्रेड ऑफर दिए थे, लेकिन SRH ने सभी प्रस्ताव ठुकरा दिए। टीम प्रबंधन का मानना है कि 35 वर्षीय शमी ने फिटनेस और लय दोनों वापस पा ली है। उन्होंने गुजरात के खिलाफ शानदार पांच विकेट झटके और बंगाल के ओपनिंग मैच में सात विकेट लेकर चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

सूत्रों के अनुसार, अब, चयनकर्ता आरपी सिंह ने भी शमी से उनकी वापसी को लेकर चर्चा की। माना जा रहा है कि अगर प्रदर्शन जारी रहा, तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शामिल किया जा सकता है। इस बीच, खबरें यह भी हैं कि SRH ईशान किशन को रिलीज कर सकती है, जिनके लिए मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स दिलचस्पी दिखा रही हैं।

दिग्गज क्रिकेटरों के साथ ही एमसीए ने दी हरमनप्रीत सहित भारतीय महिला टीम को बधाई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत पर दिग्गज क्रिकेटरों वेंकटेश प्रसाद, ईशांत शर्मा, सुरेश रैना, एबी डिविलियर्स के साथ ही मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने टीम को बधाई दी है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया में लिखा, कप्तान हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम को ऐतिहासिक विश्व कप जीत पर ढेर सारी बधाई! आपके कौशल, दृढ़ संकल्प और जज्बे ने एक पीढ़ी को प्रेरित किया है और देश को बेहद गौरवान्वित किया है।

वहीं पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने लिखा, विश्व चैंपियन! हमारी महिला भारतीय क्रिकेट टीम का

अविश्वसनीय प्रदर्शन, सच्चा टीम वर्क, दृढ़ता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन। हर खिलाड़ी ने पूरे जुनून से खेला और विश्व कप जीता। बहुत गर्व है।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने लिखा, टीम इंडिया को बधाई। दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम को भी फाइनल में पहुंचने पर गर्व होना चाहिए। महिला क्रिकेट दुनिया भर में तरक्की कर रहा है। यह टूर्नामेंट और फाइनल मैच दोनों काफी शानदार रहे। वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने लिखा, इतिहास रच दिया! हमारी महिला टीम ने अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कर लिया है। यह जीत आने वाली पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी। यह उनके जज्बे, हिम्मत और भरोसे की शानदार जीत है! आपने एक अरब लोगों के दिलों को गर्व से भर दिया है!

इसके अलावा पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने लिखा, इन खिलाड़ियों के सफर को मैंने करीब से देखा है, और मैं कह सकता हूं कि यह ऐतिहासिक जीत उनकी अच्छी तैयारी, लगातार कोशिश और अटूट इरादे का परिणाम है। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने हर मुश्किल का सामना शानदार अनुशासन, विश्वास और एकता के साथ किया। उनका सकारात्मक रवैया और समर्पण कभी कम नहीं हुआ। यह वर्ल्ड कप जीत दिखाती है कि जब सपना, मेहनत और भरोसा एक साथ मिलते हैं, तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

एमसीए ने सोशल मीडिया में पोस्ट किया, इतिहास रच दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला विश्व कप जीतने पर बधाई। आपके जुनून, दृढ़ता और शक्ति ने करोड़ों दिलों को गर्व से भर दिया है।

भारतीय तीरंदाज काफी प्रतिभाशाली : ब्रैडी एलिसन

नई दिल्ली । अमेरिका के शीर्ष तीरंदाज ब्रैडी एलिसन आजकल आयोजित तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) के लिए भारत आये हुए हैं। इसी दौरान ब्रैडी ने कहा कि भारत हमेशा ओलंपिक पदक की दौड़ में रहता है। उसके तीरंदाज काफी प्रतिभाशाली हैं। उन्होंने कहा, ''भारत के पास आज विश्व कप और अन्य चैंपियनशिप में ढेरों पदक हैं। अगर आप अपने सर्वश्रेष्ठ दो रिकर्व तीरंदाजों को मिश्रित टीम में उतारें, तो किसी भी टीम के लिए उन्हें हराना बहुत कठिन होगा। गौरतलब है कि तीरंदाजी को लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक में पहली बार कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा को शामिल किया जायेगा। उन्होंने कहा, ''भारतीय तीरंदाजों के पदक की संभावना सिर्फ कंपाउंड में नहीं बल्कि रिकर्व में भी काफी अधिक है। अभी कई भारतीय तीरंदाज काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही कहा कि ओलंपिक अभी तीन साल दूर है, पर भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।'' एलिसन ने कहा कि किसिक ली को नए रिकर्व मुख्य कोच के रूप में नियुक्त करने की भारतीय तीरंदाजी संघ की योजना एकदम सही है। उन्होंने कहा, ''वह दुनिया के सबसे अच्छे कोच में से एक हैं। उन्होंने जहां भी काम किया है वहां ओलंपिक पदक और विश्व चैंपियन दिए हैं। वह भारत के लिए लाभप्रद साबित होंगे।'' साथ ही कहा कि मैंने भी अपने करियर के शुरुआती दौर में कोच किसिक ली से प्रशिक्षण लिया था।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने बताया भारतीय महिला टीम की जीत का कारण

-भारत की किसी भी टीम को हराना कठिन

नई दिल्ली। इंग्लैंड की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत पर प्रशंसा करते हुए कि है पिछले कुछ समय से वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही थी। हुसैन ने कहा कि उसके खिलाड़ी फार्म में थे और उसने आईसीसी खिताब जीतने का लक्ष्य हासिल कर ही लिया। हुसैन ने कहा है कि क्रिकेट की बात करें तो भारत की पुरुष टीम हो या महिला टीम उसे हराना बेहद कठिन होता है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूपीएल शुरु होने से भी भारतीय महिला क्रिकेटर बेहतर हुई हैं। हुसैन ने कहा, 'पिछले कुछ साल में भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। विश्वकप के दौरान उनकी टीम शानदार रही। टूर्नामेंट के बीच में उन्हें थोड़ी परेशानी हुई पर उन्होंने अच्छी शुरुआत की और अंत भी अच्छा किया।' साथ ही कहा, फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की तुलना में भारत की कई खिलाड़ी फॉर्म में थीं। अगर आप भारतीय लाइनअप पर नजर डालें, तो टूर्नामेंट के अंत तक कई खिलाड़ी अच्छी फॉर्म में थे। दूसरी ओर से दक्षिण अफ्रीकी टीम बल्लेबाजी में एक या दो खिलाड़ियों पर ज्यादा निर्भर रही है। इसीलिए उसे अतिरिक्त बल्लेबाज खिलाना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने भी अच्छा खेल दिखाया। उन्होंने भी बहुत अच्छा क्रिकेट खेला पर भारत क्रिकेट में बहुत अच्छा है, जैसा कि हमने दुनिया के इस हिस्से में देखा है, पुरुष हो या महिला टीम, किसी भी प्रारुप में, उन्हें हराना बहुत कठिन है भारतीय टीम ने पहले दो मैच टूर्नामेंट में जीते थे पर अगले तीन मैचों में टीम को हार मिली थी। हार की हैट्रिक के बाद भी टीम दबाव में नहीं आयी और उसने जीत के साथ वापसी करते हुए इतिहास रच दिया।

क्रिस गेल सहित कई पूर्व स्टार क्रिकेटरों के साथ हुआ स्कैम, श्रीनगर के होटल में फंसे

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर से नए क्रिकेट टैलेंट को खोजने के लिए एक बड़े इवेंट के तौर पर पेश की गई इंडियन हेवन प्रीमियर लीग (IHPL) एक स्कैम साबित हुई है। लीग के ऑर्गनाइजर भाग गए हैं जिससे क्रिस गेल जैसे कई पूर्व इंटरनेशनल स्टार क्रिकेटर्स बिलों का पेमेंट न होने के कारण वहां एक होटल में फंसे हुए हैं। IHPL, जो अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में यहां बड़े धूमधाम से शुरू हुई थी, मोहाली बेस्ड युवा सोसाइटी ने ऑर्गनाइज की थी।

गेल, डेवोन स्मिथ, जेसी राइडर और शाकिब-अल-हसन जैसे पूर्व क्रिकेटरों के बड़े-बड़े बिलबोर्ड शहर भर में कई जगहों पर लगाए गए थे, जिसमें बताया गया था कि ये मेगास्टार लोकल खिलाड़ियों के साथ इस लीग में खेलेंगे, जो 8 नवंबर को खत्म होने वाली थी। ज्यादातर मैच बख्शी स्टेडियम में खेले गए, जिसमें इंटरवल के दौरान लाउडस्पीकर पर म्यूजिक बजता था। हालांकि यह लीग शनिवार को अचानक खत्म हो गई क्योंकि खिलाड़ियों ने बकाया पेमेंट न मिलने के कारण मैचों में आने से मना कर दिया। ऑर्गनाइजर गायब हो गए, जिससे होटल वालों ने खिलाड़ियों को तब तक जाने से रोक दिया जब तक उनका बकाया क्लियर नहीं हो जाता।

यह मामला तब सामने आया जब मेलिसा जूनिपर, जो इस इवेंट में अंपायर थीं, ने कहा कि उन्हें पेमेंट नहीं मिला है। जूनिपर ने कहा, 'हमें कोई पेमेंट नहीं मिला है।' उन्होंने आगे कहा कि होटल स्टाफ ने उन्हें 'गायब ऑर्गनाइजर' के बारे में बताया। हालांकि पुलिस होटल गई थी, लेकिन इस बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई शुरू की है या नहीं।

गेल उन कई खिलाड़ियों में से थे जिन्होंने पिछले साल कश्मीर में लेजेंड्स लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में खेला था। यह इवेंट, जो इस साल की IHPL की तरह ही एक प्राइवेट इवेंट था, ने स्टेडियम में भारी भीड़ खींची थी क्योंकि लोकल लोगों को लगभग 40 साल में पहली बार इंटरनेशनल खिलाड़ियों को एक्शन में देखने का मौका मिला था। परमिंदर सिंह, जो युवा सोसाइटी के चेयरमैन के तौर पर लिस्टेड हैं, शायद लेजेंड्स लीग की सफलता से प्रभावित होकर कश्मीर में IHPL ऑर्गनाइज करने के लिए प्रेरित हुए होंगे।

उन्होंने जम्मू और कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल के मालिक वाले बख्शी स्टेडियम को बुक किया और मैचों की मेजबानी के लिए किराया पहले ही दे दिया था। लीग खेलने के लिए 8 टीमें बनाई गईं जिसमें श्रीनगर सुल्तांस, जम्मू लायंस, लद्दाख हीरोज, पुलवामा टाइटन्स, उरी पैंथर्स, गुलमर्ग रॉयल्स, पटनीटॉप वॉरियर्स और किश्तवाड़ जांबाज्स शामिल हैं। हर टीम में एक पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी था।

गेल और दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के होने के बावजूद IHPL में भीड़ नहीं जुटी। ऑर्गनाइजर्स ने टिकटों पर भारी डिस्काउंट दिया और टिकटों की बिक्री बढ़ाने की कोशिश में एक लोकल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर उमर जरगर की मदद ली, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। सवाल पूछे जा रहे हैं कि ऑर्गनाइजर्स युवा सोसाइटी जिसे इतने बड़े लेवल की लीग आयोजित करने का कोई पिछला अनुभव नहीं था, उसे मैच होस्ट करने के लिए बख्शी स्टेडियम का इस्तेमाल करने की इजाजत कैसे दी गई।

स्पोर्ट्स काउंसिल की सेक्रेटरी नुजहत गुल ने कहा कि ऑर्गनाइजर्स वेन्यू का इस्तेमाल मैच होस्ट करने के लिए करना चाहते थे और उन्होंने पैसे भी दिए थे। उन्होंने आगे कहा, 'मेरा IHPL से कोई लेना-देना नहीं है। मैं उद्घाटन समारोह में सिर्फ एक मेहमान के तौर पर मौजूद थी।' युवा सोसाइटी ने अपनी वेबसाइट पर IHPL की घोषणा करते समय पूर्व क्रिकेटरों सुरेश रैना और आशु दानी की तस्वीरों का इस्तेमाल किया, लेकिन यह नहीं बताया कि संगठन में इन दोनों की क्या भूमिका थी।

गंभीर ने भारतीय महिला टीम को बधाई दी , ये जीत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आईसीसी महिला विश्व कप में मिली शानदार जीत पर भारतीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए कहा कि आपने न केवल इतिहास रचा बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने का काम भी किया है। गंभीर ने टीम के जीत दर्ज करते ही कहा कि इससे भावी पीढ़ियों की लड़कियों को इस खेल को अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। भारतीय टीम ने साल 2005 और 2017 के फाइनल में मिली हार से उबरते हुए इस बार कोई गलती नहीं की। टीम को बधाई देते हुए, गंभीर ने सोशल मीडिया में लिखा, 'आपने न केवल इतिहास रचा है, बल्कि एक ऐसी विरासत भी बनाई है जो आने वाली पीढ़ियों की लड़कियों को प्रेरित करेगी!' भारतीय क्रिकेट टीम ने खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला आईसीसी महिला विश्व कप खिताब जीता।

भारतीय महिला टीम की खिताबी जीत के पीछे कोच अमोल मजूमदार की रही है अहम भूमिका

नवी मुम्बई । हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्वकप जीत के साथ ही इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने फाइनल में हुए एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीकी टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम की जीत में सभी खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही साथ ही इस जीत के सूत्रधार कोच अमोल मजूमदार भी रहे। मजूमदार स्वयं तो भारतीय टीम से खेलने का अपना सपना पूरा नहीं कर पाये पर उन्होंने महिला टीम को विश्व चैंपियन जरुर बना दिया।

उन्हें दो साल पहले अक्टूबर 2023 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का कोच नियुक्त किया गया था। उसके बाद से ही वह टीम को नया रुप देने में लग गये थे। उन्होंने टीम में भरोसा पैदा किया कि वे आईसीसी खिताब जीतने में सक्षम हैं। इससे पहले होता ये आया था कि टीम बड़े मुकाबलों में दबाव में आ जाती थी पर इस बार ऐसा नहीं हुआ। इसी कारण टीम दक्षिण अफ्रीका को हराने में सफल रही। साल 2005 और 2017 में टीम खिताबी मुकाबले में धैर्य खो बैठी थी पर इस बार ऐसा नहीं हुआ। टीम की जीत के बाद उन्होंने कहा, मेरे पास खुशी जाहिर करने के लिए शब्द नहीं है। ये बहुत ही गर्व का क्षण है। टीम ने कड़ी मेहनत और विश्वास के साथ हर भारतीय को गर्व करने का मौका दिया। मजूमदार ने प्रथम श्रेणी में 11 हजार से ज्यादा रन बनाये थे इसके बाद भी उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली थी। भारतीय टीम ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर जीत दर्ज की। जीत के बाद कप्तान हरमनप्रीत ने कोच अमोल मजूमदार के पैर छुए। इसका कारण है कि टीम की खिताबी जीत के शिल्पी कोच रहे। वह पर्दे के पीछे रहकर टीम का लगातार मार्गदर्शन करते रहे। मजूमदार ने अपने करियर में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विनोद कांबली सहित कई दिग्गजों के साथ खेला था, ऐसे में उनके पास अनुभव का खजाना था। वह साल 1994 में भारतीय अंडर-19 टीम के उपकप्तान भी रहे थे। उन्होंने भारत ए की ओर से राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली के साथ भी खेला था। अमोल ने मुम्बई के लिए रणजी ट्रॉफी के अपने डेब्यू मैच में ही 260 रन बनाकर धमाका कर दिया था। वह एक ऐसे दौर में उभरे थे जिस समय भारतीय टीम के पास सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और सौरव गांगुली जैसे सितारे थे। इस कारण अमोल को अवसर नहीं मिला। अमोल ने साल 2014 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास ले लिया और इस तरह 21 साल का उनका क्रिकेटर करियर समाप्त हुआ। इसके बाद ही उन्हें भारतीय महिला टीम का कोच बनाया गया।

महिला विश्व कप : यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा कैच, वोल्वार्ड्ट के कैच पर बोली अमनजोत कौर

नवी मुंबई (एजेंसी)। महिला विश्व कप के फाइनल में अपने शानदार क्षेत्ररक्षण से दक्षिण अफ्रीका की सलामी जोड़ी को पवेलियन भेजने में योगदान देने वाली अमनजोत कौर ने कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट के कैच को अपने अब तक के करियर का सबसे बड़ा कैच करार दिया। भारत ने रविवार को यहां फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से शिकस्त देकर पहली बार विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया।

अमनजोत ने दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स को रन आउट कर वोल्वार्ड्ट के साथ पहले विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने इसके बाद 42वें ओवर में वोल्वार्ड्ट का शानदार कैच उस समय लपका जब वह शतक पूरा कर भारत और जीत के बीच खड़ी थी। दक्षिण अफ्रीका को आखिरी आठ ओवर में 79 रन की जरूरत थी और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 169 रन बनाने वाली वोल्वार्ड्ट फाइनल में भी शतक पूरा करने के बाद बड़े शॉट खेलने की तैयारी में थी।

उन्होंने दीप्ति शर्मा की गेंद को डीप मिडविकेट की तरफ खेला और अमनजोत के हाथ से गेंद दो बार छिटकी लेकिन उन्होंने तीसरे प्रयास में कैच पूरा कर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों के साथ टीम के खिलाड़ियों में जोश भर दिया।। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'यह मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल कैच था, मैंने आज तक कभी मेरे हाथ से गेंद इस तरह से नहीं छिटकी थी। मैं या तो कैच लपकती थी या छूट जाता था। यह पहली बार है जब भगवान ने मुझे तीन मौके दिए।' उन्होंने कहा, 'वोल्वार्ड्ट का कैच काफी अहम था और उसके शतक के बाद हमें पता था कि वह एक छोर से बड़े शॉट खेलने की कोशिश करेगी।'

अमनजोत ने कहा कि वह गेंद और बल्ले की नाकामी को क्षेत्ररक्षण से पूरा करना चाहती थी। उन्होंने कहा, 'मैं बल्ले से बड़ा योगदान नहीं दे सकी थी और गेंदबाजी में भी बहुत प्रभावी नहीं थी, ऐसे में मेरा ध्यान बेहतर क्षेत्ररक्षण से उस कमी को पूरा करने पर था। मुझे पता था कि क्षेत्ररक्षण अच्छा रहेगा तो हम कुछ रन बचाकर दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं।' अमनजोत ने दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें इससे पहले ब्रिट्स को रन आउट कर बढ़ा दी थी। उनके सटीक थ्रो पर रन चुराने की कोशिश कर रही ब्रिट्स को पवेलियन लौटना पड़ा।

उन्होंने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी के समय पिच थोड़ी बल्लेबाजी के अनुकूल हो गयी थी। हम यही बात कर रहे थे कि साझेदारी तोड़ना काफी जरूरी है। हम नहीं चाहते थे कि किसी भी मौके को हाथ से जाने दें। दूधिया रोशनी में ओस गिरने के बाद क्षेत्ररक्षण मुश्किल हो जाता है।'

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) क्रिकेट का छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा

कोलंबो । श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) क्रिकेट का छठा सत्र इस साल के अंत में खेला जाएगा। इसमें भारतीय क्रिकेटर पहली बार खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) के आयोजकों ने कहा है कि लीग का छठा सत्र एक दिसंबर से शुरु होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मुकाबले होंगे। ये मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रनगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

रूस की मदद से 8 नए परमाणु संयंत्र बनाएगा ईरान; ईरानी राष्ट्रपति ने बताया एटॉमिक प्लान

तेहनार, एजेंसी। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के प्रमुख ने ऐलान किया है कि तेहरान अपनी स्वच्छ और स्थायी ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से रूस की मदद से आठ नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण करेगा। उधर, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अपने देश के 'शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम' और 'हथियार निर्माण न करने' की नीति को फिर से दोहराया है। ईरानी मीडिया तस्नीम ने रविवार को AEOI प्रमुख मोहम्मद एस्लामी के बयान का हवाला देते हुए बताया कि बुशहर में चार परमाणु संयंत्रों और उत्तर तथा दक्षिणी तटों पर चार अन्य संयंत्रों के संयुक्त निर्माण के लिए ईरान और रूस के बीच नया समझौता हुआ है। इन संयंत्रों के ठिकानों की आधिकारिक घोषणा सरकार बाद में करेगी।

AEOI प्रमुख ने कहा कि ये संयंत्र 'स्थिर और पर्यावरण-अनुकूल परमाणु ऊर्जा' प्रदान करेंगे तथा ईरान को परमाणु ऊर्जा से 20000 मेगावाट बिजली उत्पादन बढ़ाने में सहायता देंगे। रूसी सरकारी मीडिया TASS ने AEOI प्रेस सेवा के संदर्भ से बताया कि एस्लामी ने कहा कि उत्तरी प्रांत गोलिस्तान के तट पर एक परमाणु संयंत्र का निर्माण आरंभ हो चुका है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि खुज़िस्तान प्रांत में एक अन्य संयंत्र का निर्माण, जो 1979 की इस्लामी क्रांति से पूर्व शुरू हुआ था, जल्द पूरा करने की योजना है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने रविवार को अपने देश के 'शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम' और 'हथियार न विकसित करने' की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। आधिकारिक एजेंसी इरना के अनुसार, AEOI के दौरे के दौरान पेजेशकियन ने कहा कि बम निर्माण इस क्षेत्र का एक छोटा, अर्थहीन और अमानवीय हिस्सा है, जबकि अधिकांश भाग मानवीय जरूरतों को पूरा करता है।

ईरानी राष्ट्रपति ने पश्चिमी ताकतों पर आरोप लगाया कि वे ईरान जैसे स्वतंत्र देशों को उन्नत तकनीक से दूर रखना चाहती हैं, ताकि वे केवल असेंबली स्तर के उद्योगों तक सीमित रहें। इसके अलावा, पेजेशकियन ने ईरानी वैज्ञानिकों पर हो रही दुश्मनी और हत्याओं को प्रमुख शक्तियों के ईरान की वैज्ञानिक-तकनीकी स्वतंत्रता से भय का परिणाम बताया।

बता दें कि जून 2025 में इजरायल ने नतांज और फोर्डो जैसे प्रमुख ईरानी परमाणु स्थलों पर हवाई हमला किया था। 12 दिनों तक परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमला हुआ।

ताइवान पर हमले को लेकर ट्रंप की चीन को धमकी

बोले- पता चल जाएगा तब क्या होगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ताइवान पर हमले को लेकर चीन को चेताया है और धमकी देते हुए कहा कि इसके गंभीर परिणाम होंगे। ट्रंप ने कहा कि जब तक वे राष्ट्रपति हैं, तब तक चीन, ताइवान पर हमला नहीं करेगा क्योंकि उन्हें पता है कि इसका परिणाम क्या होगा। गौरतलब है कि अमेरिका ताइवान पर चीन की सैन्य कार्रवाई के विरोध में है और खुलकर ताइवान को समर्थन देता है। इसके चलते अमेरिका और चीन के बीच गहरे मतभेद हैं।

ताइवान पर चीन की सैन्य कार्रवाई के सवाल पर ट्रंप का जवाब: सीबीएस के साथ एक इंटरव्यू में जब ट्रंप से पूछा गया कि अगर चीन, ताइवान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करता है तो क्या अमेरिका की सेना, ताइवान की रक्षा के लिए भेजी जाएगी? तो इसके जवाब में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि 'आपको पता चल जाएगा कि क्या होगा। वह भी अच्छी तरह समझते हैं कि हमारा क्या जवाब होगा।' माना जा रहा है कि यहां वह से ट्रंप का मतलब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से है। ट्रंप ने आगे कहा कि 'ऐसा कल ही नहीं होने वाला और हो सकता है कि कभी न हो, क्योंकि वे जानते हैं और इसका असर को अच्छी तरह समझते भी हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने इंटरव्यू ले रहे पत्रकार से कहा कि 'आप सवाल पूछ रहे हैं इसका मतलब ये नहीं कि मैं आपको सबकुछ बता दूंगा, लेकिन वे (चीन) समझते हैं कि क्या होगा।' गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में दक्षिण कोरिया में चीन और अमेरिका के नेताओं की मुलाकात हुई, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनी।

परमाणु हथियारों को लेकर दिया चौंकाने वाला बयान: इस इंटरव्यू में ट्रंप ने परमाणु परीक्षण को लेकर भी एक चौंकाने वाला बयान दिया। उन्होंने कहा कि 'हमारे पास किसी भी देश की तुलना में बहुत ज्यादा परमाणु हथियार हैं और हमें परमाणु निरस्त्रीकरण के बारे में कुछ करना चाहिए। मैंने इस बारे में रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग से भी बात की। हमारे पास इतने परमाणु हथियार हैं, जो पूरी दुनिया को तबाह कर सकते हैं। रूस के पास भी बहुत सारे हैं और चीन के पास भी।' ट्रंप ने कहा कि वे नहीं चाहते कि अमेरिका इकलौता देश हो, जो परमाणु परीक्षण न कर रहा हो।

अमेरिका और चीन के रक्षामंत्रियों ने ताइवान मुद्दे पर बात की: अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने 31 अक्टूबर को मलेशिया में चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन से बातचीत की। उन्होंने ताइवान और साउथ चाइना सी में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि अमेरिका इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखेगा और अपने हितों की रक्षा करेगा। हेगसेथ ने बताया कि अमेरिका टकराव नहीं चाहता, लेकिन अपनी सैन्य मौजूदगी मजबूत रखेगा।

जवाब में चीन के रक्षा मंत्री डोंग जुन ने कहा कि अमेरिका को ताइवान के मामले में सावधानी से काम करना चाहिए और ताइवान की स्वतंत्रता के समर्थन से बचना चाहिए।

चीन को ताइवान हमले की ट्रेनिंग दे रहा रूस: ब्रिटिश डिफेंस थिंक टैंक रॉयल यूनाइटेड सर्विसेज ने दावा किया है कि रूस ताइवान पर 'एयरबोर्न अटैक' के लिए चीनी पैराट्रूपर्स को टैंक, हथियार व तकनीक मुहैया करा रहा है। पीएलए के पैराट्रूपर्स को रूस में सिम्युलेटर और ट्रेनिंग इक्विपमेंट के जरिए ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद चीन में एक साथ ट्रेनिंग होगी, जिसमें रूसी सेना उन्हें लैंडिंग, फायर कंट्रोल और मूवमेंट की ट्रेनिंग देगी।

प्रधानमंत्री कार्की ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से की मुलाकात, पांच मार्च के आम चुनाव की तैयारियों पर चर्चा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की और सभी सात प्रांतों के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री के प्रेस समन्वयक राम बहादुर रावल ने बताया कि यह बैठक इसलिए बुलाई गई थी ताकि बदलते राजनीतिक हालात में केंद्र और राज्यों की सरकारों के बीच बेहतर संवाद और तालमेल बन सके।

सुशीला कार्की (73 वर्षीय) 12 सितंबर को नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी थीं। इससे पहले भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के लिए के खिलाफ युवाओं ने जेन-जेड आंदोलन किया था। जिसके कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को पद से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

यह बैठक प्रधानमंत्री की चुनाव की तैयारियों को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों और हितधारकों के साथ चल रही सलाह-मशविरा की श्रृंखला का हिस्सा थी। कार्की चुनाव से पहले विभिन्न राजनीतिक दलों और जेन जेड समूह के नेताओं के साथ बैठकें कर सहमति बनाने की कोशिश कर रही हैं। शनिवार को उन्होंने नेपाली कांग्रेस के महासचिव गगन थापा और बिश्व प्रकाश शर्मा के साथ चर्चा की, ताकि चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की स्थिति स्पष्ट हो। प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, एक घंटे की इस बैठक में चुनाव की तैयारियों, कानून-व्यवस्था की स्थिति सुधारने और अन्य जरूरी कार्यों पर फोकस किया गया।

नेपाली कांग्रेस के नेताओं ने प्रधानमंत्री को चुनाव में पार्टी की भागीदारी सुनिश्चित करने का भरोसा दिया। थापा और शर्मा ने मीडिया से कहा कि कांग्रेस जल्द ही जेन जेड समूह और अन्य राजनीतिक दलों के साथ गंभीर संवाद करेगी। सुरक्षा मुद्दों और चुनाव की तैयारियों पर चर्चा के लिए कार्की ने 21 अक्तूबर को पहली बार कार्यवाहक सरकार के गठन के बाद प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी।

इस बैठक में भंग हुई प्रतिनिधि सभा के कई प्रमुख राजनेता शामिल हुए। प्रधानमंत्री कार्की ने सभी दलों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में सहयोग मांगा, जबकि नेताओं ने सरकार से चुनाव के लिए अनुकूल माहौल बनाने का अनुरोध किया। इससे पहले 25 अक्तूबर को नेपाल के गृहमंत्री ओम प्रकाश आर्याल ने सभी संबंधित पक्षों को आमंत्रित किया था और पांच मार्च के आम चुनाव से पहले सड़कों पर प्रदर्शन करने के बजाय कार्यवाहक सरकार के साथ संवाद करने का सुझाव दिया था। बैठक के बाद गृहमंत्री अर्यालय ने कहा था, समस्याओं को सुलझाने के लिए सरकार हमेशा संवाद और चर्चा के लिए तैयार है।

ट्रंप का दावा- पाकिस्तान कर रहा परमाणु हथियारों का परीक्षण! इन देशों में भी टेस्टिंग की बात कही

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान उन देशों में शामिल है जो सक्रिय रूप से परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ देशों की यही प्रवृत्ति दर्शाती है कि अमेरिका के लिए भी अपने परमाणु परीक्षण को फिर से शुरू करना जरूरी हो गया है। सीबीएस न्यूज के कार्यक्रम 60 मिनट्स को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि रूस, चीन, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान जैसे देश परमाणु परीक्षण कर रहे हैं, जबकि अमेरिका ही एकमात्र देश है जिसने परीक्षण रोक रखे हैं। ट्रंप ने कहा, 'रूस परीक्षण कर रहा है, चीन भी कर रहा है, लेकिन वे इसके बारे में बात नहीं करते। हम एक खुला समाज हैं, इसलिए हम बात करते हैं। जब बाकी देश परीक्षण कर रहे हैं, तो हमें भी करना होगा।' उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया लगातार परीक्षण कर रहा है और पाकिस्तान भी परीक्षण कर रहा है। 'हम परीक्षण करेंगे, क्योंकि वे परीक्षण कर रहे हैं और अन्य भी कर रहे हैं।' गौरतलब है कि रूस ने हाल में उन्नत परमाणु-सक्षम हथियारों और तकनीकों का परीक्षण किया है। इनमें पोसाइडन अंडरवॉटर ड्रोन शामिल है। इसी को लेकर जब ट्रंप से पूछा गया कि अमेरिका की तरफ से तीन दशक से ज्यादा समय बाद परमाणु परीक्षण फिर शुरू करने के फैसले को लेकर पूछा गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'आपको यह देखना होगा कि ये हथियार कैसे काम करते हैं। रूस ने एलान किया है की कि वे परीक्षण करने जा रहे हैं। उत्तर कोरिया लगातार परीक्षण कर रहा है, अन्य देश भी कर रहे हैं। हम ही एकमात्र देश हैं जो नहीं कर रहे, और मैं नहीं चाहता कि ऐसा रहे।

ट्रंप के एक फैसले से हांफने लगीं चीनी कंपनियां, नहीं मिल रहे खरीदार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक फैसले ने चीन की तेल कंपनियों को गहरी चोट पहुंचाई है, जिससे वे खरीदारों के अभाव में त्रस्त हो रही हैं। दरअसल, अमेरिका और उसके सहयोगी देशों द्वारा मॉस्को के प्रमुख तेल उत्पादकों तथा उनके कुछ खरीदारों को ब्लैकलिस्ट में डालने के बाद, चीनी रिफाइनरियां रूसी तेल के शिपमेंट से दूरी बना रही हैं। यही कारण है कि अब उन्हें ग्राहक नहीं मिल पा रहे हैं, और इसका मुख्य कारण अमेरिकी प्रतिबंधों को माना जा रहा है।

व्यापारियों के मुताबिक, सिनोपेक और पेट्रोचाइना जैसी सरकारी स्वामित्व वाली बड़ी कंपनियां पिछले महीने रोसनेफ्ट पीजेएससी तथा लुकोइल पीजेएससी पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते कुछ रूसी कार्गो रद्द करने के बाद इस कारोबार से पूरी तरह हट चुकी हैं। वहीं, छोटी निजी रिफाइनरियां, जिन्हें 'टीपॉट्स' कहा जाता है, भी डर के मारे चुप हो गई हैं, क्योंकि वे नहीं चाहती कि उन पर भी शांदोंग यूलोंग पेट्रोकेमिकल कंपनी जैसी सजा थोपी जाए, जिसे हाल ही में ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने ब्लैकलिस्ट में शामिल कर लिया है। कंसल्टेंसी फर्म रिस्टैड एनर्जी एएस के आकलन के अनुसार, खरीदारों की इस फैसले से प्रतिदिन करीब 4 लाख बैरल तेल प्रभावित हो रहा है, जो रूस से चीन के कुल तेल आयात का लगभग 45 प्रतिशत है। रिस्टैड के अनुसार, अन्य प्राइवेट रिफाइनरियां घटनाक्रम पर कड़ी नजर रख रही हैं और ऐसी किसी

भी गतिविधि से परहेज कर रही हैं जो समान प्रतिबंधों को न्योता दे सकती है। फिर भी, टैक्स संबंधी बदलावों के कारण अन्य कच्चे माल के उपयोग में कमी आने से चायदानी (टीपॉट) कंपनियों को कच्चे तेल आयात कोटे की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के लिए बता दें कि अमेरिका और उसके सहयोगी अब रूसी उत्पादकों और उनके खरीदारों, दोनों पर प्रतिबंधों को और कड़ा कर रहे हैं, ताकि मॉस्को के तेल राजस्व को चोट पहुंचाकर यूक्रेन युद्ध को रोका जा सके। गौरतलब है कि चीन दुनिया का सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक देश है। फिलहाल यह रूस से सबसे अधिक तेल आयात कर रहा है, जबकि दूसरे स्थान पर भारत है जो रूस से कच्चा तेल खरीदता है।

चीनी विदेश मंत्रालय ने दावा किया कि वह एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र है

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस आरोप का सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने गुप्त रूप से परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय ने दावा किया कि वह एक 'जिम्मेदार परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र' है। बीजिंग ने स्पष्ट किया कि वह हमेशा 'आत्मरक्षा आधारित परमाणु नीति' का पालन करता रहा है और परमाणु परीक्षण प्रतिबंध की अपनी प्रतिज्ञा का सम्मान करता आया है।

दरअसल, ट्रंप ने रविवार को दावा किया था कि रूस और चीन जैसे देश भूमिगत परमाणु परीक्षण कर रहे हैं, लेकिन इनकी जनता को इसकी भनक तक नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका भी इसी तरह की कार्रवाई करेगा। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि मैं अकेला ऐसा देश नहीं बनना चाहता जो परीक्षण से परहेज करे। सीबीएस के '60 मिनट्स' शो में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस परीक्षण कर रहा है, चीन भी कर रहा है, लेकिन वे इसे सार्वजनिक नहीं करते। इस कड़ी में उन्होंने उत्तर कोरिया और पाकिस्तान जैसे अन्य देशों का भी जिक्र किया।

सर्बिया में राष्ट्रपति वूचिच के खिलाफ प्रदर्शन तेज, रेलवे हादसे की बरसी पर भड़का विरोध

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में रविवार को राष्ट्रपति अलेक्जांडर वूचिच के समर्थकों और विरोधियों के बीच तीखे टकराव की स्थिति बन गई। हालात बिगड़ने पर सैकड़ों दंगा-रोधी पुलिसकर्मी दोनों समूहों के बीच

दीवार बनकर खड़े हो गए। इस दौरान लोगों ने बोतलें और पटाखे एक-दूसरे पर फेंके। यह तनाव उस समय बढ़ा जब एक दिन पहले उत्तरी शहर नोवी साद में रेलवे स्टेशन हादसे की पहली बरसी पर हजारों लोग इकट्ठा हुए। पिछले साल हुए इस हादसे में 16 लोगों की मौत हुई थी, जिससे शुरू हुआ युवाओं का विरोध आंदोलन अब वूचिच सरकार के खिलाफ बड़ा राजनीतिक अभियान बन गया है।

बेलग्रेड में प्रदर्शनकारी दिजाना हरका के समर्थन में जुटे, जिनके बेटे स्टेफन हरका की मौत इसी हादसे में हुई थी। उन्होंने रविवार को संसद के पास स्थित वूचिच समर्थकों के टेंट कैंप के बाहर भूख हड़ताल शुरू की। नोवी साद और अन्य छोटे शहरों में भी लोगों ने उनके समर्थन में प्रदर्शन किए।

क्या है आंदोलनकारियों का आरोप?: मामले में आंदोलनकारियों का आरोप है कि नोवी साद स्टेशन के पुनर्निर्माण में सरकारी भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण ही यह हादसा हुआ, जिसमें स्टेशन की छत गिर गई थी। हरका ने अपने बेटे और बाकी 15 पीड़ितों के लिए न्याय और जवाबदेही की मांग की है। उन्होंने मांग की है कि गिरफ्तार सभी प्रदर्शनकारियों को रिहा किया जाए और जल्द चुनाव कराए जाएं, जैसा कि छात्र आंदोलन के नेता मांग रहे हैं।

राष्ट्रपति वूचिच ने लगाया था कैंप: बता दें कि राष्ट्रपति वूचिच ने मार्च में बेलग्रेड में अपने समर्थन में कैसिलैंड नाम का टेंट कैंप लगवाया था, जो अब उनके कार्यालय और संसद के बीच सुरक्षा घेरे की तरह काम कर रहा है। पुलिस लगातार इस इलाके की निगरानी कर रही है, जो आम नागरिकों के लिए बंद है। इसके बाद हाल के महीनों में सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर कड़ी कार्रवाई की है। सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया है और कई रैलियों को बलपूर्वक खत्म किया गया। वहीं सरकारी मीडिया ने छात्र नेताओं को आतंकवादी बताकर उन पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है।

अचानक आत्महत्या की बात क्यों करने लगे एलन मस्क? एलियन्स को लेकर भी दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के अरबपति व्यापारी एलन मस्क एक बार फिर से चर्चा में हैं। एक पॉडकास्ट के दौरान रहस्यमय अंतरतारकीय धूमकेतु और अंतरिक्ष में एलियन होने या न होने के सिद्धांतों पर पर बात करते हुए मस्क ने कहा कि वह कभी भी आत्महत्या नहीं करेंगे। मस्क ने दावा किया कि अगर उन्हें कभी भी एलियन के होने के सबूत मिलने मिले तो वह उन्हें सीधे दुनिया के सामने लाकर रख देंगे। अमेरिकी पॉडकास्टर जो रोगन के साथ बात करते हुए टेस्ला सीईओ ने अंतरिक्ष में एलियन होने के दावे को लेकर भी खुलकर बात की। इस पर एलन मस्क ने कहा, 'मेरा मतलब है, एक बात मैं कह सकता हूं, देखिए, अगर मुझे एलियंस के किसी भी सबूत के बारे में पता चलता है, तो मैं आपके शो में आऊंगा और शो में उसका खुलासा करूंगा।' इसके बाद मस्क ने मुस्कुराते हुए कहा, 'और मैं यह बात भी स्पष्ट रूप से कह रहा हूं, मैं कभी आत्महत्या नहीं करूंगा। तो, कैमरे के लिए भी कह देता हूं कि मैं कभी भी आत्महत्या नहीं करूंगा। मैं रिकॉर्ड के लिए यह चीज स्पष्ट कर दे रहा हूं।' गौरतलब है कि मस्क का यह बयान सोशल मीडिया पर चलने वाली उस थ्योरी को लेकर था, जिसमें यह कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को एलियंस के बारे में जानकारी होती है, या वह उसे खोजने की कोशिश करता है, तो उसे रहस्यमय तरीके से मार दिया जाता है। आपको बता दें, एलन मस्क और जो रोगन जिस धूमकेतु 3I/ATLAS की बात कर रहे थे, वह एक अंतरतारकीय धूमकेतु था। इसका मतलब वह हमारे सौरमंडल का हिस्सा नहीं था, बल्कि कहीं बाहर अंतरिक्ष से आया था। अपने असमान्य पथ और रासायनिक संरचना के कारण उसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा था।

नहीं थम रहा रूस का यूक्रेन पर हमला, कई राज्यों में भारी तबाही

जेलेंस्की बोले- हर रात हो रहा हमला

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से ज्यादा समय से चल रहा संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह रूप लेता जा रहा है। दूसरी ओर इसके फिलहाल खत्म होने के भी दूर-दूर तक कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। कारण है कि इन दिनों यूक्रेन के अलग-अलग शहरों में रूस ने खूब बम बरसाए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि रूस कई इलाकों में लगातार हमले कर रहा है, जिनमें नागरिकों की मौतें हो रही हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि रूस ने ऊर्जा ठिकानों और आम आबादी के इलाकों को निशाना बनाया है।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबे पोस्ट में लिखा कि लगभग हर रात रूस हमारे लोगों पर अलग-अलग हथियारों से हमला करता है। डिनिप्रो, जापोरिज्झिया, खारकीव, चेर्निहिव और ओडेसा क्षेत्रों में हमले हुए हैं। उन्होंने दावा किया इन हमलों में दुर्भाग्य से कई लोग मारे गए और अनगिनत लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि सिर्फ एक हफ्ते में रूस ने करीब 1,500 ड्रोन, 1,170 गाइडेड बम और 70 से ज्यादा मिसाइलें दागीं, जिनसे घरों और ऊर्जा ढांचे को भारी नुकसान हुआ।

यूक्रेन के कई इलाके में लगातार हो रहे हमले: बता दें कि रूस ने यूक्रेन के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार हमले किए। इसके तहत बीते दिनों निप्रोपेट्रोस में रूसी हवाई हमले में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे भी शामिल थे। इसी क्रम में ओडेसा में रूसी लड़ाकू विमानों ने कई ट्रकों पर बम गिराए, जिससे दो लोगों की मौत और तीन लोग घायल हो गए। इतना ही नहीं खेरसोन में रूस ने ड्रोन, तोपों और हवाई हमलों से 20 से ज्यादा गांवों पर हमला किया गया। इसमें एक व्यक्ति की मौत हुई और कई घरों को नुकसान पहुंचा।

इसके साथ ही माइकोलाइव शहर के पास रूसी इस्कंदर-एम मिसाइल गिरी, जिससे एक 20 साल के युवक की मौत और 19 लोग घायल हुए। घायलों में दो बच्चे भी हैं और जापोरिज्झिया: यहां भी रूसी हमले में एक नागरिक मारा गया और कई घर तबाह हो गए। कुल मिलाकर हमलों के बाद करीब 60,000 लोगों की बिजली चली गई। यूक्रेन की बिजली कंपनी उक्रेनेर्गो ने कहा है कि देश में अस्थायी बिजली कटौती लागू की जाएगी ताकि सिस्टम को संभाला जा सके।

हापुड़ में गढ़ गंगा मेला को लेकर तैयारी जोरों पर

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हापुड़ में गढ़ गंगा के मेले के साथ ही तीर्थ नगरी ब्रजघाट में भी करीब पांच लाख श्रद्धालु स्नान करने वाले है। हापुड़ में दिल्ली-लखनऊ हाईवे के किनारे बसा होने के कारण वाहनों का अत्यधिक दबाव और श्रद्धालुओं के आगमन से चतुर्दशी एवं पूर्णिमा पर जाम लगने के पूर्ण आसार हैं। गढ़मुक्तेश्वर के गंगा मेले में जाम इतना खराब होता है कि वाहनों की कतार मेला स्थल से करीब 12 किलोमीटर दूर दिल्ली-लखनऊ हाईवे तक पहुंच जाती है। ब्रजघाट में भी दीपदान और अनुष्ठानों के कारण हाईवे और अन्य मार्गों पर जाम लगता है। पिछली अमावस्या पर करीब पांच लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण 18 घंटों तक लोगों को जाम में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। अनेक श्रद्धालुओं ने कई दिन पहले से ही होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशालाओं को बुक कर डेरा जमा दिया है, जिससे अब बाहरी लोगों को रहने के लिए स्थान नहीं मिल रहे हैं। मात्र 67 पुलिसकर्मी के कंधों पर शहरी मेले की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुलिस बल का विवरण: एक थाना प्रभारी, 15 दरोगा, 44 हेड कॉन्स्टेबल और सात महिला पुलिसकर्मी शामिल है। इतना ही नहीं पुलिस ने मनचलों पर नजर रखने के लिए तीन एंटी रोमियो की टीम लगाई गई है। गंगा तट पर बने टावर से पुलिस निगरानी कर रही है। शहरी मेले पर 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कड़ी निगरानी की जा रही है। घाट तक आने-जाने वाले रास्तों पर भी सीसीटीवी कैमरे सक्रिय हैं। अन्य उपाय में बैरिकेडिंग के साथ सभी बैरियर पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है। पिकेट व चेकिंग पॉइंट्स की संख्या बढ़ाई जा रही है।

केंद्रीय सुरक्षा बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान 2 पुराने आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया

श्रीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के हजीपोरा के वन क्षेत्रों में संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान दो पुराने आतंकवादी ठिकानों को सफलतापूर्वक ध्वस्त किया। खुफिया जानकारी मिलने के बाद, 9 राष्ट्रीय राइफल्स और लोकल पुलिस ने यह अभियान चलाया। संयुक्त तलाशी में वन क्षेत्र के बीच इन ठिकानों का पता लगाया गया और बाद में इनका फिर इस्तेमाल रोकने के लिए इन्हें नष्ट किया गया। वन क्षेत्रों की घेराबंदी कर दी गई है और आगे तलाशी अभियान जारी है। यह पिछले माह अनंतनाग जिले के हांगुल-वतकाश जंगल में इसी तरह के ऑपरेशन के बाद हुआ है, जहाँ सुरक्षा बलों को एक सुरक्षित ठिकाना मिला था। यह तलाशी 19 राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस (जेकेपी) द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी। अधिकारियों ने घटनास्थल से बैकपैक, गर्म कपड़े, बर्तन, खुदाई के औजार, एक गैस सिलेंडर और संदिग्ध युद्ध-संबंधी सामान बरामद किए। इन चीजों से संकेत मिलता है कि इस ठिकाने पर हाल ही में आतंकवादियों ने कब्जा किया होगा। वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा कि हवाई निगरानी से बचने के लिए इन ठिकानों को रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया था और ये इस क्षेत्र में आतंकवादियों के अस्थायी ठिकानों के रूप में काम कर सकते थे।

फलोदी में सड़क हादसे में 24 मौतों के बाद जागा प्रशासन, हाईवे किनारे से हटाए ढाबे

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान के फलोदी में रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में अब तक 24 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। इस हादसे के बाद प्रशासन चेता और और उसने सोमवार को सड़कों से किनारे बने ढाबे और अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की। इस हादसे में मरने वालों में एक ही परिवार के 7 लोग है। सभी श्रद्धालु जोधपुर के सूरसागर इलाके के रहने वाले हैं। उधर, भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर एक साथ हुई 24 मौतों के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एडीएम अंजुम ताहिर ने बताया कि मृतक आश्रितों को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। जिनके परिवार में तीन या इससे ज्यादा लोगों की मौत हुई है, उन्हें 25 लाख रुपए तक की सहायता राशि दी जाएगी। गंभीर रूप से घायलों को 2 लाख की आर्थिक मदद दी जाएगी। इसके अलावा पीएम राहत कोष से भी मृतक आश्रितों को 2 लाख रुपए दिए जाएंगे। भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर फलोदी के बापिणी उपखंड क्षेत्र के मतोड़ा में ओवरटेक करते समय टेम्पो ट्रेवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में घुस गया। मरने वालों में चार बच्चे, ड्राइवर और 10 महिलाएं शामिल हैं। टेम्पो ट्रेवलर में सवार सभी लोग देवउठनी एकादशी पर कपिल मुनि के आश्रम दर्शन करने गए थे। लौटते समय यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेम्पो ट्रेवलर के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हमारी बेटियों ने दिखा दिया कि दृढ़ निश्चय से हर मुकाम हासिल कर सकते हैं : कंगना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने महिला विश्व कप 2025 का खिताब जीत लिया। इस जीत पर बॉलीवुड एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हम हैं विश्व चैंपियन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे विश्व कप 2025 जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हमारी बेटियों ने दिखा दिया कि दृढ़ निश्चय और टीम स्पिरिट से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। वहीं बीजेपी नेता डॉ. सुकांत मजूमदार ने कहा कि जय हो, विजयी भारत। टीम इंडिया ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में शानदार जीत के साथ इतिहास रच दिया है। हमारी असाधारण महिला क्रिकेट टीम को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई। आपके साहस, जुनून और उत्कृष्टता ने देश को गौरवान्वित किया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 जीतने पर टीम इंडिया को हार्दिक बधाई। हमारी चैंपियन खिलाड़ियों ने धैर्य, कौशल और दृढ़ संकल्प का अद्भुत प्रदर्शन किया है। आपने एक पीढ़ी को प्रेरित किया है और पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा और नीले रंग की हर योद्धा को सलाम- अपने जुनून, प्रतिभा और अदम्य साहस से विश्व कप को रोशन करने के लिए। यह जीत सिर्फ क्रिकेट की नहीं है- यह सपनों, समर्पण और अजेय नारी शक्ति की शक्ति की है।

बता दें नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम 52 रन से जीत दर्ज कर विश्व क्रिकेट की नई चैंपियन बनी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 298 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका 45.3 ओवर में 246 रन पर सिमट गई।

अमित शाह का दावा: मोदी-नीतीश जोड़ी ने बिहार को जंगल राज से दिलाई मुक्ति, खत्म किया वंशवाद

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी साझेदारी ने बिहार को 'जंगल राज' से मुक्ति दिलाई और वंशवाद का अंत किया। उन्होंने राजद के लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार तथा कांग्रेस नेतृत्व पर अपने वंशजों को सत्ता में बिठाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। सीतामढ़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, -नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की जोड़ी ने बिहार को 'जंगल राज' से मुक्ति दिलाई है। हमने वंशवाद का अंत किया। लालू जी और राबड़ी जी अपने बेटे को बिहार का मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। सोनिया गांधी अपने बेटे को देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। लेकिन मैं लालू-राबड़ी और सोनिया जी को यह बताने आया हूं कि न तो लालू जी का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा और न ही सोनिया जी का बेटा प्रधानमंत्री। क्योंकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश जी हैं और नरेंद्र मोदी जी दिल्ली (केंद्र) में सत्ता में हैं।'

अपने पहले के बयानों को दोहराते हुए गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया 'मतदाता अधिकार यात्रा' पर हमला बोला और इसे 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' बताया। शाह ने कहा, 'राहुल गांधी हाल ही में यहाँ आए थे। उन्होंने 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' निकाली थी। सीमा सीमा के पास स्थित है; यह नेपाल के पास है। मुझे बताइए, क्या बांग्लादेशी घुसपैठियों को बिहार की मतदाता सूची से नहीं हटाया जाना चाहिए? ये घुसपैठिए गरीबों के अनाज का हिस्सा हड़प लेते हैं, युवाओं से रोजगार छीन लेते हैं और जो बांग्लादेश से यहाँ आए हैं, उन्हें यहाँ वोट देने और बिहार का मुख्यमंत्री चुनने का कोई अधिकार नहीं है।' केंद्रीय गृह मंत्री ने पहली बार दावा किया कि पूरा बिहार शाम 5 बजे तक मतदान करेगा क्योंकि अब बिहार नक्सल मुक्त है।

उन्होंने कहा, 'केंद्र में कांग्रेस सत्ता में थी। बिहार के कई जिले नक्सल प्रभावित थे। मतदान दोपहर 3 बजे समाप्त हो जाता था। अब पहली बार पूरा बिहार शाम 5 बजे तक मतदान करेगा क्योंकि अब बिहार नक्सल मुक्त है।' 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को होना है, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

ओवैसी की तेजस्वी को खुली चुनौती... एक्सट्रीमिस्ट अंग्रेजी में लिखकर बात दें

पटना (एजेंसी)। एआईएमआईएम के सुप्रीमो और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने तेजस्वी को एक्सट्रीमिस्ट अंग्रेजी में लिख देने की चुनौती दी है। बिहार के किशनगंज में चुनावी सभा को संबोधित कर ओवैसी का दर्द भी छलक गया। काफी प्रयास करने के बावजूद

राजद ने एआईएमआईएम को महागठबंधन में शामिल नहीं किया। ओवैसी की पार्टी ने करीब छह सीटों की मांग की थी। ओवैसी ने कहा कि पार्टी से गठबंधन नहीं करने की वजह तेजस्वी ने बताकर कहा कि ओवैसी एक्सट्रीमिस्ट है, चरमपंथी है, दहशतगर्द है। मैं तेजस्वी को बोलूंगा कि बाबू जरा एक्सट्रीमिस्ट अंग्रेजी में लिखकर बता दो। मैं अल्लाह के बाद किसी के आगे सिर नहीं झुकाता। सच्चे मुसलमान की तरह अल्लाह की इबादत करता हूं। दाढ़ी और टोपी रखता हूं, तब वे मुझे चरमपंथी कहते हैं। दरअसल सीमांचल में पांच सीटों पर 2020 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कर ओवैसी ने सभी को चौंका दिया था। उनकी पार्टी ने राजद को काफी नुकसान पहुंचाया था। हालांकि, बाद में चारों विधायकों को राजद ने तोड़ लिया था। 2025 के चुनाव में ओवैसी राजद के साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन बात नहीं बनी। उनके प्रदेश अध्यक्ष लालू यादव के दरवाजे तक ढोल बजाते गए। लेकिन गेट भी नहीं खोला गया। तब से दोनों पार्टियों के बीच ठन गई। ओवैसी खुलकर तेजस्वी यादव के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया। ओवैसी ने कहा कि राजद नेता पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। भागलपुर दंगे के आरोपी कामेश्वर को सम्मानित कर मुसलमानों के जले पर नमक छिड़कने का काम किया जा रहा है। मुसलमानों के खिलाफ कोई जुल्म करता है, तब चुप्पी लगा लेते हैं। उन्हें सिर्फ मुसलमानों के वोट से मतलब है। यह भी दावा किया कि इस बार सीमांचल का बेटा ही बिहार का सीएम बनेगा।

सुप्रीम कोर्ट वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए समय सीमा बढ़ाने की याचिका पर करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट नेशनल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी की याचिका को सुनवाई के लिए फिर से सूचीबद्ध करने पर सोमवार को सहमति जताई, जिसमें वक्फ बाय यूजर समेत सभी वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकृत करने की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। याचिका को 28 अक्टूबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था, लेकिन उस दिन सुनवाई नहीं हो सकी थी।

सोमवार को ओवैसी के वकील ने चीफ जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष मामले को तुरंत सुनवाई के लिए रखने का अनुरोध किया। सीजेआई ने कहा कि हम एक नई तारीख तय करेंगे। वकील ने बताया कि वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए तय छह महीने की अवधि समाप्त होने के करीब है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 सितंबर को अंतरिम आदेश के तहत वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगा दी थी। इनमें यह प्रावधान शामिल था कि केवल पिछले पांच साल से इस्लाम का पालन करने वाले व्यक्ति ही वक्फ बना सकते हैं। हालांकि पूरे कानून को रद्द नहीं किया गया था।

कोर्ट ने कहा था कि नए संशोधित कानून में वक्फ बाय यूजर प्रावधान हटाने का केंद्र सरकार का आदेश प्रथम दृष्टया मनमाना नहीं था और इस दलील का कोई आधार नहीं है कि सरकार वक्फ संपत्ति जब्त कर लेगी। औपचारिक दस्तावेज के बिना लंबे समय तक धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उपयोग में लाए जाने के कारण वक्फ के रूप में मान्यता हासिल करने वाली संपत्ति को वक्फ बाय यूजर कहा जाता है। ओवैसी के वकील ने कोर्ट से कहा कि संशोधित कानून के मुताबिक वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए छह महीने का समय दिया गया था और पांच महीने न्यायालय के फैसले के दौरान निकल गए, अब केवल एक महीना बाकी है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का चुनाव आयोग को कोई अधिकार नहीं, आगामी चुनाव 1 जुलाई की सूची के अनुसार ही होंगे- चुनाव आयोग

मुंबई (एजेंसी)। राज्य चुनाव आयोग ने बॉम्बे हाई कोर्ट में एक हलफनामे में स्पष्ट किया है कि इसे मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का कोई अधिकार नहीं है। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार है। केवल वे लोग जिनके नाम 1 जुलाई, 2025 तक इस सूची में हैं, इस वर्ष मतदान कर सकते हैं और चुनाव लड़ सकते हैं। दरअसल संदीप रासकर ने आलंदी नगर परिषद की मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ने के आवेदन को अस्वीकार किए जाने के खिलाफ इस संबंध में हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इस याचिका पर संज्ञान लेते हुए न्यायमूर्ति अमित जामसंडेकर ने चुनाव आयोग को इस पर एक हलफनामा प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। तदनुसार, आयोग ने प्रस्तुत हलफनामे में इस स्थिति को स्पष्ट किया है। दरअसल रासकर का नाम आलंदी नगर परिषद, भोसरी विधानसभा और खेड़ नगर परिषद की मतदाता सूची में था। 22 नवंबर, 2021 को संदीप रासकर ने भोसरी विधानसभा और खेड़ नगर परिषद की मतदाता सूची से अपना नाम हटाने के लिए प्रशासन को आवेदन दिया था। इस आवेदन के लंबित रहने के दौरान, रासकर का नाम आलंदी मतदाता सूची से हटा दिया गया था। उनका कहना है कि हम पहले भी इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं और जीते हैं। इसलिए, इस मतदाता सूची से हमारा नाम हटाना गलत है। हम इस निर्वाचन क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ना चाहते हैं। संदीप रासकर ने एक याचिका के माध्यम से हाई कोर्ट से अनुरोध किया था कि हमारा नाम फिर से इस मतदाता सूची में शामिल किया जाए।

आयोग के वकील सचिंद्र शेट्ये ने अदालत के समक्ष यह हलफनामा पेश किया है। इसमें कहा गया है कि राज्य चुनाव आयोग या उसके किसी भी अधिकारी को मतदाता सूची में नाम जोड़ने या बढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है। आगामी नगरपालिका और स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदाता सूची की कट-ऑफ तिथि 1 जुलाई, 2025 थी। हलफनामे में यह भी कहा गया है कि सूची तदनुसार तैयार की गई है और उसी आधार पर मतदान होगा। अगर किसी का नाम पहले मतदाता सूची में था, लेकिन अब हटा दिया गया है, तो इसके खिलाफ अपील करने का कानून में प्रावधान है, आयोग ने हाई कोर्ट का ध्यान आकर्षित किया। चुनाव आयोग के स्पष्ट रुख को ध्यान में रखते हुए हाई कोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया।

बच्चे के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की याचिका खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने किया नेपाल का ज़िक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 14 से 18 वर्ष के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज किया है। शीर्ष अदालत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए साफ कहा कि इस तरह के फैसले नीतिगत मामले हैं, जिन पर निर्णय लेना सरकार का अधिकार क्षेत्र है, न्यायपालिका का नहीं।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता से कहा, 'आप जानते हैं, नेपाल में जब इस तरह का प्रतिबंध लगाने की कोशिश की गई थी, तब क्या हुआ था? साथ ही कोर्ट ने कहा, 'धन्यवाद, हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर रहे हैं।

दरअसल याचिकाकर्ता ने दलील दी कि कोविड-19 महामारी के बाद बच्चे मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के आदि हो गए हैं, इससे उनकी मानसिक स्थिति और पढ़ाई पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने तर्क दिया कि यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, चीन और अरब देशों में नाबालिगों के सोशल मीडिया उपयोग पर पहले से ही प्रतिबंध है, लेकिन भारत में ऐसा कोई नियम नहीं बनाया गया है। याचिका में बताया गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों की एकाग्रता, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवहार पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं, और माता-पिता के कंट्रोल से भी बच्चे पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह पा रहे हैं। हालांकि, अदालत ने यह स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर नाबालिगों के उपयोग पर रोक लगाना एक नीतिगत निर्णय है, जो केंद्र सरकार और संबंधित संस्थाओं को लेना चाहिए, न कि अदालत को इसपर कोई आदेश देना चाहिए। सीजेआई गवई की 'नेपाल' वाली टिप्पणी ने इस बात का संकेत दिया कि इस तरह के प्रतिबंधों के व्यावहारिक और सामाजिक परिणामों पर विचार जरूरी है। अदालत ने किसी भी प्रकार का निर्देश जारी किए बिना याचिका को निपटा दिया।

भारत आ रहे इजराइली विदेश मंत्री, पीएम मोदी व जयशंकर से करेंगे मुलाकात

- टेक्नोलॉजी, डिफेंस और रीजनल डेवलपमेंट विषयों पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल के विदेश गिदोन सार अगले हफ्ते भारत आ रहे हैं। उनकी यह यात्रा इसलिए अहम है, क्योंकि गाजा संकट अभी खत्म नहीं हुआ है और अगले महीने इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की भारत यात्रा भी प्रस्तावित है। अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा में इजराइली विदेश मंत्री पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत यात्रा के दौरान इजराइल के विदेश गिदोन सार जिन द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे, उनमें टेक्नोलॉजी, डिफेंस और रीजनल डेवलपमेंट के अलावा अन्य विषय भी शामिल हैं। गाजा संकट के दौरान इजराइल के कई शीर्ष नेता भारत दौरे पर या तो आ चुके हैं या आने वाले हैं। इनमें गिदोन इजराइल की सत्ता की एक और नई शख्सियत हैं।

गिदोन सार और जयशंकर इसी साल म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के मौके पर मिल चुके हैं। तब उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव पर भी चर्चा की थी, जिसमें एशिया, यूरोप और अमेरिका को इजराइल के जरिए जोड़ने की बात कही थी। अब सार की भारत यात्रा में इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर पर भी बात होगी। यह कॉरिडोर एशिया, मध्य पूर्व और यूरोप को जोड़ने वाली एक बड़ी परियोजना है।

अगले महीने इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का भारत दौरा भी प्रस्तावित है। इसके बाद जनवरी-फरवरी 2026 में वहां के रक्षा मंत्री योव गैलेंट और नए साल की पहली छमाही में ही इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग की भारत यात्रा भी होने वाली है। इस तरह से पिछले दो साल में भारत आने वाले इजराइल के हाई-प्रोफाइल नेताओं की एक लंबी लिस्ट तैयार हो चुकी है।

इजराइल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच सितंबर में भारत आए थे। उस दौरान दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने और निवेशकों को भरोसा दिलाने के लिए द्विपक्षीय निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस संधि के तहत निवेश को जब्त होने से बचाया जाएगा, साथ ही नुकसान होने पर मुआवजा भी दिया जाएगा और पारदर्शिता भी रहेगी। वहीं अर्थव्यवस्था मंत्री निर बरकत एक बड़े व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आए थे। इजराइल को विभिन्न क्षेत्रों में कामगारों के संकट का सामना करना पड़ रहा है और इसके लिए वह भारत से मदद ले रहा है। आज की तारीख में करीब 40,000 भारतीय इजराइल में काम कर रहे हैं और वह इस संख्या को बढ़ाना चाहता है।

चुनावी सरगर्मियों के बीच बिहार के सभी होटल्स फुल, एक रात के ले रहे बीस हजार

-कॉन्फ्रेंस हॉल राजनीतिक बैठकों और टीवी चैनलों के डिबेट सेट्स में बदल गए

पटना (एजेंसी)। बिहार में चुनावी सरगर्मियां चरम पर है और होटल्स की डिमांड भी खूब हो रही है। शहर के करीब सभी बड़े होटल्स फुल हो चुके हैं। चाहे वो दशकों पुराना होटल मौर्य हो, चाणक्य या हाल ही में शुरू हुआ ताज होटल-चुनावी बुखार ने राजधानी के सभी बड़े होटलों को मालामाल कर दिया है। होटल मौर्य के कॉन्फ्रेंस हॉल से लेकर लॉबी तक अब नेताओं, पत्रकारों और चुनावी रणनीतिकारों का डेरा डल चुका है। यहां बने कॉन्फ्रेंस हॉल अब राजनीतिक बैठकों और टीवी चैनलों के डिबेट सेट्स में बदल गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट में होटल के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि पार्टियां अपने नेताओं के लिए कमरे पहले से बुक करा लेती हैं, भले ही उनका इस्तेमाल न हो। उन्हें पता है कि बाद में एक भी कमरा खाली नहीं मिलेगा। करीब 80 कमरों वाले होटल मौर्य में भी इस वक्त 'हाउसफुल' का बोर्ड लगा हुआ है। वहीं, चाणक्य होटल में ऑनलाइन बुकिंग करने पर 'सोल्ड आउट' यानी सारे कमरे बुक होने का संदेश दिख रहा है।

रिपोर्ट में यात्रा पोर्टल्स के मुताबिक हाल ही में खुले ताज होटल में कमरे की कीमतें 18,000 से 20,000 रुपए प्रति रात तक पहुंच चुकी है। यही नहीं आईएचसीएल ग्रुप ने पटना में एक बजट होटल भी खोला है, लेकिन वहां भी सीटें पहले से बुक हैं।

कमरों की भारी कमी से बेहाल पटना पटना की होटल इंडस्ट्री मांग के हिसाब से क्षमता नहीं बढ़ा पाई है. होटल मौर्य और चाणक्य जैसे प्रतिष्ठित होटलों को बने चार दशक से अधिक हो चुके हैं, जबकि राज्य सरकार संचालित होटल अभी मरम्मत के दौर से गुजर रहा है.

1990 के दशक और शुरुआती 2000 के वर्षों में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब रहने के कारण कोई बड़ा होटल निवेश नहीं हुआ। हाल के वर्षों में शराबबंदी से भी होटल कारोबार को झटका लगा है। अब कई मेहमान डे ट्रिप में ही लौट जाते हैं। वहीं शादियां व कॉन्फ्रेंस बिहार से बाहर शिफ्ट हो गई हैं। सिर्फ पटना ही नहीं, गया, मुजफ्फरपुर और भागलपुर जैसे प्रमुख शहरों में भी यही स्थिति है। क्वालिटी होटलों की कमी बिहार को पड़ोसी राज्यों से पीछे दिखाती है। तेजी से बढ़ती बिहार की अर्थव्यवस्था और निवेश की संभावनाओं को देखते हुए कुछ अंतरराष्ट्रीय होटल चेन राज्य में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की योजना बना रही हैं। हालांकि, इन योजनाओं का भविष्य काफी हद तक चुनाव परिणामों पर निर्भर करेगा। फिलहाल, बिहार चुनाव ने पटना के होटल कारोबारियों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है, क्योंकि कमरों की 'कमी' अब उनकी कमाई का जरिया बन चुकी है।